13 नवंबर, 2025
मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
गुरुवार, वर्ष 11, अंक 25

विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक

संघर्ष की सीढ़ियां चढ़कर सेवा की राह, गरीब परिवार से निकले बने समाजसेवी और युवाओं के लिए प्रेरणा : शंकर दुबे

कठिन परिस्थितियों से निकलकर समाजसेवा की मिसाल बनना कोई आसान काम नहीं, लेकिन झारखंड के शंकर दुबे ने यह कर दिखाया है। गरीब परिवार से निकलकर बिल्डर, समाजसेवी और राजनीतिक रूप से सक्रिय व्यक्ति के रूप में उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। वह बाल्य काल से आरएसएस से जुड़े रहे हैं और वर्ष 2000ई से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं। आज वे रांची में शंकरा हेल्थ केयर और शंकरा फाउंडेशन के माध्यम से सैकड़ों जरूरतमंदों की जिंदगी में रोशनी फैला रहे हैं।

संक्षिप्त जीवन परिचय

नाम : शंकर दुबे
जन्म स्थान : रांची
जन्म तिथि : 17 मई 1971
शैक्षणिक योग्यता : स्नातक
रुचि : किताबें पढ़ना, क्रिकेट खेलना और जरूरतमंदों की मदद करना
पत्नी : रीता दुबे
पुत्र : अविनाश दुबे व आकाश दुबे
पुत्री : नेहा रानी
पिता : स्व. लक्ष्मण दुबे
माता : स्व. सुनेश्वरी देवी
आदर्श : परम पूजनीय स्वामी विवेकान्दन,परम पूजनीय डॉ केशव राव बलीराम हेडगेवार, परम पूजनीय अटल बिहारी वाजपेयी, परम आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी
सामाजिक संस्था : शंकरा हेल्पिंग हैड फाउंडेशन

बाल्य काल से आरएसएस से जुड़ाव व सन 2000ई. से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य

कठिन परिस्थितियों से निकलकर समाजसेवा की मिसाल कायम करना हर किसी के बस की बात नहीं होती, लेकिन झारखंड के शंकर दुबे ने यह असंभव को संभव कर दिखाया है। गरीब परिवार से संघर्ष भरे सफर की शुरुआत करने वाले शंकर दुबे ने अपनी मेहनत, लगन और दूरदृष्टि से खुद को न सिर्फ एक सफल बिल्डर के रूप में स्थापित किया, बल्कि समाजसेवा और राजनीति के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई है।

रांची में वे शंकरा हेल्थ केयर और शंकरा हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन के माध्यम से सैकड़ों जरूरतमंदों के जीवन में नई उम्मीद जगा रहे हैं। उनकी संस्थाएं स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सहयोग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। शंकर दुबे का मानना है कि सच्ची सफलता वही है, जो दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए।

संघर्ष से सफलता और फिर सेवा की राह तक का उनका सफर प्रेरणादायक है। उन्होंने यह साबित किया है कि अगर इरादे मजबूत हों और दिल में समाज के लिए कुछ करने की चाह हो, तो कोई बाधा रास्ते में रुकावट नहीं बन सकती। शंकर दुबे आज झारखंड के युवाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक हैं।

झारखंड के रांची से शुरू हुआ प्रेरक सफर

झारखंड के रांची से उठी एक प्रेरक कहानी, जो बताती है कि जज ज बा हो तो कोई सपना अधूरा नहीं रहता। गरीबी से उठकर डेयरी फार्म, राशन दुकान, मिठाई दुका का कारोबार और प्रेरक

सेवा पखवाड़ा 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर शंकर दुबे

समाजसेवा में अहम योगदान

शंकरा हेल्थ केयर & डायगोनिस्टिक सेन्टर के अंतर्गत नियमित रूप से हेल्थ कैंप लगाए जाते हैं, जिनमें गरीब मरीजों को मुफ्त दवा और जांच की सुविधा दी जाती है। संस्थान द्वारा वृद्धा आश्रमों में हर महीने दवाओं की सप्लाई की जाती है - जिनमें ब्लड प्रेशर, शुगर और विटामिन की दवाएं शामिल हैं।

इसी के साथ वे गरीब बच्चों की शिक्षा और खेल दोनों में सहायता करते हैं। झारखण्ड से अब तक कई बच्चों ने कई खेलों में नेशनल प्रतियोगिता पूरी की है और कई बच्चे प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे हैं, इन सभी को शंकर दुबे और उनकी संस्था का सहयोग मिला है।

व्यक्तित्व : शंकर दुबे की कहानी हमें यह सिखाती है कि परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, अगर नीयत सेवा की हो और मन में दृढ़ संकल्प हो, तो ईश्वर भी मार्ग प्रशस्त करता है।

जनवरी 2024 से आजीवन समाज एवं भाजपा के लिए पुर्ण समर्पित

झारखंड की धरती पर जन्मे शंकर दुबे आज न केवल समाज के लिए प्रेरणा हैं, बल्कि यह प्रमाण हैं कि महादेव की कृपा और माता-पिता के आशीर्वाद और मानवता का भाव मिल जाए, तो कोई भी इंसान दुनिया में अच्छाई का दीप जला सकता है।

संघर्षों से सीखा जीवन का असली अर्थ

शंकर दुबे का जन्म और प्रारंभिक शिक्षा झारखंड की राजधानी रांची में ही हुई। उनके पिता पी.एच.डी. में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी थे, वो 1992 में सेवानिवृत हुए। आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी, लेकिन माता-पिता ने उन्हें अच्छे संस्कार और शिक्षा दी, जिसने जीवन का रास्ता बदल दिया। गरीबी में पले-बढ़े शंकर दुबे के मन में शुरू से ही समाज के दबे-कुचले लोगों के लिए कुछ करने की भावना थी। उन्होंने स्वयं बताया हम गरीब परिवार से थे, माता-पिता ने हमें शिक्षा और संस्कार दिए। उसी से सीखा कि जब आपके द्वारा या आपसे मिलकर किसी के चेहरे पर मुस्कुरूहाट आती है, वही आपकी असली कमाई होती है।

कारोबारी सफर रू मेहनत से बनी बुलंद पहचान

शंकर दुबे ने अपने जीवन की शुरुआत छोटे कारोबारों से की पहले राशन की दुकान, डेयरी फार्म फिर मिठाई का कारोबार। जीवन में कई संघर्ष आए, लेकिन हार नहीं मानी। जब पिता का निधन हुआ तो यह उनके लिए जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। कुछ समय वे मानसिक अवसाद में रहे, पर जल्द ही खुद को संभाला। स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्होंने कंस्ट्रक्शन का कार्य शुरू किया और अपना पहला अपार्टमेंट बनाया। यहीं से उनकी बिल्डर के रूप में पहचान बनी और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शंकरा हेल्थ केयर : सेवा का एक संकल्प

कोरोना काल उनके जीवन में एक नई सोच लेकर आया। जब पूरी दुनिया भयभीत थी, तब उन्होंने एक संकल्प लिया कि अगर जिन्दगी बच गई, तो गरीबों और जरूरतमंदों के लिए अस्पताल खोलेंगे। आज वही संकल्प शंकरा हेल्थ केयर और शंकरा हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन के रूप में फल-फूल रहा है। यह संस्था गरीब, यतीम और नेत्रहीन बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, खेल सामग्री और मार्गदर्शन उपलब्ध कराती है। साथ ही वृद्धजनों के लिए नियमित रूप से दवा, चिकित्सा सहायता और भोजन की व्यवस्था करती है। शंकर दुबे बताते हैं हमारे हॉस्पिटल में उतना ही शुल्क लिया जाता है जिससे डॉक्टर, कर्मचारी और रखरखाव का खर्च निकल सके। मुनाफा नहीं, सेवा ही उद्देश्य है।

धर्म, राजनीति और राष्ट्रसेवा

शंकर दुबे धार्मिक और सामाजिक संगठनों से भी जुड़े हुए हैं। वे वर्षों से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं और झारखंड राज्य के गठन (2000) से ही बीजेपी पार्टी से जुड़े हैं। तथा 2004 ई. से सामाजिक और धार्मिक कार्यों में निरंतर योगदान देते रहे हैं। अब जब व्यवसाय की जिम्मेदारी उनके पुत्रों ने संभाल ली है, तो जनवरी 2024 से वे आजीवन पूरी तरह समाज और राजनीति को समर्पित हैं। उनका मानना है राजनीति सेवा का माध्यम है, और अगर नीयत साफ हो तो समाज में बदलाव लाना संभव है।

परिवार का भरपूर सहयोग

शंकर दुबे के परिवार ने उनके हर कदम पर साथ दिया।

- उनकी पत्नि श्रीमती रीता दुबे भी समाजसेवी हैं एवं उनके साथ मिलकर समाज सेवा में हांथ बंटाती हैं।
- बड़े बेटे अविनाश दुबे कंस्ट्रक्शन के काम को संभालते हैं।
- छोटे बेटे फार्मास्युटिकल व्यवसाय से जुड़े हैं और DND Textiles Jeans के नाम से ऑनलाइन कारोबार चलाते हैं।
- बड़ी बहू शंकरा हेल्थ केयर एंड डायग्नोस्टिक सेंटर की देखरेख करती हैं।
- छोटी बहू का इंडियन पिटारा नाम से खुद का बुटीक है।
- बेटी सिनॉप्सिस कंपनी में एचआर के रूप में कार्यरत हैं और दामाद स्विस बैंक में एसोसिएट डायरेक्टर हैं। दोनों पुणे में सेटल्ड हैं।

यह पूरा परिवार सेवा और प्रगति की एक मिसाल है।

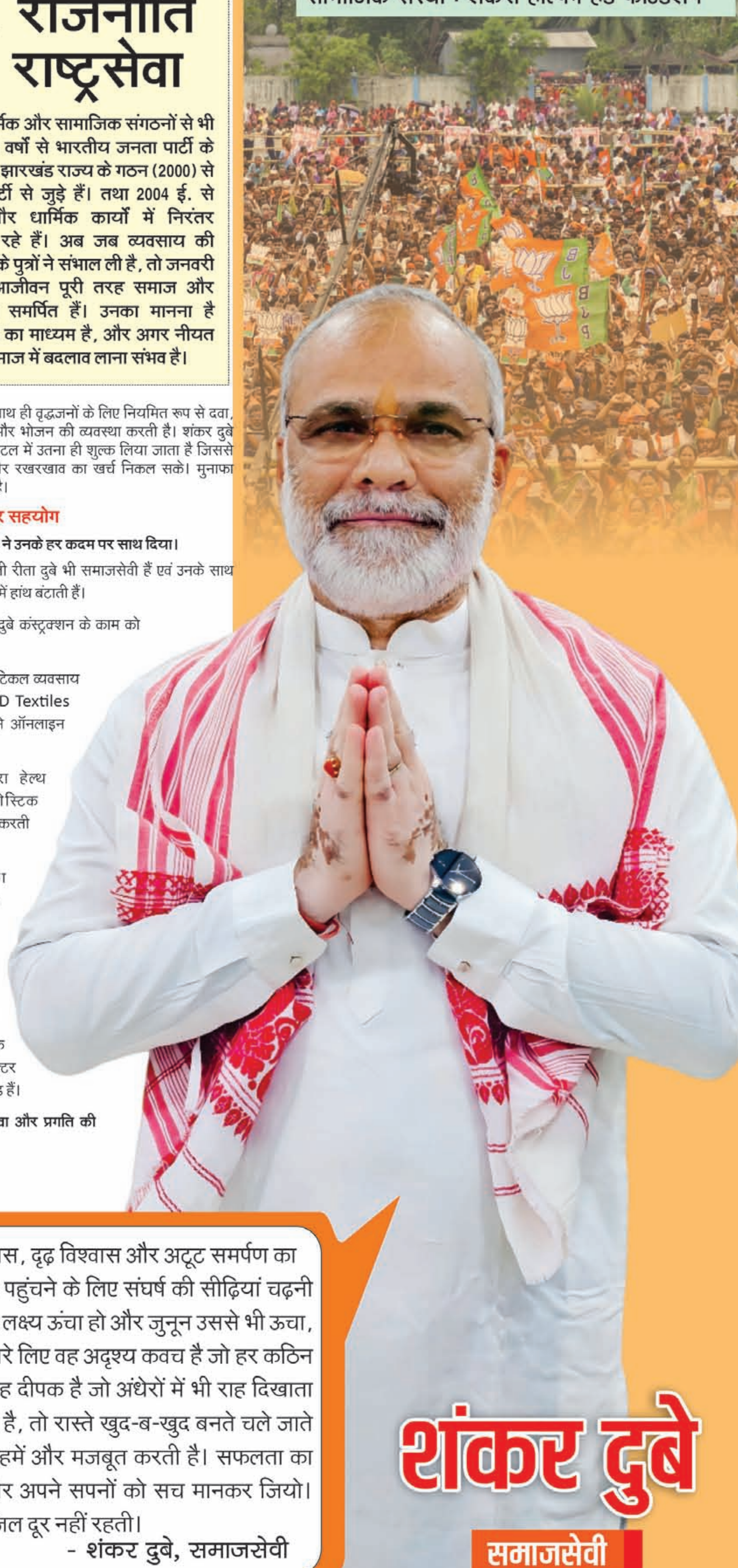

सफलता कभी भी संयोग से नहीं मिलती, बल्कि यह निरंतर प्रयास, दृढ़ विश्वास और अटूट समर्पण का परिणाम होती है। जीवन में कोई शॉर्टकट नहीं होता हर ऊंचाई तक पहुंचने के लिए संघर्ष की सीढ़ियां चढ़नी ही पड़ती हैं। स्वामी विवेकानंद के विचार हमें यही सिखाते हैं कि यदि लक्ष्य ऊंचा हो और जुनून उससे भी ऊचा, तो कोई बाधा स्थायी नहीं रह सकती। माता-पिता का आशीर्वाद हमारे लिए वह अदृश्य कवच है जो हर कठिन परिस्थिति में हमें मजबूत बनाए रखता है। वहीं, खुद पर विश्वास वह दीपक है जो अंधेरे में भी राह दिखाता है। जब इंसान अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ आगे बढ़ता है, तो रास्ते खुद-ब-खुद बनते चले जाते हैं। हर असफलता एक नई सीख बनकर आती है और हर चुनौती हमें और मजबूत करती है। सफलता का असली मंत्र यही है लगातार मेहनत करो, खुद पर भरोसा रखो और अपने सपनों को सच मानकर जियो। क्योंकि जब नीयत सच्ची हो और प्रयास ईमानदार, तब कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती।

- शंकर दुबे, समाजसेवी

शंकर दुबे

समाजसेवी

नोट : आज के युवाओं को स्वामी विवेकानन्द एवं आर.एस.एस. को जानना और पढ़ना चाहिए इससे उनको व्यक्तित्व निर्माण, राष्ट्र भक्ति एवं उनके सपनों को साकार करने में काफी मदद मिलेगी।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 13 नवंबर, 2025
www.azadsipahi.in

राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : हेमंत सोरेन

झारखंड को बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान सर्वे में टॉप अचीवर अवार्ड

मुख्यमंत्री ने कहा- सभी के समन्वित प्रयासों से राज्य को मिली बड़ी उपलब्धि, पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय - डीपीआइआइटी द्वारा आयोजित बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान सर्वे (बीआरएपी) में झारखंड को टॉप अचीवर का सम्मान प्राप्त हुआ है। उद्योग सचिव अरवा राजकमल, उद्योग निदेशक विशाल सागर एवं एमडी जियाडा वरुण रंजन ने यह अवार्ड प्राप्त करने के उपरांत बुधवार को झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि झारखंड को यह सम्मान बिजनेस एंट्री, कंस्ट्रक्शन परमिट, लेबर रेगुलेशन और सर्विस सेक्टर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मिला है। मुख्यमंत्री ने इस सम्मान के लिए अधिकारियों को बधाई दी और कहा कि ये उपलब्धि पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। ऐसे सम्मान से और बेहतर करने की हमें प्रेरणा मिलती है।

विकास में नयी ऊंचाइयों को हासिल कर रहा हमारा झारखंड

: मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों का नतीजा है कि झारखंड विकास के मामले में नित्य नयी ऊंचाइयों को छू रहा है। राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस कड़ी में जो भी जरूरी कदम उठाने होंगे, सरकार उससे पीछे नहीं हटेगी। राज्य हित में हमारी सरकार लगातार योजनाएं बना रही है। इन योजनाओं को बेहतर क्रियान्वयन हो, इसमें हर अधिकारी की अहम भूमिका है। सभी के प्रयासों से हम एक नया और विकसित झारखंड बनाने में निश्चित तौर पर कामयाब होंगे।

क्या है बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान अवार्ड

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय-डीपीआइआइटी के इज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान का उद्देश्य प्रमुख नियामक और शासन संकेतकों पर राज्यों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करना है। इसके जरिए राज्यों में प्रतिस्पर्धी और सुधार-उन्मुख कारोबारी माहौल को बढ़ावा देना है। झारखंड को यह सम्मान प्राप्त होना औद्योगिक निवेश के प्रति राज्य की मजबूत प्रतिबद्धता, नीतिगत नवाचार, डिजिटल और संस्थागत दक्षता को दर्शाता है। झारखंड आज पारदर्शिता, जवाबदेही और व्यापार करने में सहूलियत को बढ़ावा देने वाली पहलों के माध्यम से देश के सबसे प्रगतिशील और निवेश अनुकूल राज्य के रूप में स्थापित हो रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को धूमधाम से मनायेगी भाजपा

15 नवंबर को खूंटी में होगी भाजपा की जनजातीय रैली: बाबूलाल मरांडी

भाजपा पूरे प्रदेश में दीपोत्सव और शोभा यात्रा निकालेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास, उनके गौरव और सम्मान को बढ़ाने के लिए संकल्पित और समर्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस घोषित कर झारखंड के जनजातीय समाज और संस्कृति का सम्मान बढ़ाया है। मरांडी ने कहा कि भाजपा 14 और 15 नवंबर को पूरे प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में दीपोत्सव, शोभा यात्रा और संगोष्ठियों का आयोजन करेगी। 15 नवंबर को खूंटी में विशाल जनजातीय रैली भी होगी।

मरांडी ने कहा कि अलग झारखंड राज्य का गठन भी भाजपा सरकार के नेतृत्व में 15 नवंबर को हुआ था, जो भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है। भाजपा की सरकार ने जल, जंगल, जमीन, भाषा और संस्कृति की रक्षा के लिए हमेशा कार्य किया है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने आदिवासी मंत्रालय की स्थापना की और संथाली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया।

उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने जनजाति कल्याण के लिए पीएम जन मन योजना के बजट को 24 हजार करोड़ से बढ़ाकर 1.24 लाख करोड़ किया है। एकलव्य आवासीय विद्यालयों की संख्या 123 से बढ़ाकर 715 की गयी है, जिनमें 1.32 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। इस मौके पर पूर्व सांसद समीर उरांव, पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव, योगेंद्र प्रताप, शिवपूजन पाठक आदि नेता मौजूद रहे।

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव 2025 : को-ऑपरेटिव कॉलेज में 14 नवंबर को 20 राउंड में होगी मतगणना

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। घाटशिला विधानसभा उप चुनाव 2025 की मतगणना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर में संचालित मतगणना दलों के प्रशिक्षण सत्र को संबोधित किया। प्रत्येक मतगणना टेबल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक, एक मतगणना सहायक और एक माइक्रो ऑब्जर्वर की नियुक्ति की गयी है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मतगणना पर्यवेक्षकों को इवीएम की सील की जांच, काउंटिंग प्रक्रिया की निगरानी और परिणाम पत्रक के बारे में जानकारी दी गयी। वहीं मतगणना सहायक को नियंत्रण इकाई से परिणाम पढ़ने, डेटा दर्ज करने और फॉर्म भरने का कार्य और माइक्रो ऑब्जर्वर को निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशानुसार पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने को लेकर प्रत्येक राउंड में कड़ी निगरानी रखने के संबंध में दिशा निर्देश दिया गया। सहायक रिटर्निंग ऑफिसर प्रत्येक हॉल में समग्र समन्वयक की भूमिका निभायेंगे और किसी भी तकनीकी या प्रक्रिया संबंधी समस्या का समाधान करेंगे। मतगणना के दौरान वीवीपैट पर्चियों की गणना भी निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार की जायेगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि मतगणना प्रक्रिया निर्वाचन की विश्वसनीयता का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। प्रत्येक कर्मी को आयोग के निर्देशों का हूबहू पालन करना होगा। निष्पक्षता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही नहीं हो। उन्होंने यह भी बताया कि मतगणना केंद्र पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गयी है, प्रवेश केवल अधिकृत पासधारी व्यक्तियों को ही मिलेगा और संपूर्ण प्रक्रिया सीसीटीवी निगरानी में होगी। मतगणना कार्य 14 नवंबर 2025 को होगा, कुल 15 टेबल पर 20 राउंड में मतगणना की जायेगी।

स्ट्रांग रूम सील, त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

घाटशिला (आजाद सिपाही)। घाटशिला विधानसभा उप निर्वाचन 2025 के अंतर्गत सभी मतदान दलों की सुरक्षित वापसी के उपरांत स्ट्रांग रूम को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार विधिवत रूप से सील कर दिया गया है। सीलिंग की प्रक्रिया सामान्य प्रेक्षक राखी विस्वास, जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी, आरओ सुनील चंद्र, प्रत्याशी/प्रतिनिधि की उपस्थिति में संपन्न हुई। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को लेकर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। स्ट्रांग रूम परिसर में 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। साथ ही स्ट्रांग रूम क्षेत्र में राजनीतिक दलों के अधिकृत एजेंटों को निगरानी कक्ष भी बनाये गये हैं, जहां से वे सुरक्षा एवं निगरानी प्रक्रिया का अवलोकन कर सकते हैं।

राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ की धूम

आज गुरुजी के आवास से रवाना होगा साइक्लोथॉन

16 को अपनी गायकी से जलवा बिखेरेगी शिल्पा राव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य स्थापना दिवस की 25 वीं वर्षगांठ पर राज्य सरकार ने कई कार्यक्रमों के आयोजन का फैसला किया है। 11 नवंबर को मैराथन दौड़ से कार्यक्रमों की शुरूआत की गयी थी। 13 नवंबर को गुरुजी के मोरहाबादी स्थित आवास से सुबह आठ बजे साइक्लोथॉन का शुभारंभ होगा। तीन दिवसीय साइक्लोथॉन के पहले दिन इसमें शामिल होनेवाले प्रतिभागी स्वर्गीय शिबू सोरेन के मोरहाबादी स्थित आवास से निकल कर पहाड़ी मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, धुर्वा डैम, नया सराय, रिंग रोड, लतरातू चौक, नगड़ी, इटकी, बेड़ो, साईं टेंपल लापुंग, लतरातू डैम, कर्रा, खूंटी, डोंबारीबुरु होते हुए बिरसा मुंडा की जन्म स्थली उलीहातू तक जायेंगे। पहले दिन लतरातू डैम रिसोर्ट में रात्रि विश्राम करेंगे। दूसरे दिन 14 नवंबर को खूंटी सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। 15 नवंबर की सुबह सात बजे नाश्ता के बाद उलीहातू पहुंचेंगे। वहां से बस से रांची पहुंचेंगे।

Cyclothon Event Plan

Nodal officer	Shri Shivendra Kumar singh	Dis. Sports Officer		
	Shri Roshan Kumar	Dis. Tourism Specialist		
Date Of Event	13th to 15th Nov 2025		Timing:-	8:00 AM
Total Participant	25 Cyclist	Supporting Staff	10 Members	
Venue	Start Point		Finish Point	
	Dishom Guru Shibu Soren Awas, Morabadi		Dombari Buru/ Ulihatu, Khunti	
Final Route	via Pahari Mandir-Jagannath Mandir-Dhurwa dam-Bero-Latratu-Khunti-Ulihatu		145 km	

16 नवंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम और जतरा का आयोजन

16 नवंबर को सुबह 11 बजे से जैप-1 से जतरा का शुभारंभ होगा। यह दिन के एक बजे बिरसा मुंडा स्मृति पार्क (पुराना जेल) परिसर तक जायेगा। 16 नवंबर को ही शाम चार बजे से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। वॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका शिल्पा राव अपनी गायकी से जलवा बिखेरेंगी। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा भी अपनी अपनी प्रस्तुति की जायेगी।

14 को वाल पेंटिंग और 15 को मोरहाबादी में राजकीय समारोह

14 नवंबर को प्रोफेशनल कलाकारों द्वारा राजधानी में प्रमुख स्थानों पर वाल पेंटिंग की जायेगी। वाल पेंटिंग का थीम सुंदर झारखंड होगा। 15 नवंबर को ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में दिन के दो बजे से राजकीय समारोह का आयोजन किया गया है। राज्यपाल संतोष गंगवार मुख्य अतिथि होंगे। मंत्रियों-विधायकों से लेकर अन्य प्रबुद्ध लोग इसमें शामिल होंगे। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास, परिसंपत्ति और नियुक्ति पत्रों का वितरण भी किया जायेगा।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

धरती आबा के संघर्ष और बलिदान के लिए पूरा देश ऋणी रहेगा

रघुवर दास
पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड

जब-जब देश पर विपत्ति आती है व धर्म की हानि होती है, तब-तब भारत माता अपनी कोख से ऐसे महान वीर सपूतों को जन्म देती है, जो अपने छोटे से जीवन काल में सोए हुए समाज को अपनी हुंकार से जागृत करते हुए आने वाली पीढियां के लिए प्रेरणास्त्रोत बन जाते हैं। ऐसे ही नायक की कहानी है भगवान बिरसा मुंडा की। जिन्होंने आजादी के आंदोलन को चिंगारी दी।

धरती आबा

एक सामान्य गरीब परिवार में जन्म लेकर अभाव के बीच रहकर भी किसी का भगवान हो जाना कोई सामान्य बात नहीं है। लेकिन मात्र 25 वर्ष के जीवन काल में तमाम अभाव, मानसिक एवं शारीरिक यातनाओं के बीच अपने बचपन से लेकर भगवान बनने तक की इस यात्रा को बिरसा मुंडा ने पूरा किया। 19वीं सदी के उत्तरार्ध में उन्होंने एक ओर आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नये सामाजिक युग का सूत्रपात किया, तो साथ ही शौर्य की नयी गाथाएं भी लिखी। आदिवासियों ने भी उन्हें सिर्फ नायक नहीं, बल्कि धरती आबा यानी धरती के पिता के साथ भगवान का दर्जा भी दिया।

जल, जंगल और जमीन को लेकर आदिवासियों का संघर्ष सदियों पुराना है। 19वीं सदी के उत्तरार्ध में जब भारत गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, इस संघर्ष के बीच 15 नवंबर 1875 को तब के रांची जिले (अब खूंटी) के उलिहातू गांव में सुगना मुंडा के घर एक बालक का जन्म हुआ। कहते हैं उस दिन बृहस्पतिवार था, इसलिए बालक का नाम बिरसा रखा गया। घर की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी, बावजूद इनके पिता ने बिरसा को पढ़ने के लिए मिशनरी स्कूल भेजा। बात 1882 की है एक तरफ गरीबी थी, दूसरी तरफ अंग्रेजों का लाया इंडियन फोरेस्ट एक्ट। इस

एक्ट का दुरुपयोग कर आदिवासियों से उनके जंगल के अधिकारों को छिनने की शुरूआत हुई।

वर्ष 1890 में 15 वर्ष की आयु में अपनी शिक्षा छोड़ने के बाद किशोर बिरसा ने समग्र विचारों को विस्तार से समझने का प्रयास किया। इसके बाद आने वाले 5 साल (1890 से 1895) तक किशोर बिरसा ने धर्म, नीति, दर्शन, आदिवासी रीति रिवाज, मुंडारी परंपराओं का गहराई से अध्ययन किया। इसके साथ ही इसाई धर्म और ब्रिटिश सरकार की नीतियों का भी गहराई से अध्ययन किया। अध्ययन के सार के रूप में उन्होंने कहा साहब-साहब टोपी एक। बिरसा ने महसूस किया कि आचरण के धरातल पर आदिवासी समाज अंधविश्वास में फंसा है, तो आस्था के मामले में वह भटका हुआ है। धर्म के बिंदु पर आदिवासी कभी मिशनरियों के प्रलोभन में आ जाते, तो कभी ढकोसलों को ही ईश्वर मानने लगते हैं। इसके ऊपर था जमीदारों और ब्रिटिश शासन का शोषण।

युवा बिरसा ने तीन स्तरों पर आदिवासी समाज को संगठित किया। पहले अंधविश्वास और ढकोसलों से दूर होना, स्वच्छता व शिक्षा का रास्ता। दूसरा सामाजिक स्तर के साथ आर्थिक स्तर पर सुधार। इसके लिए बिरसा ने नेतृत्व की कमान संभाली और बेगारी प्रथा के खिलाफ भी आंदोलन खड़ा किया। तीसरा राजनीतिक स्तर पर आदिवासियों को लेकर सजग करना। आदिवासियों को बिरसा मुंडा के रूप में अपना नायक मिला। बिरसा ने अंग्रेजों के द्वारा लागू की गयी जमीनदारी और राजस्व व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई छेड़ी। बिरसा ने सूदखोर महाजनों के खिलाफ भी बगावत की। ये महाजन कर्ज के बदले आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर लेते थे। बिरसा मुंडा के निधन तक चला यह विद्रोह उलगुलान नाम से जाना जाता है।

अगस्त 1897 में बिरसा ने अपने साथ करीब 400 आदिवासियों को लेकर एक थाने पर हमला बोल दिया। जनवरी 1900 में बिरसा मुंडा के नेतृत्व में आदिवासियों और अंग्रेजों के बीच लड़ाई हुई है। रांची के पास डोंबारी पहाड़ी पर हुई, इस लड़ाई में हजारों आदिवासियों ने अंग्रेजों का सामना किया। लेकिन तोप और बंदूकों के सामने तीर-कमान जवाब देने लगे। बहुत से लोग शहीद हो गये और कई लोगों को अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर लिया। बिरसा पर अंग्रेजों ने 500 रुपये का इनाम रखा था, उस समय के हिसाब से यह रकम काफी ज्यादा थी। कहा जाता है कि बिरसा के पहचान के लोगों ने 500 रुपये के लालच में उनके छिपे होने की सूचना पुलिस को दे दी।

आखिरकार बिरसा चक्रधरपुर से गिरफ्तार कर लिये गये। अंग्रेजों ने उन्हें रांची की जेल में कैद कर लिया। कहा जाता है कि यहां उनको धीमा जहर दिया गया। इसके चलते 9 जून 1990 को वे शहीद हो गये। भगवान बिरसा समाज के लिए जिये, अपनी संस्कृति और अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। समाज और देश के लिए किये गये अपने कृत्यों के कारण बिरसा मुंडा धरती आबा बने। आज भी हमारी आस्था में, हमारी भावना में हमारे भगवान के रूप में उपस्थित हैं।

वर्षों तक किताबों के भीतरी पन्नों में सिमटी रही बिरसा की वीरगाथा को याद दिलाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 15 नवंबर 2021 को बिरसा मुंडा की शौर्य गाथा का स्मरण कर रांची जेल को संग्रहालय बनाया ताकि आने वाली पीढ़ी अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व कर सके। इसी दिन से पहली बार देश में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातिय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की गयी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को कोटि कोटि नमन करता हूं। उनके संघर्ष और बलिदान के लिए पूरा देश उनका और उनके जैसे महावीरों को सदैव ऋणी रहेगा। भगवान बिरसा मुंडा की जय।

www.epaper.azadsipahi.in

13 नवंबर, 2025
मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
गुरुवार, वर्ष 11, अंक 25

वाराणसी जा रहे विमान को बम से उड़ाने की धमकी

मूंगफली के चार दाने के लिए छीन ली गयी छह वर्षीय बच्चे की जिंदगी

बच्चे की बेदर्दी से की गयी पिटाई, पेड़ पर पटका

इलाज के दौरान हुई मौत, दो आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला के सदर थाना क्षेत्र के ढिढ़ौली पोखराटोली में खलिहान से मूंगफली उठाकर खाने के कारण छह वर्षीय नीलेश महतो की इतनी बेदर्दी से पिटाई की गयी कि इलाज के दौरान उस मासूम ने दम तोड़ दिया।

जट्टू के खेत से उठा ली थी मूंगफली: घटना 8 नवंबर यानी शुक्रवार की है। नीलेश अपने पिता सुनील महतो के साथ खेत पर था। धान काट कर घर लौटने के दौरान रास्ते में एक खेत से बादाम तोड़ने लगा। इसी दौरान खेत का मालिक जट्टू खड़िया ने उसे बादाम उठाते देख लिया। इस बात से गुस्साये जट्टू ने बच्चे की बेरहमी से पिटाई की।

पहले जमीन पर, फिर उठा कर पेड़ पर पटका: प्रत्यक्षदर्शी राहुल देव के अनुसार जट्टू खड़िया ने नीलेश को पहले पकड़ा और जमीन पर पटक दिया। फिर उसे जमीन से उठाया और एक पेड़ पर पटक दिया। जिसके बाद बच्चे के सिर पर गंभीर चोट लग गयी।

पांच दिनों के संघर्ष के बाद हार गयी जिंदगी

गरीब किसान परिवार से संबंध रखने वाला वाला नीलेश के पिता अपने बेटे की जिंदगी बचाने के लिए पांच दिनों तक संघर्ष करते रहे। परिवार ने सरकार और प्रशासन से मदद की गुहार लगायी। रिम्स में इलाज भी चला लेकिन बच्चे ने बुधवार को आखिरकार दम तोड़ दिया।

पुलिस ने किया दो आरोपियों को गिरफ्तार

मृतक बच्चे के पिता सुनील महतो और दादा राम लखन महतो ग्रामीणों के साथ बुधवार की सुबह गुमला सदर थाना पहुंचे। परिजनों ने हत्या के आरोपी जट्टा खड़िया और सबू खड़िया की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सिर की हड्डी टूटी हुआ ब्रेन हैमरेज

जब बच्चे के पिता को इसकी सूचना मिली तो वे वहां पर पहुंचे, और देखते ही देखते परिजन व ग्रामीणों की भीड़ लग गयी। परिजनों ने तत्काल बच्चे को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां सिटी स्कैन में पता चला कि नीलेश के मस्तिष्क की हड्डी टूट गयी है और ब्रेन हेमरेज हो गया है। डॉक्टर ने बच्चे को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। जहां बुधवार को इलाज के दौरान उस मासूम ने दम तोड़ दिया।

प्रधानमंत्री आवास पर हुई सीसीएस की बैठक, केंद्र सरकार ने माना

दिल्ली ब्लास्ट आतंकी घटना

अमित शाह, राजनाथ सिंह, अजित डोभाल समेत अन्य बैठक में हुए शामिल

- दो साल से विस्फोटक जमा कर रही थी डॉ. शाहीन शाहिद
- जनवरी से रची जा रही थी साजिश कई जगह हमले की आशंका
- डॉ. उमर उन नबी के नाम पर पंजीकृत कार बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली कार ब्लास्ट को आतंकी हमला माना है। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लाला किला के पास हुए आंतकी हमले पर प्रस्ताव पारित किया। दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए धमाके के बाद केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक की। यह बैठक प्रधानमंत्री आवास में हुई। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे। बताते चलें कि लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास सोमवार शाम करीब 6.52 बजे सफेद आइ-20 कार में ब्लास्ट हुआ था। इसमें 12 लोगों की मौत हुई। सूत्रों का कहना है कि कार में विस्फोट सामग्री वही थी, जो फरीदाबाद से 10 नवंबर को धमाके से पहले जब्त की गयी थी। उधर, प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली धमाका करने वाले आतंकियों का ग्रुप फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से संचालित हो रहा था। सूत्रों के मुताबिक धमाकों की साजिश जनवरी से की जा रही थी। फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. शाहीन शाहिद ने बताया कि वह पिछले दो साल से विस्फोटक जमा कर रही थी। शाहीन और उसके साथियों को मिलाकर एक व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल बनाया गया था। यानी इसमें पेशेवर लोगों को शामिल किया गया था। इसमें शामिल आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद नाम के संगठनों जुड़े थे।

आतंकियों की दूसरी कार फरीदाबाद में मिली : इधर पुलिस ने आशंका जतायी थी कि दिल्ली धमाके में शामिल आतंकियों के पास एक नहीं, बल्कि दो कारें थीं। उस लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार का नंबर डीएल 10-सीके-0458 है। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को इसकी तलाश के लिए दिल्ली के साथ पड़ोसी राज्यों यूपी और हरियाणा में अलर्ट जारी किया गया था। अलर्ट जारी होने के बाद बुधवार शाम को ही कार को हरियाणा के खंदावली गांव के पास से बरामद किया गया है। यह कार डॉ. उमर उन नबी के नाम पर रजिस्टर्ड है।

प्रधानमंत्री घायलों को देखने अस्पताल पहुंचे

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान से लौटते हुए एयरपोर्ट से सीधे एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों के इलाज का जायजा लिया और डॉक्टरों से बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि साजिश को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। मोदी अस्पताल में आधा घंटा रहे। मरीजों से धमाके के वक्त की स्थिति जानी।

दिल्ली धमाके से जुड़े अपडेट

- कार चलाने वाला आतंकी डॉक्टर उमर की मां का डीएनए लिया गया है। जांच के लिए उसे एम्स की फॉरेंसिक लैब में भेजा गया है।
- विस्फोट में शामिल हुंडई-आई 20 कार फरीदाबाद स्थित एक सेकेंड-हैंड कार शोरूम 'रॉयल कार जोन' ने बेची थी। शोरूम का मालिक हिरासत में लिया गया है।
- घटना वाली जगह से करीब 40 सैंपल कलेक्ट किये गये हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि एक सैंपल में अमोनियम नाइट्रेट होने की संभावना है।

26/11 जैसे हमले की थी साजिश

प्राप्त जानकारी के मुताबिक आतंकियों ने 200 बम (आइइडी) से 26/11 जैसे हमले करने की साजिश रची थी। दिल्ली के लाल किला, इंडिया गेट, कांस्टिट्यूशन क्लब और गौरी शंकर मंदिर जैसी जगह धमाके किये जाने थे। आतंकियों के टारगेट पर गुरुग्राम और फरीदाबाद के साथ देशभर के रेलवे स्टेशनों और बड़े मॉल भी थे।

आतंक का व्हाइट कॉलर मॉड्यूल, इसमें पेशेवर शामिल

सूत्रों के मुताबिक धमाकों की साजिश जनवरी से की जा रही थी। फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ शाहीन शाहिद ने बताया कि वह पिछले दो साल से विस्फोटक जमा कर रही थी। शाहीन और उसके साथी फरीदाबाद के एक ह्वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल से जुड़े थे, यानी इसमें शामिल लोग पेशेवर थे। इनका ग्रुप फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से गतिविधियां चला रहा था। इस मॉड्यूल में शामिल आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद नाम के संगठनों जुड़े थे। जांच एजेंसियों का कहना है कि वे धार्मिक स्थलों पर हमला कर देश में सांप्रदायिक तनाव फैलाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने कश्मीर के पुलवामा, शोपियां और अनंतनाग के डॉक्टरों को चुना, ताकि वे बिना रोकटोक कहीं भी जा सकें।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक, 18 प्रस्ताव पारित

विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक

- 'देशी मांगुर' राजकीय मछली घोषित
- सीएम एक्सीलेंस स्कूल में स्टेम लैब बनेंगे
- पुलिस की शारीरिक दक्षता नियमावली बदली
- देवघर में बनेगा फोर स्टार होटल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक आयोजित किया जायेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित औपबंधिक कार्यक्रम को मंजूरी दी गयी। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि बैठक में 18 प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी। इनमें 24 जिलों में स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में विज्ञान और गणित विषयों के लिए एक-एक प्रयोगशाला (स्टेम लैब) बनाने, देशी मांगुर राजकीय मछली घोषित करने, पुलिस रेडियो में अवर निरीक्षक इंडिया और रिजर्व बटालियन में आरक्षी के पद पर नियुक्ति नियमावली में संशोधन समेत अन्य फैसले शामिल हैं।

देशी मांगुर का संरक्षण और संवर्धन होगा: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो लखनऊ, के अनुरोध के अनुपालन में अन्य राज्यों की तरह देशी मांगुर को झारखंड के लिए राज्य की 'राजकीय मछली' घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। अब राज्य में देशी मांगुर का संरक्षण और संवर्धन किया जायेगा।

नेतरहाट के शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ

नेतरहाट आवासीय विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षक के उत्तर कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जायेगा। इसके अलावा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में संविदा पर कार्यरत 24 कर्मियों को अधिसूचना जारी होने की तिथि से नियमित किया जायेगा।

लैब और होटल निर्माण की मंजूरी

कैबिनेट ने राज्य के सभी 24 जिलों में स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में विज्ञान और गणित विषयों के लिए एक-एक प्रयोगशाला (लैब) स्थापित करने की मंजूरी दी। प्रत्येक लैब पर करीब 20 लाख खर्च होंगे। वहीं, 113.97 करोड़ रुपये की लागत से पीपीपी मोड पर 4 सितारा श्रेणी के होटल के रूप में होटल वैद्यनाथ विहार, देवघर के निर्माण, संचालन, रख-रखाव और प्रबंधन की स्वीकृति दी गयी।

पुलिस बहाली में बदलाव: पुलिस रेडियो में अवर निरीक्षक इंडिया व रिजर्व बटालियन में आरक्षी के पद पर नियुक्ति नियमावली में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। इसके तहत अब शारीरिक दक्षता परीक्षा में पुरुषों के लिए 1600 मीटर की दौड़ 6 मिनट में पूरी करनी होगी, जबकि महिलाओं के लिए यही दूरी 10 मिनट में तय करनी होगी। पुरानी नियमावली में पुरुषों के लिए 8 किमी और महिलाओं के लिए 4 किमी की लंबी दौड़ निर्धारित थी।

आइएएस छवि रंजन का निलंबन का आदेश रद्द

जल्द ही होगी पोस्टिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के पूर्व उपायुक्त आइएएस छवि रंजन को बड़ी राहत मिली है। राज्य सरकार ने उनका निलंबन आदेश रद्द कर दिया है। उनका निलंबन 14 अक्टूबर से प्रभावी रूप से खत्म माना जायेगा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 14 अक्टूबर को ही जमानत दी थी। जानकारी के मुताबिक छवि रंजन ने राज्य सरकार को अपने निलंबन समाप्त करने के लिए आवेदन दिया थ। सरकार ने इस पर विचार करते हुए निलंबन हटाने का फैसला लिया है। निलंबन खत्म होने के बाद अब जल्द ही उन्हें किसी विभाग में नयी पोस्टिंग दी जा सकती है। बताते चलें कि प्रवर्तन निदेशालय ने छवि रंजन को लैंड स्कैम से जुड़े एक मामले में 4 मई 2023 को गिरफ्तार किया था। वह करीब 29 माह बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से निकले।

एक्टर धर्मेंद्र अस्पताल से डिस्चार्ज, घर में ही होगा इलाज

सांस की दिक्कत के कारण दो दिन पहले भर्ती हुए थे

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। एक्टर धर्मेंद्र को बुधवार सुबह मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। उनके परिवार ने फैसला किया है कि अब उनका इलाज घर पर ही किया जायेगा। यह जानकारी उनके डॉक्टर ने दी। मीडिया से बात करते हुए डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया कि धर्मेंद्र पिछले कई हफ्तों से कभी अस्पताल में भर्ती हो रहे थे, तो कभी घर लौट रहे थे। उन्हें सुबह करीब 7:30 बजे अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। डॉ. प्रतीत समदानी आंतरिक रोगों और गंभीर मरीजों की देखभाल (क्रिटिकल केयर) के विशेषज्ञ हैं। सूत्रों के मुताबिक र्मेंद्र के घर में ही आइसीयू वॉर्ड बना दिया गया है। इलाज की सारी जरूरी सुविधाएं रखी गयी हैं। इसके अलावा चार नर्सें और एक डॉक्टर उनकी देखभाल के लिए घर हमेशा मौजूद हैं।

डिस्चार्ज के बाद परिवार ने प्राइवेसी की अपील की : वहीं, धर्मेंद्र के डिस्चार्ज होने के बाद परिवार ने प्राइवेसी की अपील करते हुए आधिकारिक बयान में कहा कि धर्मेंद्र जी को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है और अब वे घर पर आराम करेंगे। हम मीडिया और लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे किसी तरह की अफवाह न फैलायें और इस समय उनकी तथा परिवार की प्राइवेसी का सम्मान करें। हम सभी का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने धर्मेंद्र जी की अच्छी हेल्थ और लंबी उम्र के लिए दुआ की। कृपया उनका सम्मान करें क्योंकि वे आप सभी से बहुत प्यार करते हैं।

'वीरू' को देखने खुद कार चला कर पहुंचे 'जय'

मुंबई (आजाद सिपाही)। धर्मेंद्र का हाल जानने के लिए अमिताभ बच्चन उनके घर पर पहुंचे। अमिताभ बच्चन यहां खुद कार चलाकर पहुंचे थे। उन्होंने परिवार वालों से धर्मेंद्र की सेहत के बारे में जानकारी ली और जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की। उनके अलावा धर्मेंद्र के अस्पताल से घर आते ही अभिनेता, अभिनेत्री, डायरेक्टर और अन्य लोग उनकी तबीयत का हाल जानने के लिए पहुंचने लगे हैं। काजोल, असित मोदी समेत अन्य लोग पहुंचे। वहीं, धर्मेंद्र के घर के बाहर फैंस की भारी भीड़ लगी हुई थी।

एच-1बी वीजा पर नरम पड़े ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अब तक के सख्त रुख से पीछे हटते हुए कहा है कि देश को विदेशी कुशल लोगों की जरूरत है। उन्होंने माना कि अमेरिका केवल लंबे समय से बेरोजगार बैठे लोगों पर निर्भर रहकर अपनी इंडस्ट्री और टेक्नोलॉजी को आगे नहीं बढ़ा सकता। एक समाचार चैनल को दिये इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को अपने उद्योगों और रक्षा क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले लोगों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं सहमत हूं कि हमें अमेरिकी मजदूरों की तनख्वाह बढ़ानी चाहिए, लेकिन हमें यह टैलेंट भी लाना होगा। अमेरिका को दुनिया में आगे बनाये रखने के लिए ये जरूरी है।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 13 नवंबर, 2025
www.azadsipahi.in

सीएम ने स्वैच्छिक रक्तदान महाअभियान का किया शुभारंभ

झारखंड को जीवनदायिनी राज्य बनाने का संकल्प लें : हेमंत सोरेन

राज्य वासियों से रक्तदान करने की अपील की

राज्य भर में 12 से 28 नवंबर तक चलेगा स्वैच्छिक रक्तदान महाअभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित मेगा रक्तदान शिविर में रक्तदान कर स्वैच्छिक रक्तदान महाअभियान का शुभारंभ किया। झारखंड की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर रक्तदान शिविर महाअभियान पूरे राज्य में 28 नवंबर तक आयोजित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने रक्तदान महादान का संदेश देते हुए कहा कि आपका दिया रक्त जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने के काम आ सकता है। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से स्वैच्छिक रक्तदान महा अभियान के तहत आयोजित होने वाले शिविरों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

ये रहे मौजूद : स्वैच्छिक रक्तदान महा अभियान के शुभारंभ के मौके पर मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री इरफान अंसारी, मंत्री हफीजुल हसन, मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो, मंत्री सुदिव्य कुमार, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्य सचिव अविनाश कुमार और स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

रक्तदान अभियान के जरिए पूरा राज्य जीवनदान का केंद्र बनेगा

सीएम ने कहा कि झारखंड राज्य की 25वीं वर्षगांठ एक नये संकल्प के साथ हमारा राज्य आगे बढ़ने को तैयार है। अब पूरा राज्य जीवनदान का केंद्र बनेगा। इस बाबत स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के द्वारा 12 से 28 नवंबर तक पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर स्वैच्छिक रक्तदान अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अलग-अलग स्थान पर विशेष रक्त दान शिविर लगाये जायेंगे, जहां लोग स्वैच्छिक रक्तदान कर सकेंगे। इस अभियान का उद्देश्य राज्य में रक्त की कमी को पूरा करना और हर जरूरतमंद तक सुरक्षित रक्त पहुंचाना है। अस्पताल में रक्त की कमी से किसी की जिंदगी की सांसे थमे नहीं, इसे सुनिश्चित करना हम सभी का परम उत्तरदायित्व है। ऐसे में हम सभी मिलकर झारखंड को जीवनदायिनी राज्य बनाने का संकल्प लें।

विभिन्न संगठनों ने रांची उपायुक्त के नाम सौंपा ज्ञापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अस्तित्व अखिल भारतीय बांग्ला भाषी समन्वय परिषद के बैनर तले बुधवार को विभिन्न संगठनों और सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें प्रतिमा के स्वरूप की पुनर्समीक्षा की मांग की गयी। कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की प्रतिमा को रवींद्र भवन में स्थापित किये जाने पर पूरे बांग्ला समाज में गहरा आक्रोश और निराशा व्याप्त है। समाज का कहना है कि जिस स्वरूप में प्रतिमा तैयार की गयी है। वह कविगुरु के वास्तविक रूप, व्यक्तित्व, चिंतन और गरिमा से बिल्कुल मेल नहीं खाती, बल्कि एक विकृत और असंगत चित्रण प्रस्तुत करती है। कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर केवल एक साहित्यकार नहीं, बल्कि भारत के राष्ट्रगान जन गण मन के रचयिता, विश्वकवि, शिक्षाविद, कलाकार, दार्शनिक और मानवता के प्रतीक थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति, भाषा और चेतना को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलायी। ऐसे महापुरुष को दिया जाने वाला सम्मान सर्वोच्च, सच्चा और सौंदर्यपूर्ण होना चाहिए। परंतु जिस रूप में प्रतिमा स्थापित की जा रही है, वह न केवल उनकी स्मृति के प्रति अन्याय, बल्कि समाज की भावनाओं को आहत करने वाला कार्य है। केंद्रीय अध्यक्ष अभिजीत दत्ता गुप्ता ने कहा कि यह किसी प्रकार का विरोध नहीं, बल्कि कविगुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा और सम्मान की रक्षा का प्रयास है। अभिजीत दत्ता गुप्ता केंद्रीय अध्यक्ष, अभिजीत भट्टाचार्य केंद्रीय महासचिव, रिंकू बनर्जी, सुदिप्तो भट्टाचार्य, तरुण कुंडु, राजा सेन, रीता डे, मिता दान, देबाशिष दत्ता, सुचिसमिता सेन, अभिजीत विश्वास, उत्तम बनर्जी, मानस, रथिन चटर्जी बिट्ठू, नीता, आयोना, उत्पल, स्वागता कुंडू, प्रभीर दासगुप्ता, गौतम देबनाथ, जोय कुर्मी, बांग्ला सांस्कृतिक कमीर्वृंद के सुबीर लाहिड़ी, प्रणब चौधरी उत्पल सिन्हा, निलेश, अर्नब गुप्ता सहित अनेक प्रतिनिधि मौजूद थे।

मेकॉन में आइएसआइइइएस-2025 पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मेकॉन लिमिटेड ने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, झारखंड केंद्र के साथ समंवय में 11-12 नवंबर को रांची स्थित अपने मुख्यालय में एन्हांसिंग एफिसिएन्सि एंड सस्टेनेबिलिटी इन आइरन एंड स्टील इंडस्ट्री (आइएसआइइइएस-2025) विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस आयोजन को इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार का समर्थन प्राप्त था। इस दो दिवसीय सम्मेलन में उद्योग जगत के लीडर, नीति निर्माता, प्रौद्योगिकीविद और शोधकर्ताओं ने लौह और इस्पात क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता, पर्यावरणीय स्थिरता और तकनीकी उन्नति प्राप्त करने के लिए रणनीतियों और नवाचारों पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए। दो दिनों के दौरान सम्मेलन में तकनीकी सत्र पैनल चर्चायें और विशेषज्ञ संवाद आयोजित किये गये। इनमें निम्न-कार्बन लौह निर्माण, अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति, प्रोसेस अनुकूलन और दीर्घकालिक संचालन जैसे विषय शामिल थे। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी बुधवार को एसके वर्मा, सीएमडी मेकॉन, अमित राज निदेशक (टी), मेकॉन, जेके झा, निदेशक (सी), मेकॉन सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में समापन सत्र के साथ संपन्न हुई।

सेंट जेवियर्स कॉलेज ने मनाया राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची की एनएसएस इकाई ने आइक्यूएसी के सहयोग से बुधवार को वार्ता और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य विषय था 'राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी) की भूमिका' और 'भारत की शैक्षिक परंपराः गुरुकुल से डिजिटल शिक्षा तक।' कार्यक्रम का शुभारंभ मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन और योगदान पर आधारित एक प्रेरणादायी डॉक्यूमेंट्री के प्रदर्शन से हुआ। डॉक्यूमेंट्री ने विद्यार्थियों को भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री की दूरदृष्टि और आधुनिक शिक्षा के प्रति उनके विचारों से परिचित कराया। कार्यक्रम में कॉलेज के डीएसडब्ल्यू डॉ संजय सिन्हा ने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 देश के समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, रचनात्मक और नवोन्मेषी बनने के लिए प्रेरित करती है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनिर्बन गुप्ता ने कहा कि भारत की शैक्षिक यात्रा गुरुकुल परंपरा से लेकर डिजिटल युग तक का एक अद्भुत सफर रही है, जिसने भारतीय शिक्षा को विश्व स्तर पर पहचान दिलायी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने जोश और उत्साह के साथ भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया और अपने विचार प्रस्तुत किये। श्रेष्ठ प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की भावना को सशक्त करने वाला रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने शिक्षा के महत्व को समझते हुए 'शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण' के संकल्प को दोहराया।

रांची रेल मंडल में नुक्कड़ नाटक का मंचन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। महान स्वतंत्रता सेनानी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में रांची रेल मंडल में 01 नवंबर 2025 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े का उद्देश्य जनजातीय समुदायों के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान के प्रति जनजागरूकता फैलाना है। जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा के अंतर्गत रांची रेल मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं का सम्मान करना और आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक एकता की भावना को सुदृढ़ करना है। इसी क्रम में बुधवार को हटिया रेलवे स्टेशन पर भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके स्वतंत्रता संग्राम, त्याग एवं बलिदान पर आधारित एक प्रेरणादायी नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इस नाटक के माध्यम से यात्रियों एवं उपस्थित जनसमुदाय को जनजातीय नायकों के संघर्ष, वीरता एवं देशभक्ति के संदेश से अवगत कराया गया।

रॉयल एनफील्ड का नया डीलरशिप छाबड़ा मोटर्स हवाई नगर में खुला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रॉयल एनफील्ड ने रांची में अपने नये अधिकृत डीलरशिप छाबड़ा मोटर्स का शुभारंभ किया है। नया शोरूम हवाई नगर में स्थित है और इसे क्षेत्र में बढ़ती ग्राहक मांग को ध्यान में रखते हुए खोला गया है। उद्घाटन समारोह में रॉयल एनफील्ड के क्षेत्रीय प्रबंधक नितिन शर्मा क्षेत्रीय प्रबंधक, व्यवसाय प्रबंधक शुभजीत कुमार, भंडारी लाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतिष्ठान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर छाबड़ा मोटर्स के डीलर प्रिंसिपल अर्जुन छाबड़ा ने कहा कि रॉयल एनफील्ड के आदर्श वाक्य हर बुलेट की सवारी एक गर्जना से शुरू होती है और एक कहानी पर खत्म होती है। मेरी बुलेट सिर्फ. धातु नहीं है, यह पहियों पर मेरी आत्मा है। बुलेट पर एक सवारी के बाद, बाकी सभी बाइकें अधूरी लगती हैं। बुलेट की सीट से दुनिया ज्यादा अच्छी लगती है और इसे जन-जन तक पंहुचाने के लिए रॉयल एनफील्ड ने हवाई नगर में इस नये शो रूम की मंजूरी दी, जहां रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिलों की पूरी श्रृंखला के साथ साथ, एक्सेसरीज, ड्रेस और आधुनिक सर्विस सेंटर है। अब ग्राहकों को बिक्री, सर्विस और एक्सेसरीज की सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। छाबड़ा मोटर्स में रॉयल एनफील्ड की पूरी रेंज की मोटरसाइकिलें, जेन्युइन एक्सेसरीज, परिधान और एक अत्याधुनिक सर्विस सेंटर उपलब्ध है। पहले इस क्षेत्र के ग्राहकों को बिक्री या सर्विस के लिए 10-12 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था, लेकिन अब यह सुविधा उनके नजदीक ही उपलब्ध है। मौके पर संतोष कुमार, अजोय छाबड़ा, सुनील कुमार, कुणाल आजमानी, विजय कुमार, शिव कुमार, अश्वनी भाटिया, अजय सखूजा, विक्रम कुमार, तरनबीर साहनी, विक्रांत छाबड़ा सहित रॉयल एनफील्ड के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में स्टार्ट-अप और उद्यमिता शिखर सम्मेलन

कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड राज्य में उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करना था

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में बुधवार को इग्नाइट इनोवेशन एंड एंपावर आइडियाज विषय पर एक भव्य स्टार्ट-अप एवं उद्यमिता शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन काउंसिल, एनआइटी जमशेदपुर द्वारा झारखंड स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड राज्य में उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करना था। इस मंच ने छात्रों, स्टार्ट-अप संस्थापकों, निवेशकों, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं तथा उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तित्वों को एक साथ जोड़ा।

कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन एवं प्रदर्शनी/एक्सपो का शुभारंभ और तकनीकी/मेंटोरिंग सत्र। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान विवि के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं कुलपति प्रो सी जगनाथन द्वारा किया गया।

स्वागत भाषण एवं सम्मेलन का परिचय प्रो संदीप कुमार, अध्यक्ष आइआइसी एवं डीन, वाणिज्य संकाय ने प्रस्तुत किया। उन्होंने सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जिनमें युवाओं में उद्यमशील सोच को प्रोत्साहित करना, नवाचारों को प्रस्तुत करने के लिए मंच प्रदान करना और सरला बिरला विश्वविद्यालय को पूर्वी भारत में नवाचार एवं उद्यमिता का क्षेत्रीय केंद्र के रूप में सशक्त बनाना शामिल था। मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा सांसद, राज्यसभा एवं निदेशक, योजना एवं संगठनात्मक विकास, एसबीयू, विशिष्ट अतिथि प्रो. गौतम सूत्रधर निदेशक, एनआइटी जमशेदपुर तथा अन्य विशिष्ट व्यक्तियों में डॉ देबाशीष दत्ता, सीइओ, टीबीआइ सेंटर, एनआइटी जमशेदपुर; एमके गुप्ता, प्रधानाचार्य-सह-प्रबंध निदेशक (प्रभारी), झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम, असीम कृष्ण दास, ट्रस्टी, रिसर्च इनोवेशन न्यूक्लियस, रांची एवं प्रमाणित प्रशिक्षक, उद्यमिता विकास कार्यक्रम, मनीष कुमार (पूर्व छात्र, आइआइटी खड़गपुर), सीइओ, यूटोपिया विले एवं सह-संस्थापक, बैक टू विलेज (वीटूवी); मनीष पीयूष, सह-संस्थापक, प्योरश डेली फूड प्रालि.; ऋतिक शुभम, संस्थापक, फ्लोवस एड-टेक स्टार्ट-अप; और मनीक कुमार महतो, संस्थापक निदेशक, आइ-हब स्टार्ट-अप फाउंडेशन, झारखंड इस अवसर पर उपस्थित हुए।

प्रो. सी जगनाथन, मुख्य संरक्षक, आइआइसी एवं कुलपति, एसबीयू, रांची ने अपने उद्बोधन में उद्यमियों और स्टार्ट-अप्स को वित्तीय स्रोतों से जोड़ने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने भारत के यूनिकॉर्न स्टार्ट-अप्स का उल्लेख करते हुए झारखंड की विशाल संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

प्रो. गोपाल पाठक ने अपने संबोधन में कर्मठता, अनुशासन और उद्देश्यपूर्ण कार्य को सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने छात्रों को परिश्रम एवं रचनात्मकता के माध्यम से अपने सपनों को साकार करने और जॉब सीकर के बजाय जॉब क्रिएटर बनने का आह्वान किया। उन्होंने भारत में बढ़ती उद्यमशील भावना की सराहना करते हुए बेंगलुरु को नवाचार का उदाहरण बताया और बिल गेट्स का उल्लेख करते हुए कहा कि दृढ़ निश्चय और दूरदृष्टि से सफलता कहीं भी प्राप्त की जा सकती है।

प्रो. गौतम सूत्रधर ने भारत के नवाचार और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र पर अपने विचार साझा किये। उन्होंने छात्रों को उचित मार्गदर्शन एवं मेंटरशिप प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अस्वीकृति सफलता का स्वाभाविक हिस्सा है और छात्रों को इसे सीखने के अवसर के रूप में स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने युवाओं को आत्मनिर्भर बनकर रोजगार सृजक बनने और उद्योग और शिक्षा जगत के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अवसर पर अतिथियों द्वारा स्टार्ट-अप्स के महत्व पर चर्चा तथा नये उद्यमों के लिए उपलब्ध उपकरणों, तकनीकों और संसाधनों की जानकारी दी गयी जिनसे व्यवसाय को सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने छात्रों को नवाचार और सृजन के लिए प्रेरित किया और उन्हें मार्गदर्शन व वित्तीय सहायता देने का आश्वासन भी दिया। छात्रों ने अपने नवीन विचारों को रचनात्मक प्रदर्शनी और एक्सपो के माध्यम से प्रस्तुत किया।

सत्र तीन में आइडिया पिचिंग सेशन आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने व्यावसायिक विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सर्वश्रेष्ठ नवाचार एवं प्रदर्शनी के लिए पुरस्कार एवं सम्मान वितरण के साथ हुआ।

प्रो. एस. बी. डांडिन, रजिस्ट्रार, एसबीयू ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ गगनदीप चड्ढा और एलजी हनी सिंह ने किया। यह कार्यक्रम झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों के डीन, अधिकारीगण, प्राध्यापकों और छात्रों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान छात्रों ने अपने नवाचारी विचारों, उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में उमंग और नवाचार के साथ सीबीएसइ क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 11 नवंबर को शुरू हुई दो दिवसीय सीबीएसइ क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 का बुधवार को, उत्साह, ऊर्जा और नवाचार के वातावरण में भव्य समापन हुआ। विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के लिए स्टेम विषय पर आधारित इस प्रदर्शनी में क्षेत्र के 45 से अधिक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी वैज्ञानिक जिज्ञासा, रचनात्मकता तथा नवोन्मेषी सोच का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा गणेश वंदना ने पूरे वातावरण को भक्ति और सौंदर्य से भर दिया।

विद्यालय के क्वायर दल द्वारा प्रस्तुत प्रेरक गीत नया सवेरा ने नवाचार, प्रगति और नयी संभावनाओं का सुंदर संदेश दिया। आयोजक विद्यालय सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने पूरे आयोजन में उत्कृष्ट प्रबंधन का परिचय दिया, जिससे सहयोग, अनुसंधान और वैज्ञानिक अन्वेषण की भावना को बल मिला।

समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक लोकनृत्य जिजिया ने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और लोककला की विविधता को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शनों की मौलिकता, व्यवहारिकता और वैज्ञानिक दृष्टि की सराहना करते हुए उन्हें विज्ञान की दुनिया में और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके उपरांत प्रदर्शनी में राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता के लिए चयनित टीमों की घोषणा की गयी और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों को उनकी रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अभिनव प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। विद्यालय की प्राचार्या मनीषा शर्मा ने कहा कि यह प्रदर्शनी समग्र शिक्षा का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां जिज्ञासा का संगम सृजनशीलता से होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान को केवल विषय न मानकर जीवन की दृष्टि के रूप में अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार होगा जब हमारे युवा अपनी जिज्ञासा को ऐसे नवाचारों में परिवर्तित करें जो समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दें।

समाजसेवियों ने स्कूली बच्चों को बांटे गर्म वस्त्र

रांची (आजाद सिपाही)। शहर के प्रतिष्ठित वस्त्र व्यवसायी व जाने-माने समाजसेवी मुकेश पोद्दार व उनकी धर्मपत्नी उषा पोद्दार ने हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित कल्याण एवं विकास समिति (सामुदायिक भवन) परिसर में बुधवार को आर्थिक रूप से कमजोर स्कूली बच्चों के बीच स्वेटर व अन्य गर्म वस्त्र का वितरण किया। लगभग चालीस छात्र-छात्राओं को स्वेटर आदि दिए गये। इस अवसर पर अपने संदेश में श्री पोद्दार ने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। गरीबों व जरूरतमंदों की सेवा करने से सुखद अनुभूति होती है। मौके पर निशुल्क कोचिंग केंद्र के व्यवस्थापक ललन कुमार मिश्र सहित अन्य मौजूद थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 13 नवंबर, 2025
www.azadsipahi.in

डॉ मसीह प्रकाश एक्का मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में ब्लू हाउस ने शानदार जीत दर्ज की

येलो हाउस को 3-1 से हराया फुटबॉल टूर्नामेंट फाइनल मुकाबले के साथ संपन्न हो गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डब्लू जॉन मल्टीपर्पस बोर्डिंग स्कूल, पिस्का नगड़ी में चल रहा डॉ मसीह प्रकाश एक्का मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट बुधवार को फाइनल मुकाबले के साथ संपन्न हो गया। फाइनल मैच ब्लू हाउस और येलो हाउस के बीच खेला गया। इसमें ब्लू हाउस के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर शानदार जीत दर्ज की। रोमांचक मुकाबले में येलो हाउस को 3-1 गोल से हराया। टूर्नामेंट के चैंपियन रहे। मैच रोमांच और जोश से भरपूर रहा। मैदान पर खिलाड़ियों का जज्बा देखने लायक था। कोई सर्विस में निपुणता दिखा रहा था, तो कोई स्पाइक से विपक्षी टीम को मात दे रहा था। पूरे मुकाबले के दौरान दर्शकों में उत्साह चरम पर रहा और हर अंक पर तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही। आठवीं के अमित टोप्पो और 10वीं कक्षा के बिंदे उरांव को प्रभावशाली खेल प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच व सीरीज से नवाजा गया। टूर्नामेंट में वर्ग छह से लेकर 10वीं तक के बच्चों ने हिस्सा लिया। सभी खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्ल्ड कप 2025 रजत पदक विजेता दिनेश कुमार महतो ने फाइनल मुकाबले में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा ले, खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। विजेता और उप विजेता टीम के साथ बेहतर खेल प्रदर्शन करने वाले को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मौके पर निदेशक मेलोडियस प्रियर्सन एक्का, प्रचार्या सुफल एक्का, वाइस प्रिंसिपल प्रियंका विश्वास, स्पोर्ट्स टीचर संतोष उरांव, झारखंड सिनियर रेफरी सम्माउद्दीन अंसारी पप्पु, शिक्षक सुशांत तिर्की, विकास टोप्पो, प्रमोद कुमार, जितेंद्र कुमार, राजीव चौधरी, सुशिला मिंज, अनिता एक्का, स्वप्नलता तिग्गा, प्रियंका नम्रता विश्वास, प्रियंका तिर्की, अमित खलखे, सुजीत तिग्गा, जॉनसन तिग्गा, बानवे टोप्पो आदि मौके पर खास तौर से उपस्थित थे।

डब्लू जॉन बोर्डिंग स्कूल, पिस्का नगड़ी रांची : डब्लू जॉन मल्टीपर्पस बोर्डिंग स्कूल, पिस्का नगड़ी, रांची एक सह-शिक्षा वाला बोर्डिंग स्कूल है, जो कक्षा 1 से 10 तक की पढ़ाई कराता है। इसका शैक्षणिक माध्यम अंग्रेजी है। 1990 में स्थापित यह स्कूल बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर देता है, जिसमें पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक और तकनीकी कौशल सिखाए जाते हैं। प्रचार्या सुफल एक्का ने बताया कि स्कूल में शिक्षा के साथ खेल-कूद पर विशेष जोर दिया जाता है। खेती-बाड़ी के गुर भी सिखाये जाते हैं। स्कूल आईसीएसई बोर्ड से संबद्ध है।

खेल में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहा स्कूल : दिनेश कुमार महतो

लॉन बोल अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिनेश कुमार ने कहा कि डब्लू जॉन मल्टीपर्पस बोर्डिंग स्कूल शिक्षा के साथ खेल में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। स्कूल के बच्चे लगातार पढ़ाई के साथ-साथ खेल में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। यह हमारे झारखंड के लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने स्कूल से जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए चयनित अमित टोप्पो को बधाई दी। साथ ही उसके सफलता की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डब्लू जॉन यूं ही खेल और पढ़ाई में लगातार आगे बढ़ता रहे। अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि उनके पिता उन्हें शिक्षक बनाना चाहते थे, लेकिन कुछ अलग और बेहतर करने की चाह में पढ़ाई के साथ खेल में भी पूरा ध्यान दिया। कठिन परिश्रम रंग लाया और लॉन बॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बन गये। वर्ल्ड कप 2025 में रजत पदक विजेता बने। झारखंड के साथ देश का नाम रोशन किया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई के साथ कुछ हट कर भी बेहतर करने की बात कही।

महत्वपूर्ण खबरें

कल्पना सोरेन को तनुज खत्री ने अपनी किताब 'टेलीकॉम सूनामी' भेंट की

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन को बुधवार को उनके कांके रोड स्थित आवास पर पार्टी के केंद्रीय सदस्य डॉ. तनुज खत्री ने अपनी नवप्रकाशित पुस्तक 'टेलीकॉम सूनामी' की प्रति भेंट की। इस अवसर पर कल्पना सोरेन ने डॉ. तनुज खत्री को उनकी नयी पुस्तक के प्रकाशन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। 'टेलीकॉम सूनामी' पुस्तक भारत के दूरसंचार उद्योग की यात्रा, विकास, चुनौतियों और भविष्य पर आधारित है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लोहरदगा रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प

कोलकाता (आजाद सिपाही)। भारतीय रेल द्वारा देशभर में स्टेशन पुनर्विकास के उद्देश्य से शुरू की गयी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड के लोहरदगा रेलवे स्टेशन का भी कायाकल्प किया जा रहा है। दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल के अंतर्गत आने वाले इस स्टेशन के पुनर्विकास कार्य पर लगभग 8.26 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। यह परियोजना यात्रियों की सुविधा, पहुंच, सौंदर्य और आधुनिक सेवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है। रेल मंत्रालय की इस पहल के तहत दक्षिण पूर्व रेलवे के कुल 72 स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। प्रत्येक स्टेशन के लिए विस्तृत योजना तैयार की गयी है और आवश्यकतानुसार कार्य चरणों में किया जा रहा है। लोहरदगा स्टेशन झारखंड के खनिज संपन्न क्षेत्र में स्थित है और इसके पुनर्विकास से न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। लोहरदगा स्टेशन के पुनर्विकास से यह स्टेशन एक आधुनिक यात्री केंद्र के रूप में विकसित होगा, जो क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नयी दिशा देगा।

भाजपा सिर्फ आदिवासी सम्मान का ढोंग कर रही : लाल किशोरनाथ शाहदेव

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोरनाथ शाहदेव ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के दावों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। श्री शाहदेव ने कहा कि भाजपा सिर्फ आदिवासी सम्मान का ढोंग कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है। श्री शाहदेव ने केंद्र और राज्य की पिछली बीजेपी सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि अगर वे वाकई आदिवासी समाज के लिए समर्पित होते, तो आज झारखंड की जमीनें खतरे में न होतीं और आदिवासी युवा बेरोजगार न होते। उन्होंने पीएम-जनमन योजना के बजट बढ़ाने के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि बजट बढ़ाना अच्छा है, लेकिन झारखंड को मिला क्या? केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में राज्य की कई कल्याणकारी योजनाओं का फंड रोककर रखा। मुख्य प्रवक्ता लाल किशोरनाथ शाहदेव ने कहा कि बीजेपी विकास की बात करती है, लेकिन उनके शासन में शिक्षा और स्वास्थ्य का हाल किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने पूछा कि 'राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस' सिर्फ रैली और दीपोत्सव तक ही क्यों सीमित है, क्या बीजेपी आदिवासियों को उनके जल, जंगल और जमीन का अधिकार वापस देगी? उन्होंने कहा कि विडंबना है कि बीजेपी ने भगवान बिरसा मुंडा के सिद्धांतों को भुला दिया। वे सिर्फ 15 नवंबर को महापुरुषों के नाम पर राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि संथाली भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल करने और अलग आदिवासी मंत्रालय बनाने का श्रेय पूर्व की सरकारों को भी जाता है, बीजेपी इसे अपनी एकमात्र उपलब्धि के तौर पर पेश करना बंद करे।

घाटशिला उपचुनाव में झामुमो को जनादेश मिलने जा रहा : सुप्रियो

बिहार में महागठबंधन हारा तो राजद और कांग्रेस होंगे जिम्मेवार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से कहा गया है कि महागठबंधन यदि बिहार विधानसभा का चुनाव हारता है तो इसकी जिम्मेवारी राजद और कांग्रेस पार्टी की होगी। पार्टी के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बुधवार को झामुमो कैंप कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि झामुमो बखूबी जानता है कि उसे बिहार चुनाव 2025 के परिणाम के बाद झारखंड महागठबंधन को लेकर किस तरह से समीक्षा करनी है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में यदि झामुमो साथ होता तो बात कुछ अलग होती। बिहार के चुनाव में कांग्रेस और राजद के निर्णय को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। घाटशिला उपचुनाव पर भट्टाचार्य ने घाटशिलावासियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर शहरों में मतदान ज्यादा होने कि बातें कही जाती है। लेकिन पहली बार है जब गांव के लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार में जहां एक ओर झारखंड के पांच पूर्व मुख्यमंत्री और ओड़िशा के मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार किया वहीं दूसरी ओर झामुमो के एक मुख्यमंत्री अपने छह साल के कार्यकाल की उपलब्धियों के साथ दिखे। उन्होंने बताय कि उपचुनाव में झामुमो को जनादेश मिलने जा रहा है।

सुप्रियो ने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद झामुमो घाटशिला में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के बंद पडे फैक्ट्री को खुलवाने के साथ अन्य सभी माईंस चालू करने की दिशा में काम करेगा। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने वहां जब तीन माइंस खुलवाया था तब कंपनी के समक्ष शर्त रखी थी कि माइंस से निकलनेवाले अयस्क वहीं के प्लांट में जायेगा। लेकिन इसके विपरीत अयस्क को गुजरात स्थित बिडला कॉपर को भेजा जा रहा है जो स्थानीय लोगों के साथ अन्याय है।

स्थापना दिवस समारोह को लेकर नृत्य-गीत से गुलजार रही राजधानी

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की पहल को सभी ने सराहा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी बुधवार को नागपुरी और फिल्मी नृत्य-गीत से गुलजार रही। स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम को लेकर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से खास कार्यक्रम आयोजित किये गये। रांची शहर के 11 मुख्य स्थानो पर कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति दी। दिन के 3:00 बजे से गीत- संगीत और नृत्य की महफिल सजी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के क्या कहने। हर एक स्थान पर अलग-अलग मंडलियों ने मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को खूब झुमाया। न्यूक्लियस मॉल, सर्कुलर रोड के समीप मशहूर गायिका डॉक्टर मृणालिनी अखोरी ने गीत और गजलों की महफिल सजायी। मृणालिनी की सुरिली आवाज से आकर्षित हो सड़क पर दर्शकों की भीड़ एकत्रित हो गयी। जिसको जहां जगह मिली, वहीं खड़े होकर गीत-संगीत कर लुफ्त उठाया। चाहने वालो की बनगी ऐसी रही कि फरमाइशों की लड़ी लग गयी। गायिका ने भी सभी का मान रखा और लोगों की अपेक्षा पर खरी उतरी। पसंद के गीत सुन कर सभी मंत्रमुग्ध हुये। सभी ने झारखंड सरकार की इन योजनाओं को काफी सराहा। मृणालिनी ने लंबी जुदाई ...,चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल ...,चिट्ठी ना कोई संदेश ... और दमा दम मस्त कलंदर... जैसे एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। कीबोर्ड पर दीपक कुमार, विद ऑटो पैड पर अतनु चटर्जी, गिटार पर समित दास और तबले पर जाहिद खान ने गायिका मृणालिनी का खूबसूरती से संगत किया।

डॉ वीपी केशरी को मरणोपरांत मिले उचित सम्मान : शिवम केशरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सामाजिक कार्यकर्ता शिवम केशरी ने झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर डॉ वीपी केशरी को परणोपरांत उचित सम्मान देने की मांग राज्य सरकार से की है। कहा कि झारखंड स्थापना के रजत जयंती समारोह गर्व का विषय है। अनगिनत संघर्षों, आंदोलनों और बलिदानों के परिणाम स्वरूप राज्य अस्तित्व में आया है। आंदोलन के इतिहास में ऐसे कई महान व्यक्तित्व हुए, जिन्होंने जीवन को राज्य निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। इन्हीं महान विभूतियों में स्वः विश्वेश्वर प्रसाद केशरी ने न केवल झारखंड आंदोलन में अमूल्य योगदान दिया, बल्कि नागपुरी भाषा और झारखंडी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए भी जीवनपर्यंत कार्य किया। बावजूद देहांत के इतने वर्षों बाद भी, उन्हें वह सम्मान नहीं दिया गया। स्थापना दिवस के मौके पर स्वः वीपी केशरी को परणोपरांत उचित सम्मान देने की दिशा में सरकार सार्थक पहल करे। उन्होंने बताया कि वीपी केशरी प्रसिद्ध शिक्षाविद और लेखक थे। स्व. डॉ रामदयाल मुंडा के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे और अलग राज्य को लेकर संघर्ष किया।

सस्वर पाठ कर सुहागिनों ने गायी श्रीदादी की जीवन गाथा

मंगसीर बदी महोत्सव का तीसरा दिन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जय दादी मां बोलो जय दादी मां ... मधुर स्वरलहरियों से गुंजायमान वातावरण। एक ओर आभा बिखेरती श्रीदादी की मनोहारी झांकी, दूसरे किनारे सजा झुंझुनू वाली का दरबार। बीच में राजस्थानी वेष-भूषा में सस्वर मंगला पाठ करती और नाचमी झूमती महिलाएं। कुछ ऐसे ही सुंदर नजारों से मंगलवार को श्रीराणी सती मंदिर, रातू रोड का परिसर गुलजार रहा। यहां चल रहे मंगसीर बदी नवमी महोत्सव के तीसरे दिन एक के बाद एक सुबह से देर रात तक विविध कार्यक्रम हुए। शुरूआत सुबह सात बजे अखंड ज्योत से हुई. इसके बाद पाठ शुरू हुआ, जो दोपहर साढ़े 12 बजे तक चला. पारंपरिक वेष-भूषा में 501 सुहागिन महिलाओं ने सस्वर पाठ का उच्चारण कर वातावरण को दादीमय बना दिया। श्रीदादी का चुनरी उत्सव भी मनाया। दिन के एक बजे श्रद्धालुओं द्वारा सुंदरकांड पाठ किया गया। इसके बाद शाम 5:00 बजे से नवमी मंडल ने भजन-कीर्तन कर श्रीदादी के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित की। शाम 6:30 बजे से पश्चिम बंगाल पुरुलिया की भजन गायिका शीतल कटारूका संग श्रीदादी का चुनरी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। शीतल ने दादीजी के मधुर मधुर भजनों से भक्तों को भाव विभोर कर दिया। संध्या 7 बजे 501 दीपों से मंदिर को सजाया गया। आतिशबाजी भी की गयी। रात 11:00 से 1:00 तक अष्टमी जागरण का कार्यक्रम चला। मंदिर के वार्षिकोत्सव सह मंगसीर बदी नवमी महोत्सव पर सजा श्रीराणी सती दादी का दरबार श्रद्धालुओं को लुभा रहा है। श्रीदादी की मनोहारी झंकी को सब सराह रहे हैं।

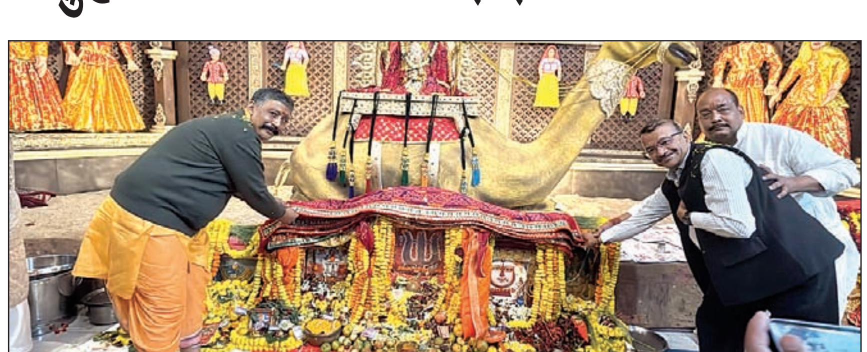

सफल आयोजन में दे रहे योगदान

न्यास मंडल के किशन नारसरीया, रतन लाल जालान, भानु प्रकाश जालान, नारायण जालान, सतीश तुलस्यान, प्रदीप नारसरिया, अध्यक्ष राम अवतार नारसरिया,मंत्री मनोज जालान, अमर पोद्दार, ओमप्रकाश छापड़िया, अक्षय हरलालका, श्रवन जालान, कमल खेतावत, चंद्रकांत झुनझुनवाला, अंकुर डागा, विकास अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, गुड्डू सिंघानिया, सौरभ सरावगी, राजा भालोठिया, किशन मोदी, नीरज बंका, बकट जालान, सुमित महलका, पवन लोहिया अभिषेक जालान आदि महोत्सव के सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं।

शपथ पत्र

शपथ पत्र संख्या 7515 दिनांक 30-07-2025 के अनुसार मैं विनोद उरांव, पिता- चोला उरांव, उम्र लगभग 41 वर्ष, निवास स्थान ग्राम-घाघरा, पो०- बलकुदरा, थाना-बासल, जिला रामगढ़ (झारखण्ड), शपथ पूर्वक ब्यान करता हूँ कि :-
1. यह कि मेरे पुत्र का वास्तविक व सही नाम VIVEK ORAON है जो उसके जन्म प्रमाण पत्र संख्या BA2024 72199126 में दर्ज है। उसका जन्म तिथि 04/11/2013 दर्ज है।
2. यह कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या 2855 7055 7916 में भूलवश GIVEN ORAON दर्ज हो गया है।
3. यह कि VIVEK ORAON एवं GIVEN ORAON दोनों नाम एक ही बच्चा का है जो कि मेरा पुत्र है।
4. यह कि यह शपथ पत्र मैं अपने बच्चे के आधार कार्ड में नाम और जन्म तिथि सुधार करने के लिए बना रहा हूँ।
5. यह कि उपरोक्त कथन मेरी जानकारी में सत्य व सही है।

शपथ पत्र

शपथ पत्र के अनुसार. क्रम सं. 42 दिनांक 11.11.2025, मैं नाहिद अख्तर पति मो० शकील अंसारी, उम्र करीब 35 वर्ष, धर्म - इस्लाम, राष्ट्रीयता - भारतीय साकिन ग्राम - कब्रिस्तान के पास भादोडीह, पोस्ट - झुमरी तिलैया थाना - तिलैया, जिला - कोडरमा, राज्य - झारखण्ड, शपथ पूर्वक निम्नलिखित ब्यान करती हूँ कि । 1. यह कि मैं उपरोक्त वर्णित पते की स्थायी निवासी हूँ 2. यह कि मै भारतीय नागरिक हूँ।
3. यह कि मेरे पुत्री का नाम मोसर्रत नासरीन है तथा यही स्पेलिंग MUSARRAT NASRIN जन्म प्रमाण पत्र का है जो सही है।
4. यह कि मेरा आधार कार्ड में मेरी पुत्री का स्पेलिंग MOSARRAT NASREEN गलत है तथा आधार कार्ड में जन्म तिथि 04.02.2009 अंकित है तथा जन्म प्रमाण पत्र में मेरा पुत्री का जन्म तिथि 04.02.2011 ई० है जो सही एंव सत्य है ।
5. यह कि मेरे पुत्री का आधार कार्ड सं0-5174 8404 7531 है।
6. यह कि मेरे पुत्री का नाम का स्पेलिंग मुसर्रत नासरिन MOSARRAT NASREEN के स्थान पर मोसर्रत नासरीन MUSARRAT NASRIN तथा जन्म तिथि 04.02.2009 के स्थान पर जन्म तिथि 04.02.2011 सुधार हेतु यह शपथ पत्र दे रही है।

शपथ पत्र

शपथ पत्र संख्या 1055 दिनांक 03- 11- 2025 के अनुसार मैं पुष्पलता बारला पत्नी जगेश्वर महली निवासी वर्तमान पता- ग्राम कैमों पतरा टोली, पोस्ट लोहरदगा, थाना लोहरदगा, जिला लोहरदगा, झारखंड है, और स्थाई पता : ग्राम-बगडू जामुन टोली, पोस्ट-बगडु, थाना- किस्को ,जिला लोहरदगा, झारखंड है !

निम्नलिखित की सत्यता की शपथ लेती हूं और घोषणा करती हूं कि मैं उपर्युक्त पता की निवासी हूं। मेरे पति जगेश्वर महली सेवानिवृत्ति सेना कर्मी है । उनके सर्विस बुक (पी .पी. ओ) में मेरा जन्म तिथि 14 - 04 -1975 गलत दर्ज हो गया है ।

मेरा सही पता मेरे आधार कार्ड संख्या 3181 3161 3987 में दर्ज है। शैक्षणिक प्रमाण पत्र के अनुसार मेरा सही जन्म तिथि 09- 02- 1965 है।

यह हलफनामा मेरे सेवानिवृत्त सेना कर्मी पति जगेश्वर महली के सर्विस बुक (पी.पी.ओ) में मेरा जन्म तिथि 09- 02- 1965 दर्ज करवाने के लिए दिया जा रहा है!

उपरोक्त सभी तथ्य मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है!

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सूचना सं.: सीकेपी-ईस्ट-25-26-39, दिनांक: 11.11.2025, भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजी/चक्रधरपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे, चक्रधरपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए खुली निविदा के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा इस तरह का कोई मैनुअल प्रस्ताव अगर प्राप्त होता है, तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** सहायक मंडल अभियंता/II/टाटानगर के अधिकार क्षेत्र के अधीन चाण्डिल-मनीकुई अनुभाग के बीच एलसी सं. केएस-7 में सड़क के किनारे तथा ट्रैक के बगल में एप्रोच सड़क, कवर शेड एवं जल निकासी प्रणाली का निर्माण। **निविदा मूल्य:** रु. 3,78,15,493.36; **ईएमडी:** रु. 3,39,100; **निविदा प्रपत्र की कीमत:** रु. 0.00। **खुलने की तारीख:** 02.12.2025; निविदा वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदादाताओं/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होने चाहिए तथा आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन पंजीकृत होने चाहिए। सिर्फ पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता ई-निविदा प्रणाली में भाग ले सकते हैं। **टिप्पणी:** ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क जारी किए जाएंगे (प्राधिकारी-रेलवे बोर्ड पत्रांक 2020/सीई-I/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी दिनांक 16.07.2020)। **(PR-827)**

दोषियों को सजा मिले

दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके को लेकर कई जानकारियां सामने आ रही हैं। हालांकि अभी तक सरकार ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि यह आतंकी वारदात है, लेकिन संकेत ऐसे ही हैं। क्या यह देश को अस्थिर करने की कोई साजिश है? अगर यह साजिश है, तो एनआइए को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई गुनहगार न बचे। एजेंसी को मंगलवार को इस वारदात की जांच सौपी गयी।

पुलवामा का संदिग्ध: जानकारियों के मुताबिक, इस घटना का लिंक कथित तौर पर पुलवामा से जुड़ रहा है। गौर करने वाली बात है कि धमाके से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने एक टेरर मॉड्यूल का खुलासा किया था, जिसकी शुरूआत जम्मू-कश्मीर से हुई थी और फिर हरियाणा और यूपी तक तार जुड़ते चले गये। अभी यही माना जा रहा है कि दिल्ली धमाकों का मुख्य संदिग्ध पुलवामा निवासी उमर मोहम्मद है। वह उसी कार को ड्राइव कर रहा था, जिसमें धमाका हुआ।

टेरर मॉड्यूल: सरकार इस मामले में बेहद सावधानी से आगे बढ़ रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा व संवेदनशीलता को देखते हुए यह जरूरी भी है। सामान्य धारणा है कि आतंकी समूह कम पढ़े-लिखे और समाज से कटे युवाओं को निशाना बनाते हैं, क्योंकि उन्हें बरगलाना आसान होता है। लेकिन, टेरर मॉड्यूल में डॉक्टरों की गिरफ्तारी होना खतरनाक ट्रेंड है।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स भी बताता है कि भारत में हालात बेहतर हुए हैं, जबकि आतंकी गतिविधियों में पड़ोसी पाकिस्तान दुनिया में दूसरे नंबर पर है। लेकिन, यह शांति तभी बनी रह सकती है, जब एजेंसियां लगातार अलर्ट मोड में रहें।

इंटेलिजेंस की नाकामी: अभी दिल्ली ब्लास्ट और पहले की हुई गिरफ्तारियों में कोई सीधा संबंध मिलना बाकी है, लेकिन इससे इंटेलिजेंस पर सवाल तो खड़े ही होते हैं। जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े लोग राजधानी के पास रहकर साजिश रचते रहे, 2900 किलो विस्फोटक जमा कर लिया और भनक तक नहीं लगी! अगर इस खुलासे में और देर हो जाती, तो क्या पता देश एक बड़ी त्रासदी से गुजर रहा होता।

सतर्कता जरूरी: दिल्ली में आखिरी बड़ा आतंकी हमला सितंबर 2011 में हुआ था, जब हाई कोर्ट के बाहर हुए बम विस्फोट में 11 मौतें हुई थीं और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। इसके बाद छिटपुट घटनाएं हुईं, पर जान का नुकसान नहीं हुआ। वहीं, जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश के बाकी हिस्सों में भी आतंकी गतिविधियों में कमी आयी है। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स भी बताता है कि भारत में हालात बेहतर हुए हैं, जबकि आतंकी गतिविधियों में पड़ोसी पाकिस्तान दुनिया में दूसरे नंबर पर है। लेकिन, यह शांति तभी बनी रह सकती है, जब एजेंसियां लगातार अलर्ट मोड में रहें। आतंकवाद को फिर से पनपने का मौका नहीं देना चाहिए। साथ ही, खुफिया तंत्र को भी इस तरह से काम करना चाहिए कि ऐसे अपराध न हो सकें।

अभिमत
आजाद सिपाही

मनुष्य की शिक्षा का सबसे पहला विश्वविद्यालय उसका घर होता है और उसके माता -पिता पहले अध्यापक होते हैं। एक आदर्श बच्चा ही आगे चलकर बेहतर शिक्षा पाने के बाद अच्छा नागरिक बन सकता है। प्रेम और अनुशासन द्वारा मां -बाप अपने बच्चे को शिक्षा का पहला सबक दे सकते है। ऐसा नहीं हुआ तो आजाद भारत के नागरिक अनुशासन हीन हो जायेंगे। घर के विश्वविद्यालय में शिक्षित होकर निकले बच्चे ही अच्छे व्यवहार कुशल और आत्मविश्वासी नागरिक बनेंगे।

मौलाना अबुल कलाम आजाद की शिक्षा-दृष्टि

प्रो (डॉ) तपन कुमार शांडिल्य

मौलाना आजाद ने संसद में कहा था कि प्रत्येक विद्यालय या मदरसा वास्तव में ताकत और प्रेरणा का मंदिर और मस्जिद हैं। ऐसा मान लेने के बाद शिक्षक अपने कार्य की जिम्मेदारी पूरी तरह निभा सकते हैं। मौलाना आजाद ने विद्यालय के शिक्षकों की तुलना उस बागवान से की है, जो अपने हर पौधे की हिफाजत करता है, हर फूल को दुलार की नजर से देखता है और उसकी बढ़ोतरी के लिए हर संभव प्रयास करता है।

भारतवर्ष में शिक्षाशास्त्रियों की लंबी सुदीर्घ परंपरा रही है। महर्षि वाल्मीकि, वेद व्यास, परशुराम, वशिष्ठ, संदीपनी, विश्वामित्र, द्रोणाचार्य से लेकर आज तक अनेक शिक्षाशास्त्री भारत वर्ष की पुण्य भूमि पर अवतरित हुए हैं। आधुनिक युग में रामकृष्ण परम हंस, विवेकानंद, महर्षि अरविंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ राजेंद्र प्रसाद, पं जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, पं मदन मोहन मालवीय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, डॉ जाकिर हुसैन आदि-आदि। इसी परंपरा में आधुनिक युग में मौलाना अबुल कलाम आजाद का पदार्पण हुआ। उनका जन्म 11.11.1888 ई. में हुआ और उनकी मृत्यु 22 फरवरी 1958 को हुई। मौलाना आजाद स्वतंत्र भारत के प्रथम तालीम मंत्री थे।

भारत के आधुनिक शिक्षा चिंतको के बीच मौलाना आजाद का स्मरण इसलिए स्वाभाविक तौर पर होता है कि उन्होंने स्वाधीन भारत में शिक्षा के नये स्वरूप की संकल्पना की। वे स्वाधीन भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री थे और यह केवल एक राजनीतिक पद नहीं था। स्वाधीनता सेनानी और राजनेता की भूमिकाओं में सफल होने के पश्चात उन्होंने शिक्षा मंत्री के रूप में अपनी विलक्षण पहचान बनायी। जैसे पंडित नेहरू की आंखों में स्वाधीन भारत के विकास का एक नया नक्शा था, वैसे ही मौलाना आजाद के मन में भारतीय शिक्षा व्यवस्था की भावी तस्वीरें थी। 1835 में लार्ड मैकाले द्वारा स्थापित शिक्षा प्रणाली की खूबियों और खामियों से वे भली भांति परिचित थे, इसलिए उन्होंने भारतीय शिक्षा में बदलते समय के अनुसार अनेक परिवर्तनों के सपने देखा था। वे अच्छी, स्वस्थ और नयी शिक्षा दृष्टि के पक्षधर थे, जो आदर्श और व्यवहार के बीच विद्यमान अंतराल को दूर करने में समर्थ हो। उन्होंने शिक्षा को ऐसे स्वरुप में देखा, जिसमें न केवल शिक्षक, अभिभावक और छात्र बल्कि संपूर्ण समाज समान रुप से रूचि ले। दिल्ली विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में भाषण देते हुए उन्होंने कहा था कि 'चूंकि शिक्षा एक ऐसी कुंजी है, जो कई दरवाजों को खोलती है इसलिए हम सबको चाहिए कि इसमें दिलचस्पी लें। शिक्षा एक ऐसा साधन है कि जिसकी बेहतरी पर जिंदगी के बाकी हिस्सों की बेहतरी निर्भर करती है। इसलिए जिंदगी को सफल और बेहतर बनाना है तो हम शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय को नजरअंदाज नहीं कर सकते।'

मौलाना आजाद स्वाधीन भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री थे और यह केवल एक राजनीतिक पद नहीं था

इस वक्तव्य से संकेत मिलता है कि मौलाना आजाद जीवन की श्रेष्ठता के लिए शिक्षा की श्रेष्ठता को आवश्यक मानते थे।संसार के सारे प्राणियों में शिक्षा के कारण ही मनुष्य अलग और विशिष्ट है। नीति कार भर्तृहरि ने कहा है कि

आहार निद्रा भय मैथुनं च,
सामान्य ऐतत पशुभिः नाराणाम्।
विद्या हि तेषां अधिको विशेषः,
विद्येन हीना पशुभिः समाना।

मौलाना आजाद मानते थे कि मनुष्य की शिक्षा का सबसे पहला विश्वविद्यालय उसका घर होता है और उसके माता -पिता पहले अध्यापक होते हैं। एक आदर्श बच्चा ही आगे चलकर बेहतर शिक्षा पाने के बाद अच्छा नागरिक बन सकता है। प्रेम और अनुशासन द्वारा मां -बाप अपने बच्चे को शिक्षा का पहला सबक दे सकते हैं। ऐसा नहीं हुआ तो आजाद भारत के नागरिक अनुशासन हीन हो जायेंगे और उनका भविष्य अंधकारमय हो जायेगा। घर के विश्वविद्यालय में शिक्षित होकर निकले बच्चे ही अच्छे व्यवहार कुशल और आत्मविश्वासी नागरिक बनेंगे। मौलाना आजाद मानते थे कि माता-पिता को केवल अभिभावक ही नहीं, बल्कि कुशल कलाकार और निदेशक भी होना पड़ेगा। उन्हें अपने बच्चों को ऐसे सांचे में गढ़ना होगा, जो उन्हें बेहतर नागरिक और बेहतर मनुष्य बना सके। यानी भारत के नागरिकों के लिए माता-पिता के दायित्वों पर चर्चा करने के साथ साथ मौलाना आजाद ने शिक्षकों के लिए भी कई आदर्श सुनिश्चित किये। जो शिक्षक वास्तव में आदर्श शिक्षा देना चाहते हैं, उन्हें यह महसूस करना होगा कि शिक्षण मात्र व्यवसाय या जीविका नहीं है। यह उनके जीवन का धर्म है। मौलाना आजाद ने संसद में कहा था कि प्रत्येक विद्यालय या मदरसा वास्तव में ताकत और प्रेरणा का मंदिर और मस्जिद हैं। ऐसा मान लेने के बाद शिक्षक अपने कार्य की जिम्मेदारी पूरी तरह निभा सकते। हैं। मौलाना आजाद ने विद्यालय के शिक्षकों की तुलना उस बागवान से की है, जो अपने हर पौधे की हिफाजत करता है, हर फूल को दुलार की नजर से देखता है और उसकी बढ़ोतरी के लिए हर संभव प्रयास करता है। मौलाना आजाद को शिक्षक चिंतन में कल के होनहार नागरिकों यानि छात्र-छात्राओं के लिए भी एक आदर्श कल्पना थी। वे चाहते थे कि शिक्षा के द्वारा विद्यार्थी अपने आप को पहचाने, उनमें सवालों की भूख कभी खत्म न हो और एक अच्छे समाज के निर्माण में अच्छे नागरिक बनकर योगदान करें। मौलाना आजाद राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की शिक्षा नीति से बहुत प्रभावित थे। राष्ट्र पिता महात्मा गांधी कहा करते थे कि 'देश का भविष्य वहां के योग्य नागरिकों पर, नागरिकों का भविष्य वहां की शिक्षा पर और शिक्षा का भविष्य वहां के योग्य शिक्षकों पर निर्भर करता है।' मौलाना आजाद उत्कृष्ट शिक्षा के पक्षधर थे और वे शिक्षा की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता करना नहीं चाहते थे। मौलाना आजाद का शैक्षणिक चिंतन या शिक्षा हमें शिक्षा का आदर्श मार्ग दिखाती है, जिस पर चलकर हम विकास और इंसानियत के लक्ष्य तक पहुंचने में सफल हो सकेंगे। उनके द्वारा 1956 में विश्वविद्यालय सेवा आयोग की स्थापना उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। उनकी सुप्रसिद्ध पुस्तक इंडिया विन्स फ्रीडम उनके सृजनशील व्यक्तित्व का परिचायक है। उनके द्वारा बतायी गयी शिक्षा दृष्टि को हम अपनाएं तो निश्चित रूप से हमारा और हमारे देश का भविष्य उज्जवल होगा। उनका जन्मदिन राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के रुप में मनाया जाता है। आज उनकी 137 वीं जयंती के पावन अवसर पर उनका हार्दिक नमन, वंदन एवं अभिनन्दन है।

(लेखक : पूर्व कुलपति, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची)

कोल्हान की खबरें

चांडिल-कांड्रा सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर ग्रामीणों का विरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। चांडिल कांड्रा मुख्य सड़क की जर्जर हालत को लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। बुधवार को ग्रामीणों ने राज्य सरकार का पुतला दहन किया और सड़क की मरम्मत की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार केवल आश्वासन दे रही है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने सड़क को चांडिल की लाइफ लाइन बताया और स्थानीय विधायक सविता महतो के खिलाफ भी नारेबाजी की। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला सचिव वासुदेव महतो के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र सड़क निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा बीते एक साल में इस सड़क पर कई हादसे हो चुके हैं, जिनमें आधा दर्जन से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

चांडिल में दिनदहाड़े चोरी एक धराया, दूसरा फरार

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। सरायकेला जिले के चांडिल अनुमंडल स्थित कपाली क्षेत्र में बुधवार को दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आया है। मकसूद आलम नामक व्यक्ति के घर दो चोर घुसे और महिलाओं को धमकाकर अलमारी से सोने के गहने चुरा लिए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण एकजुट हो गए और एक चोर को रंगे हाथ पकड़ लिया, जबकि दूसरा फरार हो गया। पकड़े गये चोर की पहचान फैजान अख्तर के रूप में हुई, जो कपाली के डांगरडिह छोटू खटाल का निवासी है। उसके पास से एक सोने की बाली बरामद हुई। सूचना मिलने पर कपाली ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गये आरोपी से पूछताछ कर फरार आरोपी की तलाश में जुट गयी है।

कांग्रेस ने आदिवासी वीरों के बलिदान को छिपाने की कोशिश की : रघुवर दास

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भाजपा जमशेदपुर महानगर ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने आदिवासी समाज को उनके हक और सम्मान दिलाने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता जतायी। उन्होंने कहा आदिवासी समाज ने 1857 से पहले ही स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखी थी और भाजपा उन्हें वोट बैंक नहीं, बल्कि अपने विशाल परिवार का हिस्सा मानती है। रघुवर दास ने कांग्रेस पर आरोप लगाया आजादी के 50-55 वर्षों तक आदिवासी वीरों के बलिदान को छिपाने की कोशिश की गयी। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आदिवासी समाज के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कदम उठाये गये हैं, जिनमें पेसा कानून का प्रभावी लागू होना और वन अधिकार अधिनियम 2006 शामिल हैं। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर भाजपा देशभर में कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है, जिसमें समृद्ध जनजातीय कला, नृत्य और संस्कृति का प्रदर्शन किया जायेगा। उन्होंने सभी झारखंडवासियों को झारखंड स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं दी और आह्वान किया हम धरती आबा के आदर्शों पर चलकर राज्य और देश को आत्मनिर्भर और सम्मानित बनायी।

आदित्यपुर रेलवे यार्ड में रेल हादसा टला

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। आदित्यपुर रेलवे यार्ड में एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। बुधवार को तेज रफ्तार मालगाड़ी शर्मा बस्ती की दिशा से आकर यार्ड की दीवार तोड़ते हुए खड़ी दूसरी मालगाड़ी से टकरा गयी। टक्कर इतनी जोरदार थी दोनों मालगाड़ियों के कई डिब्बे एक-दूसरे पर चढ़ गए। हादसे के समय यार्ड में काम कर रहे मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन सभी समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंच गये, जिससे बड़ी जनहानि टल गयी। प्रारंभिक जांच में मालगाड़ी बिना इंजन के चलने की संभावना जतायी जा रही है, जिसे तकनीकी खराबी या ब्रेक फेल होने के कारण माना जा रहा है। रेलवे अधिकारी और तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने और रेल लाइन को बहाल करने का कार्य जारी है।

समावेशी बाल देखभाल की दिशा में टाटा स्टील की अग्रणी पहल

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील ने कार्यस्थल पर क्रेच सुविधाएं प्रदान करने में एक ऐतिहासिक पहल की थी, जो आज भी भारत में सबसे व्यापक और उन्नत चाइल्डकेयर इकोसिस्टम में से एक मानी जाती है। कंपनी वर्तमान में देशभर के 20 से अधिक संयंत्रों, खदानों, कार्यालयों और टाउनशिप क्षेत्रों में क्रेच केंद्रों का संचालन करती है, जिनमें जमशेदपुर, कोलकाता, वेस्ट बोकारो, नोआमुंडी, और हल्दिया जैसे प्रमुख स्थान शामिल हैं। इन केंद्रों में सैकड़ों बच्चों को नामांकित किया गया है, जिनके लिए सुरक्षित, स्वास्थ्यवर्धक, और सीखने योग्य वातावरण सुनिश्चित किया गया है। क्रेच केंद्रों में बच्चों के लिए बुनियादी अवसंरचना, सीसीटीवी निगरानी, चिकित्सीय देखभाल, पौष्टिक भोजन और संरचित शिक्षण गतिविधियाँ प्रदान की जाती हैं। कर्मचारियों की नियुक्ति भी एक निश्चित अनुपात के अनुसार की जाती है, ताकि बच्चों की देखभाल की गुणवत्ता उच्चतम स्तर पर बनी रहे।टाटा स्टील की क्रेच नीति समावेशी है, जिसका लाभ सभी कर्मचारियों को मिलता है, चाहे उनका लिंग या वैवाहिक स्थिति कुछ भी हो। यह सुविधा छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए उपलब्ध है और कर्मचारियों को क्रेच व्यय की प्रतिपूर्ति, नर्सिंग ब्रेक और लचीले समय की सुविधा भी प्रदान करती है। इस पहल से माता-पिता को कार्य और परिवार के बीच संतुलन बनाने में मदद मिलती है। महत्वपूर्ण बात यह है टाटा स्टील के क्रेच केंद्र तीनों शिफ्टों में कार्यरत महिला कर्मचारियों को भी सहयोग प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त विशेष रूप से जमशेदपुर स्थित मुस्कान क्रेच में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जहां शिक्षा, कला, नृत्य और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से उनके मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित किया जाता है।

आगजनी में सामान जलकर खाक, मुआवजे की मांग

चांडिल (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल प्रखंड स्थित आंसनबनी पंचायत के काली मंदिर के पास एक खटालनुमा घर में बुधवार को अचानक आग लग गयी। आग इतनी तेजी से फैली कि घर का अधिकांश हिस्सा जलकर राख हो गया। आग में घर के बिस्तर, कपड़े, राशन, आठ बकरियां और लगभग 20 मुर्गियां भी जल गईं। पीड़ित परिवार का कहना है घर में रखी करीब 30,000 नकद राशि भी आग में जलकर राख हो गयी। ग्राम प्रधान प्रमोद उरांव ने बताया पीड़ित परिवार अत्यंत गरीब है और अब इनके पास राशन भी नहीं बचा है। उन्होंने जिला प्रशासन से जल्द राहत सामग्री और मुआवजे की मांग की। पीड़िता ने बताया घटना के समय वह मेहमान के घर गयी हुई थी और घर लौटने पर उसे आग लगने की सूचना मिली। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

आदिवासी समाज को नहीं मिला हक और सम्मान, इसके लिए कांग्रेस दोषी : चंपाई सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

राजनगर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह विधायक चंपाई सोरेन ने कहा झारखंड राज्य को बने 25 साल हो गये हैं, लेकिन आदिवासी समाज को अब तक उनका हक और सम्मान नहीं मिल सका। उन्होंने कांग्रेस पर आदिवासी समाज के साथ अन्याय करने का आरोप लगाते हुए कहा कांग्रेस ने हमेशा आदिवासी आंदोलन को अपमानित किया। गुआ गोलीकांड व खरसावां गोलीकांड जैसी घटनाओं में निर्दोष आदिवासियों की हत्या हुई।श्री सोरेन ने कहा आदिवासी समाज की यह लड़ाई सदियों से जारी है, जो बाबा तिलका माझी, बिरसा मुंडा, और सिद्धू-कान्हू जैसे वीर सपूतों की शहादत से होती हुई आज तक पहुंची है। उन्होंने झारखंड की बदलती डेमोग्राफी पर चिंता जतायी, जिसमें आदिवासियों की संख्या घट रही है और घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। इसके परिणामस्वरूप करीब 30 हजार एकड़ जमीन आदिवासियों से हड़पी जा चुकी है। उन्होंने ईच डैम परियोजना का विरोध किया था, ताकि आदिवासी जमीनों का संरक्षण किया जा सके। चंपाई सोरेन ने चाईबासा आंदोलन के दौरान आदिवासी परिवारों के संघर्ष का भी जिक्र किया, जिनमें से एक परिवार के बच्चे की मौत हो गयी। चंपाई सोरेन ने घोषणा की 22 तारीख को वे एक बड़ा खुलासा करेंगे। उन्होंने आदिवासी समाज से एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा करने की अपील की।

भवनाथपुर अंचल कार्यालय में कर्मी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

शौचालय से शव बरामद, मौत के स्पष्ट कारणों का पता लगाने में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड मुख्यालय स्थित अंचल कार्यालय परिसर में पदस्थापित एक अंचल कर्मी की बुधवार की शाम संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। उसका शव सरकारी आवास के शौचालय में औंधे मुंह गिरा हुआ पाया गया। उसकी पहचान गौरव आनंद के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक गौरव आनंद सुबह से कार्यालय नहीं पहुंचे थे और उनके आवास का दरवाजा पूरे दिन बंद था। देर शाम तक जब मोबाइल फोन भी रिसीव नहीं हुआ, तो सहकर्मियों ने इसकी जानकारी अंचल अधिकारी (सीओ) शंभु राम को दी। सूचना पाकर सीओ ने स्थानीय थाना को इसकी जानकारी दी। भवनाथपुर थाना प्रभारी रजनी रंजन ने बीडीओ नंदजी राम, सीओ, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दिनेश सिंह और अन्य कर्मियों की उपस्थिति में दरवाजा तोड़वाया, तो अंदर गौरव आनंद का शव शौचालय में औंधे मुंह पड़ा मिला। इसकी सूचना मिलते ही एफएसएल टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि प्रारंभिक तौर पर मौत के कारणों का स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है। बताया जा रहा कि गौरव आनंद मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे। उनके परिजनों और स्थायी पते की जानकारी के लिए सर्विस बुक मंगाई जा रही है। समाचाल लिखे जाने तक अंचल कार्यालय परिसर में सभी पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे एवं पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है।

मृतक कर्मी गौरव आनंद की फाइल फोटो।

सरकारी आवास के बाहर खड़ी लोगों की भीड़।

भवनाथपुर-डंडई-केतार में अबुआ और पीएम आवास के लाभुकों को कराया गया गृह प्रवेश

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार/भवनाथपुर/डंडई। झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर केतार प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को सभी पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास एवं अबुआ आवास योजना के लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया। इस दौरान प्रखंड के सभी पंचायतों में 30 परिवारों को पक्के घर में गृह प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुई। उधर, अपना घर मिलने के बाद लाभुकों में खुशी और उत्साह का माहौल दिखा। लाभुकों ने राज्य एवं केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बीडीओ प्रशांत कुमार ने कहा कि अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री मंत्री आवास योजना जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य बेघर और जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। कहा कि सरकार हर गरीब, मजदूर और पिछड़े तबके के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है। बताया कि इस योजना के तहत हर योग्य परिवार को पक्का मकान प्रदान किया जा रहा है, ताकि कोई भी परिवार खुले आसमान के नीचे सोने को मजबूर ना हो। इस मौके पर प्रखंड समन्वयक उमेश बेसरा, मुखिया मूंगा साह, मुखिया प्रतिनिधि मनोरंजन प्रसाद गुप्ता, पंचायत सचिव आदित्य कुमार, रोजगार सेवक दीपक कुमार, रामकुमार प्रजापति, पंचायत सहायक रविकांत चंद्रवंशी, राजकिशोर सिंह, सुमंति देवी, रवि कुमार, दिनेश वर्मा, धर्मेंद्र सिंह, राजा प्रसाद, संतोष प्रसाद, रमेश राम, रौशन गुप्ता और अशोक ठाकुर आदि उपस्थित थे।

मुखिया ने कराया लाभुकों को गृह प्रवेश

भवनाथपुर प्रखंड अंतर्गत भवनाथपुर के मुखिया बेबी देवी ने बुधवार को क्षेत्र के अबुआ आवास योजना के लाभुकों को उनके नवनिर्मित पक्के मकानों में विधिवत पूजा अर्चना के बाद फीता काटकर गृह प्रवेश कराया। इनमें बुका की कमला देवी, उषा देवी, रानी देवी और कर्मी देवी शामिल है। इस अवसर पर प्रखंड समन्वयक, पंचायत सचिव, मुखिया एवं वार्ड सदस्य मौजूद रहे। मुखिया बेबी देवी ने कहा कि अबुआ आवास योजना राज्य सरकार की एक जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य बेघर एवं जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। बताया कि इस योजना के तहत प्रत्येक लाभुकों को तीन कमरों वाले पक्के मकान के साथ ही शौचालय एवं नल से जल योजना का भी लाभ दिया जा रहा है। इस मौके पर पंचायत सचिव विकास चौबे, उप मुखिया समलेश राउत, रोजगार सेवक किशोर कुमार और कौशल सिंह, बीरबल राम आदि उपस्थित थे।

39 लाभुकों ने किया गृह प्रवेश

डंडई प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में बुधवार को झारखंड राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर अबुआ आवास योजना के तहत करीब 39 अबुआ आवास के लाभुकों को गृह प्रवेश कराया गया। इस दौरान बीडीओ देवलाल करमाली ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ फीता काट लाभुकों को अबुआ आवास योजना के तहत निर्मित आवास में गृह प्रवेश कराया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से सभी घर विहीन परिवारों को पक्का मकान मुहैया कराना लक्ष्य रखा गया है। बारी-बारी से सभी लाभुकों को अपना पक्का मकान होगा। कहा कि अबुआ आवास योजना के तहत लाभुकों को राशि का भुक्तान होने के बाद भी आवास का निर्माण नहीं कराने वाले लाभुकों को अभिलंब निर्माण कार्य शुरू कराने बात कही। वहीं, रारो मुखिया सुनीता देवी ने लाभुकों को सरकार की ओर से संचालित योजनाओं को समय पर पूर्ण करने को लेकर प्रेरित किया। इस मौके पर मुखिया, बीडीसी, वार्ड सदस्य और पंचायत सचिव के साथ ही मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र ठाकुर, पंचायत सचिव दीपक कुमार तिवारी आदि उपस्थित थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, एक गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरिया। बड़गड़ थाना अंतर्गत काम भंडरिया टेहरी मुख्य पथ पर बाड़ी खजुरी गांव में भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि इसी हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे ग्रामीणों की मदद से निजी वाहन के सहारे इलाज के लिए भंडरिया समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जानकारी के मुताबिक बाइक सवार दो युवक टेहरी की ओर से बड़गड़ आ रहे थे। जबकि विपरित दिशा से जेसीबी गुजर रही थी। तभी दोनों में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और बाइक चालक महुआटीकर गांव निवासी राहुल कुमार पासवान (22) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, काला खजुरी गांव निवासी सेवानिवृत्त चौकीदार शिवनाथ भुईहर का पुत्र प्रमीत मुंडा (30) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका बायां पैर टूट गया है। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो, जेसीबी चालक घटनास्थल से कुछ दूर भाग कर सड़क किनारे जेसीबी खड़ी कर भाग गया। जिसे बाद में पुलिस जब्त कर बड़गड़ थाना ले आइ। इससे पहले हादसे की सूचना पाकर बड़गड़ के थाना प्रभारी दीपक कुमार मौर्य के नेतृत्व में सदल बल घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टण के लिए गढ़वा भेज दिया।

दिवंगत शिक्षक की पत्नी को की गई आर्थिक मदद

हरिहरपुर (आजाद सिपाही)। ओपी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय बत्तो खुर्द के दिवंगत सहायक अध्यापक कुलदीप प्रसाद गुप्ता के परिवार के प्रति शिक्षक समुदाय ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए बुधवार को सामूहिक रूप से 57 हजार 600 रुपये की राशि एकत्र कर मृतक की पत्नी को मदद के रूप में सौंपी। बतातें चलें कि कुलदीप गुप्ता लंबे समय से शुगर रोग) से पीड़ित थे। विगत चार नवंबर को उनका निधन हो गया था। उनके निधन की खबर से पूरे शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई थी। बुधवार को कई सरकारी शिक्षक और सहायक अध्यापक उनके आवास पर पहुंचे, जहां दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर किशोर कुमार, कमलाकांत पाठक, दीपक तिवारी, सुमेर राम, मनोज कुमार, सुनीता देवी आदि उपस्थित थे। इस मौके पर उमवि बत्तो खुर्द के शिक्षक कमलाकान्त पाठक ने कहा कि कुलदीप जी जैसे शिक्षक संस्था की अमूल्य धरोहर थे। उनकी कमी लंबे समय तक खलेगी, पर उनकी सादगी और शिक्षाएं सदैव प्रेरणा देती रहेंगी। यह पहल न केवल सहयोग का प्रतीक बनी, बल्कि शिक्षक समाज की एकजुटता और मानवीय संवेदना का भी जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर गई।

झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर कंचनपुर में निकाली गयी प्रभात फेरी

रंका (आजाद सिपाही)। अनुमंडल अंतर्गत सदर प्रखंड के कंचनपुर पंचायत में झारखंड के 25वें स्थापना दिवस (रजत जयंती) को लेकर मुखिया प्रतिमा देवी के नेतृत्व में प्रभात फेरी निकाली गई। इसका मुख्य उद्देश्य मनरेगा योजना के अंतर्गत मजदूरों को जॉब कार्ड बनाने और साल में 100 दिन काम उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर प्रभात फेरी में शामिल सभी महिला-पुरुष ग्रामीण हर हाथ को काम-गांव में खुशहाली का नाम, 100 दिन का काम है हमारा अधिकार-दूर होगा अब हर अंधकार, जॉब कार्ड बनाओ-सौ दिन का रोजगार पाओ आदि के नारे लगाये। इसमें मुखिया प्रतिमा देवी, मुखिया प्रतिनिधि चंद्रशेखर कुमार, रोजगार सेवक शशि सोनी, जेएसएलपीएस के सत्येंद्र कुमार, भीएलई श्रीराम ओझा, पंचायत सहायक नंदू राम, सुरेंद्र चंद्रवंशी, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि सत्येंद्र राम, आशुतोष तिवारी, लवली उरांव, ओमप्रकाश यादव, जेएसएलपीएस महिला समूह की दीदी सहित काफी संख्या में ग्रामीण जनता महिला पुरुष, बच्चे एवं बच्चियां शामिल थे।

भवन दिवस पर कई लोगों को कराया गया गृह प्रवेश

भंडरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय में बीडीओ अमित कुमार के निर्देश पर झारखंड स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर भंडरिया प्रखंड मुख्यालय में भवन दिवस के रूप में मनाया गया। इसके साथ ही पारंपरिक बाजा गाजा एवं मांदर के साथ प्रखंड मुख्यालय से इंदिरा गांधी चौक तक जुलूस भी निकला। आवास कोऑर्डिनेटर ने बताया कि भंडरिया प्रखंड में 600 पंचायत है। सभी में भवन दिवस के अवसर पर अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवास के लाभुकों को गृह प्रवेश कराया जाएगा। इस दौरान गृह प्रवेश भी कराया गया। जिसमें मदगडी (क) पंचायत के प्रदीप राम, भंडरिया पंचायत में मनोज गुप्ता, जिनेवा पंचायत में बिनेसरी देवी, बिजका पंचायत में देवधारी राम, फकीराडीह पंचायत में नंदलाल चौधरी को अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवास के तहत घर का लाभ देते हुए गृह प्रवेश कराया गया। इस मौके पर आवास कोऑर्डिनेटर राहुल कुमार, जेएसएलपीएस के नकुल लोहार कोऑर्डिनेटर प्रिया कुमारी आदि उपस्थित रहे।

सूरत कमाने गये पंडरिया के युवक का शव पहुंचा गांव

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र से गुजरात के सूरत काम करने गए एक युवक का शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार पंडरिया पंचायत के अधौरा निवासी मोस्तकीम अंसारी का पुत्र आफताब अंसारी (32) पांच महीना पहले गुजरात के सूरत में इमब्रॉडरी मशीन चलाने का काम करने गया था। गत सोमवार की शाम सात बजे बुखार की शिकायत होने के बाद सूरत म्यसिपल मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में उसे भर्ती कराया गया। जहां डाक्टर ने जांच के बाद डेंगू होने की पुष्टि की। इसी बीच इलाज के क्रम में रात 10 बजे उसकी मौत हो गया। इसके बाद निजी एम्बुलेंस से उसके शव को पैतृक गांव में बुधवार को पहुंचा गया। मृतक की एक बेटी और दो बेटे हैं। उधर, शव, गांव पहुंचते ही परिजन दहाड़े मारकर रोने लगे। पंडरिया के मुखिया प्रतिनिधि, भाजपा नेता अनील चौबे, सुशील चौबे, सुरेंद्र यादव, मनोज यादव, सुल्तान अंसारी, शैलेंद्र रावत आदि घर पहुंच परिजनों को ढांढस बंधाया।

लोहरदगा पहुंची गढ़वा जिला फुटबॉल टीम

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन की ओर से आयोजित झारखंड राज्य अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता चार ग्रुपों में खेला जा रहा है। इसमें गढ़वा जिले की टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। ग्रुप बी के सभी मैच लोहरदगा के नदिया स्कूल मैदान में खेला जाएगा। ग्रुप बी में पांच टीम गढ़वा, पलामू, लातेहार, गुमला और लोहरदगा शामिल हैं। गढ़वा का मैच बुधवार को लातेहार के साथ खेला गया। इसके लिए गढ़वा जिला की टीम सासाराम-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से कप्तान आकाश दीप ऋषि के नेतृत्व में रवाना हुई। टीम में निरोज लकड़ा, सीबी सिंह, मनजीत तिर्की, उमंग तिर्की, महेंद्र सिंह, मोहन सिंह, बिकाश सिंह, रितेश मिंज, आर्यन कुजूर, उपाध्या सिंह, शलेंद्र लकड़ा, रोमारिओ लकड़ा, रुपेश मांझी, ओमप्रकाश सिंह, प्रवेश सिंह, सोनू कुमार सिंह और उज्जवल कुजूर शामिल है। वहीं, टीम का कोच जेम्स बड़ा एवं टीम मैनेजर कंचन कुमार को बनाया गया है। टीम को शुभकामना देते हुए गढ़वा जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष आलोक मिश्रा ने बताया कि टीम काफी संतुलित है सभी नए खिलाड़ी हैं। विगत एक सालों में इनका परफॉर्मेंस काफी अच्छा रहा है। वहीं, बधाई देने वालों में फुटबॉल संघ के कार्यकारी सचिव अरविंद कुमार, कोषाध्यक्ष जगन्नाथ राम, संरक्षक राकेश पाल, गढ़वा जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र पाठक, वरीय उपाध्यक्ष उदय नारायण तिवारी, विजय केसरी, मनीष केसरी, पंकज केसरी, ओमप्रकाश तिवारी, उमेश सहाय, सुशील तिवारी, विकास पांडे, अजय कांत, राजेश पांडे, किशोर कुणाल, चंद्र बहादुर सिंह, रमाशंकर सिंह, कौशलेश तिवारी, शमशाद अहमद, प्रदीप कुमार, ओम प्रकाश गुप्ता, अतुल भारद्वाज और गढ़वा जिला क्रिकेट संघ के सचिव राघवेंद्र नारायण सिंह आदि शामिल रहे।

सुबह-ए-झारखंड के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर इस वर्ष झारखंड@25 थीम पर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहर के विभिन्न चिन्हित मार्गो, स्थलों आदि पर पारंपरिक नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सुबह-ए- झारखंड के तहत बुधवार को जिले भर में पारंपरिक नृत्य का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन अपराह्न तीन बजे से शाम पांच बजे तक जिले के गढ़वा नगर परिषद, श्री बंशीधर नगर पंचायत, मझिआंव नगर पंचायत, रमकंडा, भंडरिया, बरगढ सहित अन्य प्रखंडों एवं शहर के चिन्हित स्थलों पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा झारखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, नृत्य और संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

एसडी मेमोरियल एकेडमी में शोक सभा का आयोजन

मेराल (आजाद सिपाही)। एसडी मेमोरियल एकेडमी में बुधवार को आयोजित प्रार्थन सभा में दिल्ली के लाल किला के समीप विगत दिनों हुए कार विस्फोट में मारे गये लोगों की आत्मा की शांति एवं परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की गयी। विद्यालय के निदेशक ब्रजेश कुमार मिश्र ने कहा कि विद्यालय में नियमित होने वाली असेंबली के बाद न्यूज रीडिंग के दौरान बच्चों को घटना की जानकारी दी गई। साथ ही सामूहिक रूप से एक मिनट का मौन धारण कर मृत आत्मा की शांति एवं परिजनों के प्रति संवेदना और घायलों के जल्द ठीक होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। उन्होंने कहा कि इस घटना से पूरे देश के लोग मर्माहत हैं। कहा कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता वे इंसानियत के दुश्मन होते हैं। इस मौके पर प्राचार्य अरुण कुमार, अमरेंद्र कुमार मिश्र, गौतम कुमार, रंजीत साह, पीयूष पांडे मृत्युंजय पांडे, जयप्रकाश पांडे और अंशु कुमारी आदि मौजूद रहे।

एसआइआर कार्य में लापरवाही को लेकर बीडीओ ने 10 बीएलओ से मांगा स्पष्टीकरण

संतोषजन जवाब नहीं दे पाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए डीसी से अनुशंसा की चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। प्रखंड क्षेत्र के एसआईआर से संबंधित मतदाताओं के मैपिंग कार्य से संबंधित शिथिलता को लेकर बीडीओ सह एइआरओ राकेश सहाय ने 10 बीएलओ से स्पष्टीकरण मांगा है। बीडीओ ने बताया कि विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 2, 27, 28, 35, 43, 52, 55, 56, 58 एवं 59 पर आगामी एसआईआर के तहत मतदाताओं का मैपिंग कार्य अधोहस्ताक्षरी की समीक्षा के दौरान प्रगति बेहद ही धीमा एवं असंतोष जनक पायी गयी है, जो चिंता का विषय है। इससे प्रतीत होता है कि अधिकारियों द्वारा निर्वाचन जैसे कार्य में घोर लापरवाही बढ़ती जा रही और निर्वाचन कार्य की अनदेखी की जा रही है। इस लिए निर्देश दिया जाता है कि 24 घंटे के अंदर अधो हस्ताक्षरी के कार्यालय में खुद उपस्थित होकर स्पष्टीकरण समर्पित करें अन्यथा आपके मूल पद से बर्खास्त करने को लेकर डीसी को अनुशंसा कर दी जाएगी। इस संबंध में राकेश शाह ने बताया कि निर्वाचन कार्य में लापरवाही को देखते हुए 10 बीएलओ को स्पष्टीकरण दिया गया है। अगर संतोष जनक स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता है तो उनके विरोध कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमण्डल, हुसैनाबाद

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

ई0–निविदा संख्या :– WRD/MID/HUSSAINABAD/F_2-07/2025-26

पत्रांकः– 455 हुसैनाबाद, दिनांकः–12/11/2025

1	कार्य का नाम	हरवारी नदी पर पक्का चेकडैम निर्माण, प्रखण्ड–हुसैनाबाद, जिला–पलामू।
2	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	53,57,000=00
3	कार्य पूर्ण करने की अवधि	11 माह
4	ई0–निविदा वेबसाईट पर प्रकाशित करने की तिथि एवं समय	19.11.2025 (11:00 AM)
5	ई0–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	06.12.2025 (3:00 PM तक)
6	निविदा शुल्क और EMD ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	e-procurement Portal (jharkhandtenders.gov.in) 06.12.2025 (3:00 PM तक)
7	ई0–निविदा खुलने की तिथि एवं समय	08.12.2025 (11:00 AM)
8	ई0–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, हुसैनाबाद।
9	ई0–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या एवं ई–मेल पता	9031301518 eemidhus-cemr-jhr@nic.in
10	ई0 प्रोक्योरमेंट सेल एवं हेल्पलाईन नंबर	0651–2214784

नोटः–1. सिर्फ ई0–निविदा ही स्वीकार की जायेगी।
2. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट :– jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।
3. प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, हुसैनाबाद

PR 365897 (Minor Irrigation)25-26*D

OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER -CUM-DISTRICT MAGISTRATE, KODERMA, JHARKHAND
DISTRICT SPORTS OFFICE, KODERMA – 825410

Email: sportskoderma17@gmail.com Website: https://koderma.nic.in

ज्ञापांकः–343/खे0 दिनांक–12.11.2025

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP) 2nd Call

PLANNING, DESIGNING AND DEVELOPMENT OF COMBINED SPORTS COMPLEX (PHASE I & II) KODERMA DISTRICT, JHARKHAND

1. BACKGROUND AND OBJECTIVE

The **Government of Jharkhand**, through the **Office of the Deputy Commissioner, Koderma**, invites sealed proposals from **empanelled, experienced, and technically competent agencies** for the **Planning, Designing and Development of a Combined Sports Complex (Phase I & II)** under the **District Infrastructure and Sports Promotion Program (DISPP)**.

All works must executed from **Jharkhand State building construction corporation Ltd.From Schedule of Rates (JSOR & DSR)** with **other technical guidelines**.

2. NAME OF WORK

Planning, Design and Construction of Indoor Sports Complex & Outdoor sports activities complex (Phase I from CSR funded & II for State/Centeral government funded) – Koderma District, Jharkhand

Particulars	Details
Tender Inviting Authority	By Order Deputy Commissioner-cum-District Magistrate, Koderma
Executing Department	JSBCCL PIU Koderma
Project Location	Karma Koderma District, Jharkhand
Date of Publication	12.11.2025
Earnest Money Deposit (EMD)	₹5,00,000 (Rupees Five Lakh only) – in favour of *District sports Officer, Koderma(MSME Exemption Acceptable)*
MSME Exemption	As per Government of India norms on submission guidelines of valid under MSME/Udyam Certificate
Prebid	**14/11/2025 at 11.30 AM**
Last Date for Submission	18.11.2025 by 03:00 PM
Opening of Technical Bid and Technical Presentation	18.11.2025 by 04:00 PM
Bid Submission Place	District Sports department Koderma
Bid Opening Venue	Conference Hall, D.C Office, Koderma
Method of Selection	Least Marks Based Selection (LMS) Method

- The D.C, Koderma reserves the right to **accept, reject, or modify** any bid without assigning reason.

Note- For Detail Information & Terms and Condition Regarding RFP, Please Visit Koderma District Adminstration www.koderma.nic.in

PR 365871 Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs (25-26)D

District Sports Officer, Koderma.

बिनिमा धान दूसरी बार खेलेंगी महिला जूनियर हॉकी विश्व कप

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा, निक्की प्रधान जैसी अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ियों को जन्म देने वाली खूंटी की धरती पर और एक बालिका बिनिमा धान विश्व स्तर पर खूंटी का नाम रोशन कर रही है। बिनिमा का चयन जूनियर बालिका विश्व कप के लिए भारतीय टीम में हुआ है। महिला जूनियर हॉकी विश्व सैंटियागो में एक से 13 दिसंबर तक खेल जायेगा। बिनिमा इसके पहले भी विश्व कप में अपना जलवा दिखा चुकी है। बिनिमा कर्रा थाना के बाहमण टोली गोविंदपुर की रहनेवाली है। उसने गोविंदपुर के लूथरन गर्ल्स स्कूल से शिक्षा पायी। उसने डे बोर्डिंग हॉकी सेंटर खूंटी से हॉकी का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

तोरपा में 109 लाभुकों का कराया गया गृह प्रवेश

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को विभिन्न पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 109 आवासों का गृह प्रवेश कराया गया। इनमें 95 अबुआ आवास, 13 प्रधानमंत्री आवास, तथा 1 अंबेडकर आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवास शामिल हैं। सभी लाभुकों ने अपने नये घरों में विधिवत प्रवेश किया। मुख्य कार्यक्रम प्रखंड कार्यालय में आयोजित किया गया, जहां जिला परिषद सदस्य सुशांति कोनगाड़ी ने लाभुकों को आवास की चाबी एवं प्रमाण पत्र सौंपे। इस अवसर पर प्रमुख रोहित सुरीन, मुखिया विनीता नाग, जॉन तोपनो, बुधराम कंडुलना, बीडीओ नवीन चंद्र झा, बीपीओ नरेंद्र कुमार, अमित कुमार, उप मुखिया राजू साहू सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

सात टोलों में श्रमदान कर ग्रामीणों ने बनाये छह बोरीबांध

खूंटी (आजाद सिपाही)। मुरहू प्रखंड की कुदा पंचायत अंतर्गत ओतोंगओड़ा और उसके सातों टोलों के ग्रामीणों ने इस वर्ष अफीम की खेती पूरी तरह छोड़ने का निर्णय लिया है। ग्रामीण अब अफीम की जगह रबी फसल और सब्जी की खेती करेंगे। इसके लिए उन्होंने जल संचयन को पहला कदम मानते हुए सामूहिक श्रमदान के जरिये बुधवार को छह बोरीबांध का निर्माण किया। बोरीबांध ओतोंगओड़ा, रूईटोला, सिदोम जिलाद, निलीगुदा, बंदा लोर, केड़ा चप्पी डोभा, रंगरूड़ी और हतनादिकिर में बनाये गये। बोरीबांध बनने के बाद गांव के नालों में पानी लबालब भर गया, जिससे रबी फसल की सिंचाई की राह खुल गयी। श्रमदान कार्यक्रम में सेवा वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अजय शर्मा, मुखिया अमर मुंडू, ग्रामप्रधान अरविंद मुंडा, सामुएल पुर्ती, पूर्व माओवादी दुर्गन हस्सा, सहित सातों टोलों के लगभग 300 से ज्यादा महिला-पुरूषों ने हिस्सा लिया। महिलाओं ने चार स्थानों पर सामूहिक भोजन तैयार किया, जिसे सभी ने मिलकर ग्रहण किया। इससे पहले ओतोंगओड़ा में मुखिया अमर मुंडू और ग्रामप्रधान अरविंद मुंडा की संयुक्त अध्यक्षता में सातों टोलों की बैठक चार नवंबर को हुई थी, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि जल संचयन को विकास का आधार बनाते हुए 12 नवंबर को सामूहिक श्रमदान (मदईत) के तहत बोरीबांध निर्माण किया जायेगा। बोरीबांध निर्माण में श्रमदान करने वालों में हारूण पूर्ति जेक पूर्ति, विमल पूर्ति, तुनुर पूर्ति सहित अन्य शमिल शामिल थे।

इचागढ़ में कई लाभुकों का हुआ गृह प्रवेश

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। झारखंड स्थापना दिवस के 25वें वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत प्रखंड ईचागढ़ के चिमटिया पंचायत क्षेत्र के तामारी गांव में अबुआ आवास योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना का गृह प्रवेश बुधवार को धूमधाम के साथ कराया गया। गृह प्रवेश महेश्वर महतो, मुक्ता सिंह, मालिंद्र महतो, पविता महतो, धनंजय गोराई आदि का कराया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी एकता वर्मा ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार का योजनाओं पर ग्रामीण लाभान्वित हो इसके लिए सभी प्रयासरत है। मौके पर ईचागढ़ प्रखंड प्रमुख गुरुपद मार्डी, मुखिया अभिराम हेंब्रम, पार्वती महतो, अनाथ महतो, संजय महतो, प्रताप मांझी, संतोष सिंह , ठाकुर सोरेन, आनंद पुरान, दिलीप गोप, कार्तिक गोप, रोजगार सेवक गुणाधर महतो आदि उपस्थित थे। 11

राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के महामंत्री राजेश कुमार सिंह ने किया एनके क्षेत्र का दौरा

खलारी (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के महामंत्री राजेश कुमार सिंह ने एनके एरिया का दौरा किया। एनके एरिया पंहुचने पर क्षेत्रीय सचिव सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में यूनियन के सभी परियोजनाओं के अध्यक्ष, सचिव एवं सक्रिय सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके पश्चात डकरा वीआईपी सभागार में आयोजित बैठक में श्री सिंह ने पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अब समय है कि हम एनके और पिपरवार क्षेत्रों में संगठन को और अधिक सशक्त बनाएं तथा नयी ऊर्जा और उत्साह के साथ श्रमिकों की समस्याओं के समाधान में भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में पिपरवार क्षेत्र के पदाधिकारियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। महामंत्री श्री सिंह ने आशा व्यक्त की कि क्षेत्रीय प्रबंधन, यूनियन प्रतिनिधियों के साथ सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध स्थापित कर उत्पादन में वृद्धि तथा श्रमिक कल्याण के कार्यों को प्राथमिकता देगा। बैठक में सुनील कुमार सिंह, देवपाल मुंडा, हलीम खान, जेएच खान, दिलीप कुमार गौतम, सुरेंद्र चौहान, सुखराम सेठ, गिरेंद्र सिंह, रामजी यादव, धीरज कुमार, चंद्रदीप, धनंजय चौहान, अशोक घासी, बालेश्वर भोगता, केके चतुर्वेदी, भीम प्रसाद मेहता, रतनलाल, विश्वनाथ सामंता, राघव चौबे सहित बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय राहे को जल संरक्षण का मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

पुरस्कार वितरण 18 नवंबर को विज्ञान भवन नयी दिल्ली के प्लेनरी हॉल में होगा

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री जेआर पाटिल ने छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार 24 के विजेताओं की घोषणा की है

श्रेष्ठ विद्यालय या कॉलेज वर्ग में संयुक्त रूप से पूरे भारत में तीसरा स्थान मिला है

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू। झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय राहे को जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। इस विद्यालय को श्रेष्ठ विद्यालय या कॉलेज वर्ग में संयुक्त रूप से पूरे भारत में तीसरा स्थान मिला है। पुरस्कार वितरण 18 नवंबर को विज्ञान भवन नयी दिल्ली के प्लेनरी हॉल में होगा। मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगे। इस अवसर पर जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी, विभाग के सचिव बीएल कांठा राव, जल और स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक केके मीणा सहित मंत्रालय के कई अधिकारी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री जेआर पाटिल ने छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार 24 के विजेताओं की घोषणा की है। यह पुरस्कार स्कूल में छात्राओं द्वारा पानी की एक एक बूंद बचाने, जल का सदुपयोग करने, विद्यालय क्षेत्र को हरा भरा रखने, वर्षा जल को संग्रहित करने तथा गांव समुदाय को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने हेतु मिला है। उक्त पुरस्कार हेतु वार्डेन बिमला कुमारी का योगदान रहा है। इधर स्कूल को उत्कृष्ट स्थान मिलने पर जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, बेईईओ शांतिमुनी तिर्की और क्षेत्र के समस्त जनप्रतिनिधियों ने स्कूल परिवार को बधाई और शुभकामना दी है।

यात्रा का उद्देश्य ऊर्जा, कृषि, रोजगार लैंगिंग समानता पर जागरुकता : जॉनसन

भगवान बिरसा की भूमि उलिहातू में हुआ जस्ट ट्रांजिशन यात्रा का समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। पिछले आठ दिनों से जारी जस्ट ट्रांजिशन यात्रा का समापन बुधवार को भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु में हुआ। गांव पहुंचते ही ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत पारंपरिक पाइका नृत्य से किया। इसके बाद सभी यात्रियों ने ग्रामीणों के साथ बिरसा मुंडा के पैतृक घर में पारंपरिक रूप से पूजा कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। समापन समारोह में सारथी नेटवर्क की कई सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

इस दौरान बिरसा मुंडा के परपोते सुखराम मुंडा, उनकी पत्नी लखमनी मुंडा और भतीजे को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

मौके पर फिया फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक जॉनसन टोपनो ने कहा कि जस्ट ट्रांजिशन यात्रा झारखंड में जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहे बदलावों को लेकर की गयी है। इसका उद्देश्य ऊर्जा, कृषि, रोजगार, लैंगिंग और सामुदायिक बदलावों के बारे में लोगों से बात करना था। जस्ट ट्रांजिशन (न्यायपूर्ण बदलाव) में सभी की सहभागिता और आजीविका सुनिश्चित कैसे हो, इस पर समुदाय से बात की गयी। उलिहातु में हुए कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों का स्वागत किया गया। ग्राम प्रधान नेल्सन मुंडा ने कहा, 'जल वायु प्रदूषण का असर हम सब को प्रभावित करता है। हमारी खेतीबाड़ी भी जलवायु पर निर्भर है।'

जस्ट ट्रांजिशन यात्रा के संयोजक गुलाब चंद्र प्रजापति ने कहा कि यात्रा पांच नवंबर से सिद्धो कान्हो की भूमि भोगनाडीह से शुरू हुई और आज बुधवार को उलिहातु में इसका समापन हुआ है। यात्रा साहिबगंज, दुमका, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, पाकुड़, मेदनीनगर, लातेहार, लोहरदगा, रांची से गुजरते हुए खूंटी जिले के उलिहातु में पहुंची थी।

जलवायु संकट से निपटने में ग्राम सभाओं का सशक्त होना बेहद जरूरी : गौतम सागर

सारथी नेटवर्क से जुड़ी सहयोगिनी संस्था के गौतम सागर ने कहा कि जस्ट ट्रांजिशन को लेकर यह यात्रा झारखंड में एक नयी शुरूआत है। अबुआ भागीदारी-अबुआ भविष्य का मतलब जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी देखने की जरूरत है। नेटवर्क का उद्देश्य बदलाव के दौरान सभी को विकास से जोड़ा जाना सुनिश्चित करना है।

पितकी में घरेलू सामग्री, नकदी और आभूषण की चोरी

नीमडीह (आजाद सिपाही)। नीमडीह थाना क्षेत्र के पितकी गांव की भद्रेश्वर गोप की घर में मंगलबार की रात चोरों ने दरवाजा तोड़कर घुस गया और नकद, आभूषण और अन्य सामान अज्ञात चोरों ने चोरी किया। घर के मालिक ने बताया कि सुबह तीन बजे के आसपास जब आंख खुली तो देखा दरवाजा खुला हुआ है। आंगन में घरेलू सामान बिखरा पड़ा हुआ हैं। भद्रेश्वर गोप ने बताया कि इस घटना में लाखो रुपये के आभूषण और नकद की राशि चोर ले उड़े। नीमडीह थाना में चोरी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा जांच शुरू की गयी है।

कुकडू : मनरेगा में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिला सम्मान

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़ । झारखंड राज्य की रजत जयंती पर पूरे राज्य में उत्सव का माहौल है। इसी क्रम में बुधवार को कुकडू प्रखंड कार्यालय सभागार में मनरेगा योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वालों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुकडू प्रखंड की प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री ललिता बाखला, बीपीओ रामलगन उरांव और झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कृतिवास महतो सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। समारोह में बागवानी योजना में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 20 लाभुक, एक सखी, दो मेट, दो रोजगार सेवक और सिंचाई कूप योजना के 10 लाभुकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कुकडू प्रखंड की बीडीओ राजश्री ललिता बाखला ने कहा कि झारखंड अपने 25 वर्ष पूरे कर रहा है और अब समय है राज्य को समृद्धि और परंपरा के मार्ग पर आगे ले जाने का। उन्होंने सभी से मिलकर कुकडू प्रखंड को जिले और राज्य में पहचान दिलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सहायक अभियंता सुदर्शन राणा, जेएसएलपीएस बीपीएम अमित कुमार दुबे, जेई भोलानाथ महतो, तुलसी कालिंदी सहित पंचायत प्रतिनिधि, रोजगार सेवक, पंचायत सचिव और मुखिया उपस्थित रहे।

खूंटी में जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत आज बिरसा मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, खूंटी में जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा, उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी आर. रॉनिटा समेत उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक, आईटीआई आलोक शिकारी कच्छप, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम, जिला शिक्षा पदाधिकारी अपरुपा पाल चौधरी, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, तथा जिला खेल-सह-पर्यटन पदाधिकारी राजेश कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का स्वागत भाषण जिला खेल-सह-पर्यटन पदाधिकारी राजेश कुमार द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों एवं विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, खूंटी की छात्राओं द्वारा शानदार बैंड प्रदर्शन किया गया। यह वही टीम है जिसने हाल ही में आयोजित स्टेट लेवल इंटर स्कूल प्रतियोगिता में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया। इसी प्रकार नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय के छात्रों ने भी बेहतरीन बैंड प्रदर्शन किया, जिन्होंने राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। इसके अतिरिक्त स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत ढोल-नगाड़ों एवं लोक नृत्य ने खूंटी की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपरा को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। विधायक राम सूर्या मुंडा, उपायुक्त आर रॉनिटा एवं अन्य अधिकारियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला बढ़ाया। तत्पश्चात सभी अतिथियों ने आकाश में गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता की औपचारिक शुरूआत की। इस जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में कुल 12 टीमें (6 बालिका और 6 बालक) भाग ले रही हैं।

12 से 14 नवंबर तक चलने वाले प्रतियोगिता के पहले दिन बालिका वर्ग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस टीम अ और एसएस प्लस टू डे बोर्डिंग सेंटर, खूंटी के बीच खेल के साथ प्रतियोगिता का आगाज हुआ। उपायुक्त आर रॉनिटा ने कहा कि खूंटी जिला ने खेल के क्षेत्र में सदैव राज्य को गौरवान्वित किया है। पिछले 25 वर्षों में जिले ने खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार से खिलाड़ियों को हमेशा सहयोग मिलता रहा है, साथ हीं जिला प्रशासन भी सदैव खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।

सीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने किया उलिहातू का दौरा

खूंटी (आजाद सिपाही)। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और 25वें झारखंड राज्य स्थापना दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी आर रॉनिटा ने बुधवार को सभी संबंधित अधिकारियों के साथ उलिहातू का दौरा कर कार्यक्रम की संपूर्ण तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कार्यक्रम स्थल पर टेंट, अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, हेलीपैड, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, विद्युत एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो, उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, परियोजना निदेशक आइटीडीए, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, पुलिस पदाधिकारीगण एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

छह महीने के बाद लगा ट्रांसफार्मर ग्रामीणों को ढीबरी से मिली निजात

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली प्रखंड क्षेत्र के लोवदाग पंचायत अंतर्गत ग्राम केसरडीह में छह महीने के बाद लगा ट्रांसफार्मर ढीबरी युग से मिला निजात घरों में फिर से रोशनी लौट आयी। बीते छह महीनों से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पूरा गांव अंधेरे में डूबा हुआ था। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से कई बार गुहार लगाने के बावजूद समाधान न मिलने पर ग्रामीणों ने झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राधिका महतो से संपर्क किया। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए विभागीय अधिकारियों से बात की और गांव के लिए 25 केवी का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। बुधवार को ग्रामीणों की उपस्थिति में ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बलराम महतो फलहारी महतो, गोपाल महतो, त्रिलोचन महतो, मंटू महतो, दीपक महतो, जयराम महतो, राजाराम महतो, राधारमन महतो, सिदाम महतो, रघुनाथ महतो, कृष्णा महतो, अनुज महतो, नवीन महतो, निलेश महतो, शंभूनाथ, महावीर, प्रभु दास समेत अनेक ग्रामीणों की थे।

एमबी पब्लिक स्कूल बुंडू में भाषण प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू स्थित एमबी पब्लिक स्कूल परिसर में भाषण प्रतियोगिता और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच में झारखंड प्रदेश के विविधता सांस्कृतिक, भौगोलिक विकास की दशा और बिरसा मुंडा के जीवन आधारित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में आकर्षक परेड सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन हुआ। उत्कृष्ट विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।मौके पर विद्यालय की प्राचार्य अब्बू अब्बास अली ने कहा कि बिरसा मुंडा स्वतंत्रता आंदोलन के महान सेनानी थे। मौके पर शिक्षक जमील, दीपक कुमार, ममता, बेनजीर के अलावा अन्य शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चांडिल अनुमंडल बार भवन में अधिवक्ताओं की बैठक

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल बार भवन में सचिव महेंद्र कुमार महतो की अध्यक्षता में बुधवार को एक बैठक किया गया। प्रेस प्रवक्ता शिवेशवर महतो ने बताया कि बैठक में सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि चांडिल बार एसोसिएशन में अधिवक्ता कन्यादान योजना 2025 प्रारंभ की गयी। अधिवक्ता का झारखंड स्टेट बार काउंसिल रांची में अभ्यास का स्थान दर्ज हो, अधिवक्ता नियमित हो, अधिवक्ता के पुत्री के शादी में अधिवक्ता कन्यादान योजना के तहत 30000 रुपये चांडिल बार एसोसिएशन द्वारा दी जायेगी। इस तरह की योजना प्रारंभ किए जाने पर सभी अधिवक्ताओं ने सचिव को सराहनीय किया। इस मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बद्री प्रसाद साहू, अजय कुमार गोप, मृत्युंजय महतो, अनिल प्रसाद साहू, अशोक कुमार झा, एस के एस पातर, विमल चंद्र मंडल, विद्युत भूषण महतो, विश्वनाथ कालिंदी सहित कई अधिवक्ता बैठक में उपस्थित थे।

जेनेट एकेडमी हेसालोंग के छात्र-छात्राएं शैक्षणिक भ्रमण पर दार्जलिंग रवाना

मैक्लुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। जेनेट एकेडमी हेसालोंग मैकलुस्कीगंज के 45 छात्र-छात्राएं बुधवार को बस के द्वारा शैक्षणिक भ्रमण पर दार्जिलिंग के लिए रवाना हुए। इस दल का नेतृत्व विद्यालय के शिक्षक मनोज कुजूर और शिक्षिका अनामिका मिश्रा कर रहे हैं। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थलों और प्राकृतिक विरासत से परिचित कराना है। यात्रा के दौरान छात्र-छात्राएं टाइगर हिल, बातासिया लूप, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट, पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क, घूम मठ और प्रसिद्ध दार्जिलिंग चाय बागानों का अवलोकन करेंगे। सभी छात्र यात्रा को लेकर रोमांचित और उत्साहित नजर आए। विद्यालय के प्रधानाचार्य रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे भ्रमणों से विद्यार्थियों में व्यावहारिक ज्ञान, सामाजिक समझ और पर्यावरणीय जागरूकता विकसित होती है। भ्रमण छात्रों के सर्वांगीण विकास का एक अभिन्न हिस्सा है। ऐसे शैक्षणिक यात्राओं से उन्हें व्यवहारिक अनुभव के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ता है। विद्यालय परिसर से बस के प्रस्थान के समय शिक्षकगण, अभिभावक और विद्यालय कर्मचारी उपस्थित थे।

मोटरसाइकिल सवार में सीधी टक्कर, दो घायल

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के दानाडीह गांव के समीप दो मोटरसाइकिल सवार में सीधा टक्कर होने से दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए है। घटना बुधवार शाम 7 बजे के आसपास की है। घायल व्यक्ति में एक सोनाहातू के चिरगालडीह गांव का अजित कुमार लोहारा था दूसरा बुंडू थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव का मुकेश कुमार लोहारा है। घायल को सोनाहातू अस्पताल में इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेज दिया गया है।

ओरमांझी में अबुआ आवास के तीन लाभुकों को कराया गया गृह प्रवेश

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। ओरमांझी पंचायत में अबुआ आवास योजना के तहत जसमणि देवी, किरण देवी और सुरेश साहू को योजना के योग्य मानते हुए बुधवार को लाभ दिया गया था। तीनों लाभुकों ने तय समय पर आवास निर्माण कर गृह प्रवेश के लिए बीडीओ कामेश्वर बेदिया एवं मुखिया दीपक बड़ाइक आदि को निमंत्रित किया। गृह प्रवेश में बीडीओ, ओरमांझी के मुखिया दीपक बड़ाइक, उप मुखिया संतोष गुप्ता, ग्राम प्रधान दीनदयाल लोहार मुंडा, पंसस, पंचायत सचिव भागीरथ मंडल, वीएलडब्ल्यू सुलेखा कुमारी, वार्ड सदस्य अनिता देवी, आनंद नायक, पंचायत सहायक रेखा गुप्ता, मनोज गुप्ता, उपेंद्र कुमार आदि मौजूद थे। इस दौरान बीडीओ, मुखिया, उप मुखिया संतोष गुप्ता आदि ने तीनों लाभुकों को नये गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दी। जबकि मुखिया ने मुख्यमंत्री की इस योजना को गरीबों के लिए वरदान बताया।

खिजरी विधायक के सौजन्य से फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच जर्सी-फुटबॉल वितरित

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। खिजरी विधायक राजेश कच्छप के सौजन्य से बीसा पंचायत के बेंती ब्रदर्स फुटबॉल क्लब को जर्सी, फुटबॉल एवं अन्य खेल सामग्री उपलब्ध कराया गया है। इसका वितरण बुधवार को खाद्य आपूर्ति विभाग के विधायक प्रतिनिधि अजय करमाल, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के विधायक प्रतिनिधि आशीष मुंडा ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों के बीच किया। इस मौके पर कहा कि विधायक राजेश कच्छप द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देने के लिए काफी प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए गांव गांव में खेल सामग्री का वितरण किया जा रहा है। बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर महादेव टांड़ बेन्ती में दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसका शुभारंभ विधायक राजेश कच्छप खुद करेंगें।

बेड़ो में झामुमो की नयी प्रखंड समिति का गठन, सहिंद्र लकड़ा बनाये गये सचिव

बेड़ो (आजाद सिपाही)। झामुमो की केंद्रीय समिति ने बेड़ो प्रखंड कमेटी की घोषणा कर दी है। इस नई कमेटी में युवाओं, महिलाओं और अनुभवी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर संगठन को मजबूत करने का प्रयास किया गया है। इसमें सचिव सहिंद्र लकड़ा एवं सह सचिव पीटर तिर्की को बनाये जाने पर कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। वहीं, झामुमो के रांची जिला उपाध्यक्ष मुन्ना बड़ाइक ने भी बधाई दी है। उधर, नई प्रखंड समिति की घोषणा के बाद कार्यकर्ताओं में उल्लास का माहौल है। पार्टी नेताओं और समर्थकों ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि नई टीम बेड़ो क्षेत्र में संगठन को नई दिशा और ऊर्जा देगी।

झामुमो नगड़ी प्रखंड अध्यक्ष सुरेश महतो सहित अन्य अधिकारियों का भव्य स्वागत

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रदेश प्रवक्ता विनोद पांडेय ने बुधवार को नगड़ी प्रखंड झामुमो कमेटी के अध्यक्ष के रूप में सुरेश महतो, उपाध्यक्ष राजेंद्र महतो और कोषाध्यक्ष नसीम अंसारी को मनोनीत किया है। इसकी जानकारी मिलते ही झामुमो नगड़ी प्रखंड कमेटी के पूर्व अध्यक्ष विनोद तिर्की के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सभी को पुष्प गुच्छ देकर बधाई दी। इस मौके पर नगडी-प्रखंड मनोनीत प्रखंड अध्यक्ष सुरेश महतो को पूर्व अध्यक्ष विनोद तिर्की ने माला पहनाकर साथ ही प्रखंड उपाध्यक्ष राजेंद्र महतो, को तस्लीम अंसारी ने माला-बुके देकर बधाई दी। प्रखंड कोषाध्यक्ष नसीम अंसारी को राखी देवी ने बुके देकर बधाई दी। इस अवसर पर विनोद तिर्की ने कहा कि जाति-धर्म से उपर उठकर काम करेंगे। शोषित, पीड़ित किसान मजदूर के प्रति संघर्ष शील करेंगे और संगठन की जिम्मेवारी एवं कर्तव्य को निस्वार्थ भाव से निभा कर संगठन को और अधिक मजबूत बनायेंगें। इस मौके पर विनोद तिर्की, राखी देवी, तस्लीम अंसारी, सोमारी उरांव, प्रमीला देवी, नीलम देवी, वरुण कुमार महतो, रेयाजुल अंसारी, शमशाद अंसारी, लक्ष्मण राम रंजन और हेमरोम आदि शामिल थे।

मांडर टोल प्लाजा पर स्थानीय वाहनों को फ्री पास देने को लेकर ज्ञापन सौंपा

मांडर (आजाद सिपाही)। मांडर टोल प्लाजा के मैनेजर को स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बुधवार को ज्ञापन सौंपा। जिसके माध्यम से चान्हो और मांडर के वाहन मालिकों और टोल प्लाजा पर कार्यरत कर्मियों के बीच आये दिन हो रहे टकराव को खत्म करने की मांग की गयी। पूर्व की तरह चान्हो और मांडर के लोगों को टोल प्लाजा पर छूट देने की मांग की गई। इस पर टोल मैनेजर अभिषेख साहू ने बताया कि बड़ी संख्या में बाहर के लोग स्थानीय होने का फर्जी आधार कार्ड बनवा लिए हैं। जिससे काफी समस्या हो रही है। उन्होंने स्थानीय लोगों से फास्ट्रेक बनवाने की अपील की। कहा कि फास्ट ट्रैक बन जाने से सभी लाइनों से लोग आना-जाना कर सकेंगे। वहीं, जो लोग भी लोकल हैं वह अपना ऑरिजिनल आधार कार्ड अपने पास रखें। फोटो कॉपी या मोबाईल पर दिखाने से मान्य नहीं होगा। इस बात को वार्ता करने गए लोगों ने भी स्वीकार किया। साथ ही खराब सड़कों को तत्काल मरम्मत कराने की मांग की गई। लोगों ने खराब सड़कों पर टोल टैक्स वसूल किए जाने पर भी विरोध जताया। प्रतिनिधि मंडल में सामाजिक कार्यकर्ता रहमतुल्लाह अंसारी, जिला परिषद सदस्य आदिल अजीम, जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी, कांग्रेस अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शमीम अहमद, शिव उरांव, जिला परिषद प्रतिनिधि रबुल अंसारी, राजू लोहरा नसीम अंसारी, प्रदीप गुप्ता, अल्ताफ अंसारी, जहीर खान, हुसैन अंसारी, जुल्फान अंसारी, जमील अख्तर, उत्कर्ष तिवारी, ऐनुल अंसारी, मोहम्मद गुफरान मजीबुल अंसारी आदि मौजूद रहे।

महिलाओं में लिटिल एंजल और पुरुष में एसकेएम बना चैंपियन

स्वर्गीय करमचंद भगत की छवि दूरगामी सोच वाली थी: बंधु तिर्की

कहा- बेड़ो और मांडर में खोले गये कॉलेज का लाभ आज गरीब तबके की बेटियों को भी मिल रहा

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड के जरिया गांव स्थित करमचंद भगत स्टेडियम में जरिया फुटबॉल क्लब के तत्वावधान में आयोजित स्व करमचंद भगत स्मृति में पुरुष और महिला वर्ग के फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। महिला वर्ग का फाइनल मैच सुरुद एफसी बनाम लिटिल एंजेल लोधमा के बीच खेला गया, जिसमें लिटिल एंजेल लोधमा की टीम विजेता बनी। वहीं, पुरुष वर्ग के फाइनल मैच एसकेएम ब्रदर्स बनाम अमित ब्रदर्स के बीच खेला गया, जिसमें एसकेएम ब्रदर्स विजेता बना। इससे पूर्व समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के अलावा, विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य संरक्षक हजारीबाग विनोवा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व वीसी डॉ रवींद्र नाथ भगत, भाजपा नेता रामनारायण भगत, जयदेव भगत, मुखिया कुंवारी खलखो, पेरो उरांव, बंधन उरांव, डहरू उरांव और श्रीमंत चटर्जी ने फाइनल मैच का उद्घाटन खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल पर किक मारकर किया। वहीं, प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के विजेता टीम को 21 हजार एवं उपविजेता को 13 हजार रुपये, जबकि महिला वर्ग की विजेता टीम को 12 हजार एवं उपविजेता को 8 हजार रुपये, तीसरे और चौथे स्थान पर आने वाली टीमों को 1100 रुपये और खस्सी पुरस्कार के रूप में देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बंधु तिर्की ने कहा कि स्व करमचंद भगत एक विकास पुरुष थे। उनकी छवि दूरगामी सोच वाले व्यक्तित्व की थी। उनके द्वारा लड़कियों के लिए प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, बेड़ो एवं मांडर में खोले गए कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक और गौरवशाली हैं। जिसका लाभ आज हम सभी लोगों को शिक्षा के क्षेत्र में मिल रहा है। उनकी स्मृति में इस तरह का फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि बेड़ो के केशा मोड़ में स्व करमचंद भगत की स्टैचू बनवायी जाएगी। वहीं, डॉ रवींद्र नाथ भगत ने कहा कि खेल से शारिरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के टूर्नामेंट के आयोजन से खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा होने के साथ प्रतिभा भी सामने आती है। कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। खेल को सदा खेल की भावना से ही खेलना चाहिए। खेल से हमारे प्रदेश के खिलाड़ी देश-विदेश में झारखंड के नाम को रोशन कर रहे हैं। इसलिए आप भी निरंतर प्रयास करते रहे। वहीं भाजपा नेता रामनारायण भगत ने कहा कि बेड़ो और मांडर में उच्च शिक्षा का अलख जगाने में स्व करमचंद भगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। क्षेत्र में 10वीं के बाद यहां के छात्रों के लिए शिक्षा का द्वार लगभग बंद हो जाता था। सक्षम अभिभावक ही अपने बच्चो को रांची में शिक्षा दिलाते थे। जबकि, गरीब विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई जारी रखने में कठिनाई होती थी। ऐसे में बेड़ो एवं मांडर में खोला गया कॉलेज रांची, गुमला और लोहरदगा जिले के सुदूरवर्ती विद्यर्थियों के लिए वरदान साबित हुआ है। इस मौके पर प्रतियोगिता को सफल बनाने में विशेश्वर उरांव उरांव, इंद्रजीत भगत, संदीप खलखो, भैरो उरांव, जितपहान लकड़ा, जितेंद्र, विदाशु, सोमनाथ, सुमित सुशील, संजय, किशोर, अंकित, अमन, महावीर, वीरेंद्र, विनोद, सुशांत, मनोज और नीरज ने सराहनीय योगदान दिया।

खिलाड़ियों से हाथ मिलाते मुख्य एवं विशिष्ट अधिकारीगण।

संतुलित और संयमित जीवन शैली के जरिये हम समाज को कर सकते हैं कैंसर मुक्त: किरण यादव

नीरजा सहाय डीएवी में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। कांके स्थित नीरजा सहाय डीएवी में बुधवार को कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसके अंतर्गत प्रार्थना सभा में वरीय शिक्षक संजीव प्रसाद ने कैंसर के प्रकार, कारणों एवं रोकथाम पर विस्तृत जानकारी साझा की। इसके बाद रांची कैंसर हॉस्पिटल और रिसर्च सेंटर से डॉ मनिका वर्मा और मुकुल घोष ने वर्तमान समय में कैंसर के बढ़ते मामलों एवं उसके कारणों में प्रमुख हमारी दिनचर्या एवं खान-पान पर विस्तृत जानकारी साझा की। वहीं, एनटीसीपी के संयोजक नीरज कौशिक ने कार्यक्रम का कुशल संयोजन किया। कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राओं के बीच कैंसर के दुष्प्रभावों एवं इसके दुष्परिणामों की चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं के मन में उठी शंकाओं का समाधान भी नीरज की ओर से किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या किरण यादव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि कैंसर का उन्मूलन हम सभी के लिए एक साध्य लक्ष्य है। एक संतुलित एवं संयमित जीवन शैली के माध्यम से हम समाज को कैंसर मुक्त कर सकते हैं। इस दौरान प्राचार्या ने आगंतुक डॉक्टरों एवं उनकी टीम को इस जागरूकता कार्यक्रम के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

रातू के भोंडा में जमीन विवाद को लेकर मारपीट तीन महिला सहित 8 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

रातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के भोंडा में जमीन विवाद को लेकर मारपीट, 30 लाख रुपया रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी को लेकर पुंदाग निवासी साबिर अंसारी ने थाने में तीन महिला सहित कुल आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोपियो में भोंडा निवासी शोएब अंसारी, सुहैल अंसारी, शकील अंसारी, अबुतलहा अंसारी, जैनुल अंसारी, नाजमा खातुन, जैनुल अन्सारी, शमा परवीन और हुस्नआरा शामिल है। इसके अलावा 20 से 25 अज्ञात महिला-पुरुष पर भी आरोप लगाया गया है। साबिर के मुताबिक आरोपियो ने जमीन में कराये स्लैप की बाउंड्री को तोड़ दिया और सामान की चोरी की थी।

बरगावां पंचायत में लाभुकों को मिला आवास

नामकुम (आजाद सिपाही)। झारखंड स्थापना दिवस पर नामकुम प्रखंड में विकास और जनकल्याण का उत्सव मनाने की तैयारी जोरों पर है। इस अवसर पर बुधवार को नामकुम प्रखंड अंतर्गत बरगावां पंचायत के सामुदायिक भवन में प्रखंड स्तरीय आवास योजना सह संकल्प सभा का आयोजन किया गया। बीडीओ विजय कुमार ने कहा कि झारखंड स्थापना दिवस राज्य के गौरव और जनहित की योजनाओं को सशक्त करने का प्रतीक है। वहीं, प्रखंड प्रमुख आशा कच्छप ने कहा कि जो लाभुक अबतक आवास निर्माण कार्य पूरू नही किए है। वे जल्द से जल्द कर ले। इस मौके पर 98 लाभुकों को गृह प्रवेश कराया गया। वहीं, विभिन्न पंचायतों में संकल्प सभा का आयोजन कर कुल 950 लाभुकों को अबुआ आवास एवं 1570 लाभुकों को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

मोटा अनाज आधारित पाक कला प्रतियोगिता सह भगिनी निवेदिता जन्म दिवस कार्यक्रम आयोजित

भगिनी निवेदिता के आचरण का अनुसरण करने से हमें मिलती है स्वावलंबी बनने की प्रेरणा : स्वामी भवेशानंद

आजाद सिपाही संवाददाता

सिकिदिरी। भगिनी निवेदिता की 158वीं जन्म वार्षिकी के उपलक्ष्य में नारी जागरण कार्यक्रम एवं मोटा अनाज आधारित पाक कला प्रतियोगिता का रांची के मोराबादी स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम एवं दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से बुधवार को अनगड़ा के बड़कीगोडांग गांव में आयोजित हुआ। जिसका मुख्य विषय स्वस्थ भारत, पोषण, स्वास्थ्य और उद्यमिता का समन्वय था। इस अवसर पर नवागढ़ आदर्श आदिवासी पंचायत की 45 ग्रामीण महिलाओं ने 84 प्रकार के व्यंजन की प्रदर्शनी लगायी। जिसमें मड़वा का डूंबू, ठेकुआ, प्याज छिलका रोटी, करहनी धान का चावल आदि शामिल था। रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी भवेशानन्द जी ने अपने संबोधन में कहा कि भगिनी निवेदिता के आचरण का अनुसरण करने से हमें स्वालंबी बनने की प्रेरणा मिलता है। जिससे हम अपने जीवन और समाज का बेहतर निर्माण करके सहायक हो सकेंगे। वहीं, दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉक्टर अजीत कुमार सिंह ने कहा कि आज के समय में स्वदेशी फसलों एवं स्वदेशी फलों का प्रसंस्कृत उत्पाद की अत्यधिक मांग है। अतः ग्रामीण महिलाओं द्वारा इसका बजारीकरण कर अत्यधिक लाभ प्राप्त कर आत्मनिर्भर बना जा सकता है। इस अवसर पर विवेकानंद सेवा केन्द्र एवं निवेदिता सेवा केंद्र की ओर से बालिकाओं का प्रखण्ड स्तरीय फुटबॉल मैच आयोजित हुआ। जिसमें प्रथम स्थान खक्सी टोली एवं द्वितीय स्थान जराडीह को मिला जिन्हें जरसी सेट, फुटबॉल एवं ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर भक्तिशानन्द जी महराज, अनगड़ा पूर्वी के जिला परिषद राजेन्द्र शाही मुण्डा, पशिमी अनुराधा, डॉ अजीत सिंह, दीपाकंर मैती, नवागढ़ मुखिया भुवनेशवर बेदिया, गेतलसुद मुखिया अनिता मुण्डा, पंसस नवागढ़ फाल्गुनी शाही, संतोष बेदिया, कमल बेदिया, जगदीश भोगता, लालो महतो, प्रदीप महतो, पहलू बेदिया, घनश्याम उरांव, नरेन्द्रनाथ बेदिया, जयराम बेदिया, शिबा मुण्डा, दीपीका कुमरी, सुगन देवी, पार्वती कुमरी, निलम हेम्बरम आदि के अलावे कार्यक्रम में कुल 300 से अधिक ग्रामीण शामिल हुए।

बेड़ो में ऐतिहासिक हड़बोरी बूढ़ा जतरा आज से

बेड़ो (आजाद सिपाही)। बेड़ो के ऐतिहासिक हड़बोरी बूढ़ा जतरा की शुरूआत गुरुवार को दातुन पतई तोड़कर की जाएगी। वहीं, शुक्रवार को हर घर में नए चावल का पीठा लड्डू बनेगा। साथ ही शनिवार को महादानी मंदिर परिसर में हड़बोड़ी जतरा लगेगा। इस दौरान जनजातीय समुदाय के लोग पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार पूजा-अर्चना करेंगे। वहीं बेड़ो के पहान महादानी मंदिर के गुंबद पर चढ़कर नृत्य करते हुए अपनी परंपरा को जीवंत करेंगे। ग्रामीणों के बीच यह आस्था है कि इस परंपरा से महादानी बाबा सभी ग्राम वासियों की मनोकामना को पूर्ण करते हैं। जिससे मानव जीवन में सुख समृद्धि बनी रहती है। इस दौरान मंदिर परिसर में बेड़ो, तेतरटोली, टिकराटोली, गायत्री नगर,अम्बा टोली करंज टोली एवं बारीडीह गांव के लोगों द्वारा दीपकलश और रीतिरिवाज के तहत ढोल, मांदर, नगाड़े, पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ अपने -अपने खोड़हा के साथ नाच गान प्रस्तुत किया जाएगा। इधर, खत्रीखटंगा एवं बेड़ो के सीमावर्ती कुंडी में बेड़ो, करंजटोली और हरिहरपुर जामटोली के जनजातीय समुदाय के लोग अस्थि कलश का विसर्जन करेंगे।

धूमधाम से मना दुर्गा मंदिर का स्थापना दिवस

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत सिलवे पंचायत के हरातु गांव स्थित दुर्गा मंदिर का पांचवां स्थापना दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक तरीके से सजाया गया था। मंदिर के पुजारी मधुसूदन पांडे के नेतृत्व में मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना की गयी। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया। मां भगवती की पूजन-हवन के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद के रुप में खिचड़ी का वितरण किया गया। इसके बाद देर शाम भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया। पूजन कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुरेंद्र ठाकुर एवं उनकी पत्नी राजेश्वरी देवी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर सिलवे पंचायत की मुखिया नूतन पहान, शांति देवी, शीला देवी, प्रमिला देवी, भोला ठाकुर, कुंती देवी, प्रीति, प्रियंका, अंकित, सोनू, मयंक आदि उपस्थित थे।

बैंक कर्मियों को अवकाश का लाभ देने की मांग

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय बैंक ऑफ इंडिया अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति-अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारी संघ झारखंड के महासचिव अरुण जॉन प्रबाल ने राज्य सरकार से 15 नवंबर को एनआई एक्ट के तहत बैंक कर्मियों के लिए अवकाश घोषित कराने की मांग की है। कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को पूरे राज्य में विभिन्न सांस्कृतिक समारोह एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें हमारे संगठन की ओर से भी विभिन्न सामाजिक कार्य जैसे रक्तदान शिविर का आयोजन, पिछड़े वर्ग के बच्चों के बीच पठन पाठन सामग्री का वितरण सहित अन्य कार्यक्रम किए जाते हैं। जिसमें बैंक के सभी अधिकारी और कर्मचारी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। ऐसे में बैंक कर्मियों के लिए अवकाश अपेक्षित है। बताया कि इस संबंध में विगत 10 सितंबर एवं 21 अक्टूबर को संघ द्वारा राज्य सरकार को पत्र भी प्रेषित किया गया है। जिसमें बैंक कर्मियों को 15 नवंबर को एनआई एक्ट के तहत अवकाश का लाभ प्रदान करने का आग्रह किया गया है। लेकिन अभी तक इस पर कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है।

चामू बेक बने नामकुम प्रखंड के अध्यक्ष, मिली बधाइयां

नामकुम (आजाद सिपाही)। रामपुर पंचायत निवासी चामू बेक को झारखंड मुक्ति मोर्चा के नामकुम प्रखंड अध्यक्ष बनाए जाने पर आदिवासी मूलवासी संघर्ष समिति रांची के सदस्यों ने बधाई दी है। इस अवसर पर सदस्यों ने उनके घर जाकर बुके देकर उनका स्वागत किया। मौके पर समिति के अध्यक्ष प्रकाश लकड़ा ने एक नई उम्मीद जताते हुए कहा कि चामू बेक के नेतृत्व में नामकुम में झामुमो को और भी मजबूती मिलेगी। बधाई देने वालों में समिति के अध्यक्ष प्रकाश लकड़ा, सचिव नन्हे कच्छप, सक्रिय सदस्य अमर कुमार महतो, ग्राम प्रधान सुनील लकड़ा, मंगल मुंडा, माइकल लकड़ा, लक्ष्मण लकड़ा, शंकर तांती, सुरेश कच्छप आदि शामिल थे।

डीएवी स्कूल में विज्ञान, आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी आज

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय के विनय बगीचा स्थित डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल के परिसर में गुरुवार को विज्ञान, आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन होगा। इस दौरान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता सन्नी टोप्पो, विशिष्ट अतिथि झारखंड प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद कुमार होंगे।उक्त जानकारी स्कूल के निदेशक कैलाश कुमार ने दी।

जनजातीय गौरव दिवस की तैयारी को लेकर भाजपा ओरमांझी मंडल की बैठक

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को भाजपा की ओर से पूरे देश में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में रांची में आयोजित मुख्य कार्यक्रम की तैयारी को लेकर भाजपा ओरमांझी मंडल की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष ने की। इस मौके पर प्रभारी के तौर पर भाजपा रांची जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष मनोज चौधरी उपस्थित थे। जिन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर पूर्व किसान मोर्चा भाजपा झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी, राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि मानकी राजेंद्र साही, भाजपा रांची जिला ग्रामीण सोशल मीडिया प्रभारी शशि मेहता, महामंत्री शशि भूषण साहू, मंडल मीडिया प्रभारी अलख नाथ महतो, नीलमोहन पाहन, गगारी मुखिया धनराज बेदिया, संदीप उरांव, संतोष गुप्ता, राजकिशोर साहू, आनंद महतो, कैलाश, समीनाथ मुंडा, जेठा नायक, कामेश्वर महतो, रामलखन महतो, दीपक यादव, जगमोहन मुंडा आदि उपस्थित थे।

एबीवीपी के पदाधिकारियों का हुआ चयन

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। रांची के डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष प्रियांशु तिवारी, उपाध्यक्ष उज्ज्वल प्रताप, अंकित कच्छप, हर्षित पांडेय, मंत्री रीतिका दास चुने गए। साथ ही खेलो भारत संयोजक मिथिलेश गुप्ता, सोशल मीडिया संयोजक बादल कुमार ,कला मंच प्रमुख प्रियंका कश्यप बनाये गए।

गुमला में 10 लाख रुपये के ब्राउन शुगर के साथ तीन युवक गिरफ्तार

गढ़वा से लाकर कर रहे थे बिक्री, जांच में जुटी पुलिस

गढ़वा के तिलदाग मोड़ के अंकित कुमार का पता लगाने में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले में ब्राउन शुगर की तस्करी के आरोप में पुलिस ने तीन तस्करों को गुमला के चेटर मैदान से गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान गुमला के चाहा वैरागी बगान निवासी बादल साहू, लक्ष्मण नगर निवासी विकास कुमार बैठा और लोहरदगा के भंडरा थाना क्षेत्र के भौंरो निवासी सुनील प्रजापति के रूप में हुई है। उनके पास से 200 पैकेट ब्राउन शुगर, 50 ग्राम ब्राउन शुगर की अलग पुड़िया, तीन मोबाइल फोन और 14,150 रुपये नगद बरामद किया है। एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने संवाददाता सम्मेलन कर बताया कि एसपी को ब्राउन शुगर की खरीद-फरोख्त से संबंधित गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए एक छापामारी टीम का गठन किया गया। जैसे ही पुलिस की टीम सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए गुमला के चेटर मैदान पहुंची वहा मौजूद तीन व्यक्तियों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस जवानों की मदद से तीनों बादल साहू, विकास कुमार बैठा और सुनील प्रजापति को पकड़ लिया।

तलाशी में मिला ब्राउन शुगर और नकद

तलाशी के दौरान बादल साहू के पास से एक पीले रंग के बैग में 200 पैकेट ब्राउन शुगर, एक नीले रंग का कपड़ा, एक भूरे रंग की शॉल, दो मोबाइल फोन और 14,150 रुपये नगद बरामद किया गया। जबकि विकास कुमार बैठा के पास से एक मोबाइल फोन और 50 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने यह ब्राउन शुगर गढ़वा के तिलदाग भीड़ निवासी अंकित कुमार से खरीदी थी। वे इसे गुमला के अन्य क्षेत्रों में बेचने के लिए ले जा रहे थे। इसके बाद पुलिस ने बादल साहू, विकास कुमार बैठा और सुनील प्रजापति को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेजने के साथ ही बरामद सभी सामानों को जब्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में दो आरोपी बादल और विकास पूर्व में भी जेल जा चुके हैं। एसडीपीओ ने बताया कि जब्त ब्राउन शुगर की कीमत करीब लगभग 10 लाख रुपये आंकी गई है। इस दौरान छापामारी में एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव, पुलिस निरीक्षक सह बानो थाना प्रभारी महेन्द्र कुमार करमाली, पुअनि अमर शुक्ला, सअनि सुनील कुमार और गुमला थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

गुमला शहरी क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में विभिन्न प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण-छापामारी

डब्ल्यूएचओ से बिना प्रमाणित ओआरएस ड्रिंक बेचने पर होगी कानूनी कार्रवाई : प्रकाश चंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। डीसी प्रेरणा दीक्षित के निर्देश के आलोक में बुधवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम की ओर से गुमला शहरी क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में विभिन्न प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण एवं छापामारी अभियान चलाया गया। इस अभियान में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, कोटाम बाजार, गुप्ता होटल टोटो, खुशबू स्वीट टोटो, विक्रेताओं का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में सरसों तेल, रिफाइंड सोयाबीन तेल, पैकेज्ड दूध एवं पनीर का सैंपल संग्रह कर लेब भेजा गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने स्वच्छता, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, भंडारण व्यवस्था एवं वैध लाइसेंस की जांच की। इस क्रम में पाया गया कि बाजार में उपलब्ध कई कंपनियों द्वारा बनाए गए पेय पदार्थों की बोतलों एवं डिब्बों पर 'ओआरएस' शब्द अंकित है। ऐसे उत्पाद देखने में साधारण सॉफ्ट ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक जैसे हैं, पर ओआरएस शब्द लिखे होने के कारण उपभोक्ता भ्रमित होकर इन्हें चिकित्सकीय उपयोग के ओआरएस के रूप में समझ सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अत्यंत गंभीर मामला है, क्योंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से प्रमाणित नहीं है जिसका क्रय विक्रय करना दंडनीय अपराध होगा। उन्होंने सभी प्रतिष्ठान संचालकों को निर्देश दिया कि वे केवल स्वीकृत एवं मानक अनुरूप खाद्य उत्पादों की बिक्री करें। साथ ही, पैकेजिंग पर दी गई जानकारी पूरी तरह सटीक और उपभोक्ता को भ्रमित न करने वाली होनी चाहिए। टीम ने कई दुकानदारों को चेतावनी देते हुए भविष्य में सुधार के लिए कहा और निर्धारित समय सीमा के भीतर अनुपालन रिपोर्ट जमा करने का निर्देश भी दिया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम जनता से भी अपील की कि वे किसी भी तरह के संदिग्ध या भ्रामक खाद्य उत्पाद की सूचना तुरंत विभाग को दें, ताकि समय पर जांच और कार्रवाई की जा सके। विभाग ने स्पष्ट किया कि आम उपभोक्ता स्वास्थ्य की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। विभिन्न प्रखंडों में लगने वाले बाजारो में किसी भी तरह का अखद्या रंग का इस्तेमाल एवं खुले में तेल एवं मसाले की बिक्री पूर्णता प्रतिबंधित है। पालन नहीं करने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिष्ठानों में पदार्थों की जांच करते खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी एवं अन्य।

दो नाबालिकों को दुष्कर्म की धमकी, परिवार से मारपीट, दो के खिलाफ थाने में एफआइआर दर्ज

गुमला (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र में 11 और 12 साल की दो नाबालिग बहनों को दो युवकों द्वारा छेड़छाड़ और दुष्कर्म की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। घटना नौ नवंबर की सुबह 9.30 की बतायी जा रही है। इस बाबद पीड़िता की मां ने बुधवार को गुमला थाना में आवेदन देकर दोनों युवकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें बताया कि अपनी बेटी और भतीजी के साथ खेत में काम करने जा रही थी। तभी रास्ते में छोटा अंबवा निवासी तौसीफ अंसारी (19) और सिसई निवासी अमजद अंसारी (20) से रास्ते में मुलाकात हुई। दोनों ने उनके पूछा की वे कहां जा रहे हैं। जब उन लोगों ने अपने गांव का नाम बताया, तो कथित रूप से मां एंव दोनों नाबालिक लड़कियों के साथ अभद्र-अश्लील व्यवहार करने लगे। इसका विरोध करने पर दोनों लड़कियों का दुष्कर्म करने की धमकी दी। इसके बाद शाम को घर पहुंच कर परिवार वालों के साथ उक्त मुद्दे को लेकर चर्चा करने लगे। तभी 45 वर्षीय रकिम अंसारी घर आया और विवाद करने लगा। इसी बीच रकिम का बेटा मुस्तफिज भी वहां पहुंच गया। उन लोगों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। किसी तरह परिवार के सदस्य वहां से भागकर अपनी जान बचाये। उस घटना के बाद से आरोपित नाबालिग बेटी और भतीजी के साथ दुष्कर्म करने की धमकी दे रहे हैं।

झारखण्ड राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर 'ग्रामीण आवास योजना दिवस' का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। राज्य सरकार के निर्देश एवं डीसी प्रेरणा दीक्षित के मार्गदर्शन में बुधवार को झारखंड राज्य स्थापना दिवस के 25वें स्थापना दिवस (रजत जयंती) समारोह के तहत पूरे जिले में ग्रामीण आवास योजनाओं को लेकर व्यापक जनभागीदारी के साथ कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीडीसी दिलेश्वर महत्तो एवं राज्य से नामित नोडल पदाधिकारी लखन लाल महतो ने प्रखंड क्षेत्र के असनी पंचायत में आयोजित ग्राम स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेते हुए ग्रामीणों को संबोधित किया। साथ ही ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत 25 लाभुकों का गृह प्रवेश पारंपरिक विधि-विधान से कराया। इसी क्रम में नावाडीह पंचायत में भी 10 लाभुकों का गृह प्रवेश संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। उधर, जिले के अन्य सभी 12 प्रखंडों के 159 पंचायतों में भी समानांतर रूप से संकल्प सभा, अबुआ आवास योजना, एवं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत ग्राम स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 753 लाभुकों का गृह प्रवेश पारंपरिक तरीके से कराया गया, जबकि 260 लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। साथ ही प्रत्येक पंचायत में संकल्प सभा के माध्यम से ग्रामीणों को आत्मनिर्भरता, स्वच्छता एवं समृद्ध ग्राम निर्माण का संकल्प दिलाया गया। इन सभी कार्यक्रमों में लगभग 6360 ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। बीडीओ, सीओ, पंचायत सचिव, ग्रामीण विकास विभाग के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शहर में चला अतिक्रमण मुक्ति अभियान

गुमला (आजाद सिपाही)। सीओ, प्रशासक एवं नगर परिषद के नेतृत्व में बुधवार को शहरी क्षेत्र के पालकोट रोड, थाना रोड, लोहरदगा रोड, मेन रोड एवं सिसई रोड में अतिक्रमण मुक्ति अभियान चलाया गया। इस दौरान वैसे सभी दुकान एवं फुटपाथ दुकान जिन्होंने अपने सामान या दुकान की सीमा को अपने क्षेत्र से बाहर रखा था, उनसे जुर्माना वसूलते हुए जेसीबी से अतिक्रमण को तोड़ा गया। साथ ही दुकान में प्रतिबंधित प्लास्टिक रखने वालों एवं डस्टबिन नहीं रखने वालों से भी जुर्माना वसूला गया। शहर में कई स्थलों पर कंस्ट्रक्शन और डिमोलिशन वेस्ट पाया गया, जिसपर सख्त रुख अपनाते हुए उनसे जुर्माना वसूला गया एवं उन्हें नोटिस दिया गया। इस मौके पर कुल 8200 रुपये का मौके पर ही आर्थिक दंड वसूला गया एवं 80 पैकेट प्रतिबंधित प्लास्टिक ग्लास जब्त किया गया। साथ ही दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी गई की शहर को अतिक्रमण मुक्त रखें।

मेला देखकर लौट रहे तीन दोस्तों की बाइक पेड़ से टकराई, दो युवकों की हालत गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। थाना क्षेत्र के बनालात रोड़ स्थित जोरी बाजार मोड़ के समीप जम्टी गांव से मेला देखकर बाइक से घर लौटने के क्रम में उनकी बाइक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में दो गंभीर रूप से घायल हो गये। उनकी पहचान केचकी ढकां टोली निवासी कार्तिक उरांव (30) कर्मा उरांव (35) और गुरदरी थाना क्षेत्र के अकंरी निवासी जोगना उरांव (35) के रूप में हुई है। बताया जा रहा कि तीनों दोस्त एक बाइक पर सवार होकर मेला देखने के बाद अपने घर लौट रहे थे। तभी चालक ने बाइक से अपना संतुलन खो दिया और सड़क किनारे एक सखुआ के पेड़ से जा टकराये। हादसे में करमा उरांव और जोगना उरांव के सिर में गंभीर चोट लगी है। उधर, राहगीरों की सूचना पर 108 एंबुलेंस के माध्यम से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल करमा और जोगना को सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सोनाली डेजी मिंज ने बताया कि दो लोगों की हालत गंभीर है प्राथमिक उपचार उपरांत उन्हें सदर गुमला रेफर की गई है। ताकि घायलों का समुचित उपचार हो सके। इधर बिशुनपुर पुलिस भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर घटना से संबंधित जानकारी ली।

लाभुकों के बीच बकरा-बकरी का वितरण

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड परिसर में झारखंड सरकार के पशुपालन विभाग की ओर से सात लाभुकों के बीच बकरा-बकरी यूनिट का वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख सविता देवी और पशुपालन पदाधिकारी डॉ सीमा एक्का ने संयुक्त रूप से लाभुकों को यूनिट सौंपी। प्रत्येक लाभुक को एक बकरा और चार बकरी दी गई, ताकि वे पशुपालन के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें। इस दौरान प्रखंड प्रमुख सविता देवी ने कहा कि सरकार की ओर से ग्रामीणों की आजीविका सुधारने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। पशुपालन ऐसा क्षेत्र है जिससे महिलाएं एवं गरीब परिवार आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने लाभुकों से कहा कि वे बकरा-बकरी पालन को व्यवसायिक रूप में अपनाएं, ताकि उनकी आमदनी में वृद्धि हो सके। जबकि, पशुपालन पदाधिकारी डॉ सीमा एक्का ने बताया कि विभागीय योजना के तहत चयनित लाभुकों को यह यूनिट दी गई है। इसके साथ ही उन्हें पशुपालन से जुड़ी आवश्यक जानकारी और स्वास्थ्य देखभाल संबंधी जानकारी भी दिया गया है। कहा कि पशुओं की नियमित जांच और टीकाकरण कराना जरूरी है, ताकि उत्पादन बढ़े और बीमारियों से बचाव हो सके।

झारखण्ड सरकार नगर विकास एवं आवास विभाग

कार्यालय, नगर पंचायत हरिहरगंज (पलामू)

Very Short Tender Notice

Very Short Tender Notice No – UDD/HNP/06/2025-26, Dated- 11.11.2025

1. निविदाकर्ता का पदनाम एवं पताः कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत हरिहरगंज।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समयः दिनांक– 26.11.2025 एवं 27.11.2025 को पूर्वाहन 11 बजे से अपराहन 02 बजे तक।
3. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थानः कार्यालय नगर पंचायत, हरिहरगंज।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समयः दिनांक– 28.11.2025 को 11 बजे पूर्वाहन से 01 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा प्राप्त करने एवं खोलने का स्थानः कार्यालय नगर पंचायत, हरिहरगंज।
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः दिनांक– 28.11.2025 को 02 बजे अपराह्न से।
7. योजनाओं की विवरणी निम्नवत है–

Sl. No.	Tender ID	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का राशि	अग्रधन की राशि 2%	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	मद
1	UDD/HNP/01/01/2025-26	वार्ड सं0 01 सतगावां में REO रोड से ट्रांसफार्मर तक पी .सी.सी. रोड का निर्माण।	457300.00	457300.00	9146.00	1000.00	02 माह	शहरी परिवहन मद
2	UDD/HNP/06/02/2025-26	वार्ड सं0 01 सतगावां में विरू सिंह के घर से से पाकड़ पेड़ तक पी .सी.सी. पथ का निर्माण।	392000.00	392000.00	7840.00	1000.00	02 माह	शहरी परिवहन मद
3	UDD/HNP/06/03/2025-26	वार्ड सं0 03 पूर्णाडिह में देवी स्थान से ब्रहम स्थान तक पी .सी.सी. पथ का निर्माण।	460600.00	460600.00	9212.00	1000.00	02 माह	शहरी परिवहन मद
4	UDD/HNP/06/04/2025-26	वार्ड सं0 01 सतगावां में सत्येन्द्र सिंह के घर से बबन सिंह के घर तक पी. सी.सी. पथ का निर्माण।	454900.00	454900.00	9098.00	1000.00	02 माह	शहरी परिवहन मद
5	UDD/HNP/06/05/2025-26	वार्ड सं0 05 सतगावां पुरानी बस स्टेण्ड पर पार्किंग क्षेत्र में पेवर ब्लॉक का निर्माण।	538175.00	538175.00	10764.00	5000.00	02 माह	शहरी परिवहन मद
6	UDD/HNP/06/06/2025-26	वार्ड सं0 05 सतगावां NH98 से बालिका उच्च विधालय तक तालाब के दक्षिण साईड में पेवर ब्लॉक का निर्माण।	414376.00	414376.00	8288.00	1000.00	02 माह	शहरी परिवहन मद
7	UDD/HNP/06/07/2025-26	वार्ड सं0 06 बंजारी मुहल्ला में सहमति चौक बंजारी मोड टण्डवा टेम्पु स्टेण्ड तक पी.सी.सी. पथ का निर्माण।	952400.00	952400.00	19048.00	5000.00	02 माह	शहरी परिवहन मद
8	UDD/HNP/06/08/2025-26	वार्ड सं0 12 अररूआखूर्द मे छोटकी पहाड़ी मंदिर से डिवहार स्थान होते हुए पी.सी.सी रोड तक पी .सी.सी. पथ का निर्माण।	660500.00	660500.00	13210.00	5000.00	02 माह	शहरी परिवहन मद

Helpline Number of Procurement cell- 6206017735, 9835305521, 8409053313

1.इस निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्य दिवस में कार्यालय, नगर पंचायत, हरिहरगंज के सूचना पट्ट एवं http://jharkhandtenders.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत हरिहरगंज।

PR 365825 District(25-26)D

बीडीओ ने पीएम और अबुआ आवास के कई लाभुकों का कराया गृह प्रवेश

घाघरा (आजाद सिपाही)। झारखंड स्थापना दिवस पर घाघरा प्रखंड में चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत कई गांवों में अबुवा आवास, प्रधानमंत्री आवास और पीएम जनमन योजना के तहत बने घरों का गृह प्रवेश समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर बीडीओ दिनेश कुमार ने चाची ग्राम में लाभुकों के नवनिर्मित अबुवा आवास का पूजन कर गृह प्रवेश कराया। इस बीडीओ ने बताया कि झारखंड स्थापना दिवस कार्यक्रम अंतर्गत बुधवार को अबुवा आवास के 44, जनमन आवास के दो और प्रधानमंत्री आवास के नौ लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया है। साथ ही 36 आवासों की स्वीकृति भी दी गई है। कहा कि सरकार का लक्ष्य हर परिवार को पक्का घर उपलब्ध कराना है, जिससे सभी लोग सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। वहीं, अन्य पंचायतों में गृह प्रवेश कार्यक्रम पंचायत कर्मियों और मुखिया द्वारा संपन्न कराया गया। मौके पर आवास कोऑर्डिनेटर अशोक कुमार, मुखिया यशमुनि कुमारी, श्याम साहू राजीव उरांव, सरोज नीलम कुजूर, राजेंद्र असुर, पवन साहू, सुनीता उरांव और देवानंद भगत आदि उपस्थित थे।

टांगरडीह प्लस टू उच्च विद्यालय में झारखंड स्थापना दिवस पर रजत वर्ष समारोह आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

डुमरी। प्रखंड के टांगरडीह प्लस टू उच्च विद्यालय में झारखंड राज्य के 25वीं स्थापना दिवस को रजत वर्ष समारोह के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विविध सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत प्रभात फेरी से हुई, जो विद्यालय परिसर से आरंभ होकर डुमरी ब्लॉक कार्यालय होते हुए नवाडीह चौक तक गई और पुनः उसी मार्ग से विद्यालय वापस लौटी। प्रभात फेरी के दौरान बच्चों ने 'भगवान बिरसा मुंडा अमर रहे, दीशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहे' जैसे नारे लगाते हुए झारखंड की गौरवशाली विरासत और आदिवासी अस्मिता का संदेश दिया। विद्यालय लौटने के बाद बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता, निबंध लेखन, पेंटिंग, पारंपरिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी और उनके योगदान पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की, जिससे पूरे वातावरण में देशभक्ति और झारखंडी संस्कृति की भावना व्याप्त हो गई। इस मौके पर प्रधानाध्यापक विकास कुमार महतो, समीर मिंज, हेमंत खलखो, अभिषेक मिंज, आशा कुमारी, प्रीति कुमारी, अरीशा परवीन, सबनम हेलेना, कोमल बाड़ा, मोनिका तिर्की, नमिता टोप्पो आदि उपस्थित थे।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 13 नवंबर, 2025
www.azadsipahi.in
11

रक्षा गार्ड को बंधक बनाकर लूट की घटना के बाद ट्रेड यूनियन संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। निरसा के इसीएल मुगमा एरिया अंतर्गत बैजना 29 नंबर इंकलाइन समीप मंगलवार देर रात अज्ञात अपराधियों ने धाबा बोला और ड्यूटी में तैनात सुखदेव भुईया एवं मृत्युंजय मंडल को पिस्टल सटाकर मारपीट कर बंधक बनाया एवं कैबुल काटकर चलते बने। अपराधियों के जाने के पश्चात बंधक दोनों गार्ड ने किसी तरीके से बंधन मुक्त होकर सायरन बजाया परंतु बड़े ही अफसोस की बात है की बैजना 29 नंबर इंकलाइन से सीआईएसफ कैंप की दूरी मात्र 50 मी करीब है बावजूद उसके सीआईएसफ का कोई भी जवान घटना स्थल पर नहीं पहुंचा। जैसे तैसे भुक्तभोगियों ने घटना की सूचना प्रबंधन को दी तब जाकर इसीएल सिक्योरिटी की टीम घटनास्थल पर पहुंची तबतक अपराधी भाग चुके थे। सुबह होने पर मजदूरों ने दोनों भुक्तभोगी मजदूरों को साथ लेकर इसीएल मुगमा एरिया की बैजना 31 नंबर कॉलीयरी में संयुक्त मोर्चा ट्रेड यूनियन के बैनर तले प्रबंधन के विरुद्ध सुरक्षा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया एवं जमकर नारेबाजी की। साथ ही कामकाज ठप कर दिया सूचना मिलते ही अभिकर्ता पहुंचे और मजदूरों को समझाने का प्रयास किया।

एसएसएलएनटी कॉलेज में लगा रक्तदान शिविर

धनबाद (आजाद सिपाही)। 12 नवंबर को भारतीय रेडक्रॉस समिति, धनबाद एवं एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय, धनबाद के संयुक्त तत्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन भारतीय रेडक्रॉस समिति, धनबाद के चेयरमैन कौशलेंद्र सिंह एवं एसएसएलएनटी महिला की प्रचार्या डॉ शर्मिला रानी के द्वारा संयुक्त रूप से महाविद्यालय परिसर में किया गया। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन राज्यपाल सचिवालय के द्वारा निर्गत पत्र एवं झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद के द्वारा निर्गत पत्र के आलोक में झारखंड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष में भारतीय रेडक्रॉस समिति, धनबाद एवं एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय, धनबाद के द्वारा आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में बच्चियों का उत्साह देखते बन रही थी परंतु जांच के क्रम में अधिकतर बच्चियों का या तो हिमोग्लोबिन कम था या फिर वजन या फिर दोनों। रक्तदान शिविर का आयोजन में नोडल पदाधिकारी, रक्तदान कार्यक्रम, भारतीय रेडक्रॉस समिति, धनबाद के नेतृत्व में किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में कुमार माधुरेंद्र सिंह, चैयरमेन के सलाहकार, श्वेताम्बरा पाठक, कोषाध्यक्ष, दिलीप सिंह, संयुक्त सचिव, मनोज कुमार मिश्रा, आजीवन सदस्य विशेष रूप से उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में कुल नौ यूनिट ब्लड संग्रह किया गया, जिसे एसएनएमएमसीएच धनबाद के ब्लड सेंटर को सुपुर्द कर दिया गया।

दी पेंटीकॉस्टल असेंबली स्कूल में हुई कॉस्ट्यूम गाला प्रतियोगिता

बोकारो (आजाद सिपाही)। दी पेंटीकॉस्टल असेंबली स्कूल में बुधवार को कक्षा प्री-नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए कॉस्ट्यूम गाला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कुल 50 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और अभिनय कौशल का सुंदर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया, जिन्होंने अपने बच्चों की प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया और विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान प्री-नर्सरी के नन्हे-मुन्ने बगीचे के अद्भुत नजारे बनकर खिले। नर्सरी के बच्चों ने 'कार्टून किरदारों' की रंगीन दुनिया को जीवंत किया। प्रेप के बच्चों ने 'पक्षियों' की उड़ान भरी। पहली कक्षा के बच्चों ने जानवरों के साम्राज्य को दर्शाया। दूसरी कक्षा के बच्चों ने समाज के सहायकों की भूमिका को सुंदरता से प्रदर्शित किया। बच्चे विभिन्न आकर्षक वेशभूषाओं में सजे हुए जब मंच पर आए तो पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ करुणा प्रसाद ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में आत्मविश्वास, मंच प्रस्तुति और सृजनशील सोच को विकसित करती हैं।

सुरक्षा अनुपालन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मियों को मिला सेफ्टी-अवॉर्ड

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो इस्पात संयंत्र में चल रहे सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति सजगता और जिम्मेदारी की भावना को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत उन कर्मचारियों को भी सम्मानित किया जा रहा है जो कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का उत्कृष्ट रूप से पालन कर अन्य के लिए उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी क्रम में बीएसएल के परियोजना डिवीजन में 'सेफ्टी अवॉर्ड कार्यक्रम' का आयोजन परियोजना डिवीजन के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीश सेनगुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे उपस्थित रहे। साथ ही मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) पीएच शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना खान) हेमू टोप्पो सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, परियोजना-सुरक्षा विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) सेनगुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को कार्यस्थल पर अपने व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का नियमित और सही उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने रोको-टोको संस्कृति को अपनाने तथा कार्यस्थल की हाउसकीपिंग पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने खतरों की पहचान और जोखिम मूल्यांकन की तकनीक को समझने तथा कार्य के दौरान व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाने की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। समारोह में सुरक्षा के प्रति जागरूक एवं उत्कृष्ट 10 कर्मियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया. इसके अतिरिक्त, सुरक्षा विषयक स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया, जिनमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कारों के साथ 15 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जिसे विशिष्ट अतिथि बीके सरतापे, पीएच शर्मा तथा हेमू टोप्पो द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन महाप्रबंधक (परियोजना-सुरक्षा) राजेश शर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्रबंधक (परियोजना-सुरक्षा)कौशल किशोर के द्वारा किया गया।

विधायक ने की सड़क मरम्मत की मांग

निर्माण कार्य 30 नवंबर तक प्रारम्भ नहीं होने पर 1 दिसंबर से अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। विधायक एवं झारखंड विधानसभा के सचेतक राज सिन्हा ने बुधवार को नगर आयुक्त से बात कर धनबाद शहर क्षेत्र के विकास से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरता से चर्चा की। विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कों की स्थिति अत्यंत दयनीय है, जिसके कारण आम लोगों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने नगर आयुक्त से कहा कि बरटांड़ पंडित क्लिनिक रोड, राजकीय पॉलिटेक्निक से पान्डरपाला मुख्य सड़क, गांधी नगर सब्जी बगान मुख्य सड़क, डीएस कॉलोनी मुख्य सड़क, माडा कॉलोनी मुख्य सड़क, विनोद नगर मुख्य सड़क, मनईटांड़ गोल बिल्डिंग से छठ तालाब होते हुए भोक्ता मेला मार्ग से पथराकुलही मुख्य सड़क सहित शहर के समस्त जर्जर सड़कों के निर्माण का कार्य अगामी 30 नवंबर 2025 तक हर हाल में प्रारंभ किया जाए। श्री सिन्हा ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि निर्धारित तिथि तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो वे 1 दिसंबर 2025 से नगर निगम कार्यालय के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा जनहित के प्रश्न पर मैं मौन नहीं रह सकता। आम जनता की सुविधा और सम्मान मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसके अतिरिक्त विधायक सिन्हा ने शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम, हाउसिंग कॉलोनी दादा-दादी पार्क सहित अन्य सार्वजनिक पार्कों के निजीकरण प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। उन्होंने नगर निगम से यह माँग की कि जनता के हित में ऐसे सभी निजीकरण प्रस्तावों को तत्काल निरस्त किया जाये। श्री सिन्हा ने कहा कि ये पार्क और सार्वजनिक स्थल आम नागरिकों के मनोरंजन, स्वास्थ्य तथा खेलकूद के लिए हैं। इनका निजीकरण न केवल अनुचित है, बल्कि यह जनहित के मूल सिद्धांतों के भी विपरीत है।

विधायक ने नगर आयुक्त से स्पष्ट कहा कि वह शहर के सौंदर्यीकरण एवं नागरिक सुविधाओं के सुधार हेतु त्वरित, पारदर्शी एवं जनहितकारी कार्रवाई सुनिश्चित करे। सिन्हा ने आश्वासन दिया कि वे स्वयं इन सभी विकास कार्यों की प्रगति पर नियमित रूप से निगरानी रखेंगे, ताकि धनबाद को एक स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित शहर के रूप में पुनः स्थापित किया जा सके।

स्वास्थ्य शिविर में दो सौ लोगों ने करायी जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। क्षेत्रीय अस्पताल, भूली में बीसीसीएल द्वारा मधुमेह (डायबिटीज) एवं उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) पर केंद्रित एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 200 से अधिक लाभार्थियों ने भाग लिया और उन्हें निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गयी। प्रतिभागियों की रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) एवं रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) जांच की गयी, जिसके बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (प्रशासन) अर्पण घोष बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। अवसर पर अस्पताल प्रभारी डॉ अभिजीत कुमार, एपीएम बीडी सिंह सहित बीसीसीएल के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। अर्पण घोष ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक शक्ति उसके कर्मियों के स्वास्थ्य, समर्पण और कार्यकुशलता में निहित होती है। बीसीसीएल सदैव अपने कार्मिकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग एवं प्रतिबद्ध रहा है। संगठन का यह सतत प्रयास है कि प्रत्येक कर्मी स्वस्थ, सुरक्षित और सक्षम वातावरण में कार्य कर सके।

रजत जयंती वर्ष के अवसर पर लाभुकों को आवास स्वीकृति पत्र वितरित किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। झारखंड स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर सभी प्रखंडों में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बुधवार को अबुआ आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत चयनित लाभुकों को आवास स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। पूर्ण हो चुके आवासों में गृह प्रवेश समारोह का भी आयोजन किया गया। लाभुक परिवारों ने दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ अपने नए घरों में प्रवेश किया। इस अवसर पर लाभुकों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

यह कार्यक्रम स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उन्होंने योजनाओं की पारदर्शिता एवं त्वरित क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन की सराहना की। प्रतिनिधियों ने कहा कि आवास योजनाएं ग्रामीण परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सम्मान ला रही हैं। पूरा आयोजन उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार के निर्देश एवं पर्यवेक्षण में योजनाबद्ध ढंग से सम्पन्न किया गया। उपायुक्त (डीसी) ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित एवं स्वच्छ आवास उपलब्ध कराना है, ताकि झारखंड का हर नागरिक अबुआ घर, अबुआ सम्मान के संकल्प को साकार कर सके। जिला प्रशासन ने कहा कि यह आयोजन झारखंड के रजत जयंती वर्ष में ग्रामीण सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में एक सार्थक कदम है। इन योजनाओं के माध्यम से गरीब, वंचित एवं असहाय परिवारों को स्थायी आवास मिल रहा है, जो राज्य के विकास की एक नयी गाथा लिख रहा है।

शिविर में सीएस सहित अन्य अधिकारियों ने किया रक्तदान

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। झारखंड स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बुधवार को सदर अस्पताल बोकारो स्थित ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा, डीडीसी शताब्दी मजूमदार, सिविल सर्जन डॉ एबी प्रसाद आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। उद्घाटन के बाद उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने कहा कि रक्तदान बहुत जरूरी है। उन्होंने समाज के हर वर्ग के नागरिकों से आगे बढ़कर रक्तदान करने की अपील की। रक्त दान करने से कोई कमजोरी नहीं होती है। रक्त देने से शरीर स्वस्थ्य होता है, नया रक्त बनता है। शिविर में सबसे पहले सिविल सर्जन डॉ एबी प्रसाद एवं नोडल पदाधिकारी मनरेगा पंकज दूबे ने रक्तदान किया। इसकी उपायुक्त ने सराहना किया। कहा कि दूसरों को रक्तदान करने के लिए अपील करने से पूर्व स्वयं से इसकी शुरूआत करनी चाहिए। शिविर के पहले दिन प्रशासनिक पदाधिकारियों कर्मियों ने रक्तदान किया। डीसी ने इस अवसर पर सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और युवाओं से सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति साल में कम से कम एक बार रक्तदान अवश्य करें। यह किसी की जान बचाने का सबसे सरल और श्रेष्ठ तरीका है।रक्तदान मानवता की सेवा है और समाज के प्रत्येक वर्ग को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा दान है जो किसी की जान बचाने का माध्यम बनता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी का जीवन बचता है, यह सबसे बड़ा पुण्य है। सभी नागरिक आगे आएं और इस पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। मौके पर सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद ने बताया कि 12 से 28 नवंबर तक जिलेभर में विशेष रक्तदान अभियान चलाया जायेगा।

जिला नोनिया चौहान महासभा ने वरिष्ठ पत्रकार सत्येंद्र पर हमले की निंदा की

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार (आजाद सिपाही)। धनबाद जिला नोनिया चौहान महासभा ने वरिष्ठ पत्रकार सत्येंद्र चौहान पर हुए कातिलाना हमले की कड़ी निंदा की है। इस संबंध में महासभा की एक आपातकालीन बैठक बुधवार, को बस्ताकोला में आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अधिवक्ता हीरालाल चौहान ने की। महासभा ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए जिले के पुलिस कप्तान से मांग की है कि उचित जांच कर दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जाये। ज्ञातव्य है कि मंगलवार को विश्वकर्मा परियोजना मे दो गुट के असंगठित मजदूरों के बीच आमने-सामने थे। दोनों ओर से तनाव की स्थिति बनी हुई थी। सूचना मिलते ही पत्रकार सत्येंद्र चौहान समाचार संकलन के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। इसी बीच अभिषेक सिंह उर्फ ढोलक सिंह और उनके साथियों ने अचानक सत्येंद्र चौहान पर आक्रमण कर उन्हें घायल कर दिया। एक पत्रकार पर इस प्रकार का अचानक आक्रमण अत्यंत निंदनीय है। महासभा ने चेतावनी दी है कि पुलिस यदि घटना की जांच कर ढोलक सिंह पर कार्रवाई नहीं करती, तो न्याय नहीं मिलने पर चौहान महासभा जिले भर में आंदोलन करने को बाध्य होगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

बैठक में अनिल कुमार चौहान, बिहारी लाल चौहान, देशराज चौहान, झरीलाल, हेमराज चौहान, किशोर नोनिया, किशोर बेलदार, शिवनारायण नोनिया, सूरज प्रसाद बेलदार, मनोज चौहान, दिनेश चौहान, शंकर बेलदार, भोला नोनिया, संजय कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

विश्वकर्मा प्राजेक्ट में विवाद के कारण लोडिंग पॉइंट पर रहा तनाव

धनसार (आजाद सिपाही)। धनसार विश्वकर्मा प्रोजेक्ट मे प्रगति नामक नयी ट्रांसपोटिंग कंपनी शुरू होने के साथ हुए उत्पन्न विवाद को लेकर बुधवार को भी कोयला लोडिंग पॉइंट पर तनाव बना रहा। जश्रसं और भाकपा माले समर्थक असंगठित मजदूरो और ट्रांसपोटिंग कंपनी समर्थको के बीच मंगलवार को हुए पथराव मारपीट के बाद गुरुवार को असंगठित मजदूर परियोजना में जमे रहे। वहीं ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के समर्थक परियोजना के आसपास मंडराते दिखे। झरिया एवं धनसार थाना के पुलिस तनाव को देखते हुए परियोजना में गस्त कर रही थी। पुलिस दोनों पक्षो के बीच तनाव को देखते हुए सतर्क रही। वहीं घटना के बाद से परियोजना में एक बार फिर राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। असंगठित मजदूर परियोजना से शुरू होने वाले ट्रांसपोर्टिंग कंपनी में रोजगार की मांग पर अड़े हुए हैं।

सुरक्षा संस्कृति को सशक्त करने के लिए मानव शृंखला आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र में सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत 12 नवंबर 2025 को संयंत्र प्लांट प्लाजा रोड पर एक विशेष मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य कर्मियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता को और अधिक सुदृढ़ करना तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा को कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाना था। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन उपस्थित रहे। उन्होंने सभी से सुरक्षित कार्य परिवेश सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे, विभिन्न विभागों के सुरक्षा अधिकारी, सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी एवं कर्मी, अनुबंधों के अंतर्गत कार्यरत सुरक्षा पर्यवेक्षक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ठेका श्रमिकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने सुरक्षा संदेशों एवं नारों से युक्त तख्तियों के माध्यम से सड़क और कार्यस्थल दोनों पर सुरक्षा के प्रति सतर्कता एवं जिम्मेदारी का संदेश दिया।

तीरंदाजी प्रतियोगिता में चंदनकियारी की टीम 24 स्वर्ण पदक जीतकर बनी जिला चैंपियन

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता 2025 में चंदनकियारी स्थित खेल केंद्र के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 24 स्वर्ण पदक अपने नाम कर चंदनकियारी को चैंपियन का खिताब दिलाया।

कंपाउंड गर्ल्स इवेंट में आरती कुमारी ने 9 स्वर्ण, कुमकुम कुमारी ने 9 रजत तथा राशी कुमारी ने 9 कांस्य पदक प्राप्त किए। वहीं, कंपाउंड बॉयज इवेंट में रुद्राक्ष पांडेय ने 6 स्वर्ण, विजय गोराई ने 3 स्वर्ण, विष्णु बाउरी ने 5 कांस्य तथा विक्रम सिंह ने 1 कांस्य पदक अर्जित किया।

रिकर्व बॉयज इवेंट में अनमोल उरांव ने 6 स्वर्ण और 3 रजत, शिवम भगत ने 1 रजत और 6 कांस्य, जबकि राहुल सूत्रधार ने 6 रजत और 3 कांस्य पदक जीते। इंडियन राउंड बॉयज इवेंट में अमित बाउरी ने 4 रजत और 1 कांस्य पदक हासिल किया।

खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन पर जिला खेल पदाधिकारी, जिला खेल समन्वयक, तथा प्रशिक्षक हेमंत कुमार, मोहन कुमार और महेन्द्र करमाली ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LTD.
CIN: U40108JH2013SGC001704, Office of the General Manager
Transmission Zone-V, Hazaribag,
Office At – Sringari Complex, Canary Hill Road, Hazaribag, Pin – 825301, JH
eMailiD:-gmtzone5hzb@gmail.com

e-Tender Notice

E-Tender notice in two parts i.e. Technical (Part-I) and Financial (Part-II) are invited from reputed, experienced capable and financially sound agencies / contractors for the following works:-

Sl. No.	NIT No.	Description of Work	Estimated Cost including of GST & Labour Cess (Rs.)	Earnest Money Deposit(Rs.)	Cost of Tender (Non Refundable)(Rs.)
01	494/PR/ JUSNL /2025-26	Work for complete detail survey works along with profile, tower spotting & submission of survey details including soil investigation of proposed tower (if any) of 400KV S/C TTPS - Biharsharif Transmission Line. (under the jurisdiction of JUSNL i.e. 110km.)	Rs.29,07,754.00	Rs.58,200.00/-	Rs.5000+18% GST = Rs.5900/-
Availability of T ender Documents on website			From17/11/2025 at 02.00 PM to 08/12/2025 upto 2:00PM		
Last Date & Time for uploading of e-Tender			08/12/2025 upto 2:00PM		
BID Opening date for Technical (Part – I)			09/12/2025 at 03.00 PM		
BID Opening date for Financial (Part – II)			Will be communicated later on.		
Tendering Officer, address for communication & submission of tender documents			**G.M.,TRANSMISSION ZONE-V, HAZARIBAG** Sringari Complex, 1st Floor, Canary Hill Road, Near Montfort School, Hazaribag – 825301, JH		

1) e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details/clarification required in this regard please contact to the office of the undersigned (**06546-270375**) during office hours. NIC helpline no.- **0651-2400178.**
2) Bidder shall deposit online Tender fee & EMD as per rules of e-tendering portal.
3) The bids will be received through electronic tendering mode only.
4) No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone- V, Hazaribag

PR 365858 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(25-26)#D

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 13 नवंबर, 2025
www.azadsipahi.in

वाराणसी जा रहे विमान को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई से जा रहे विमान में सवार थे 182 यात्री, इमरजेंसी लैंडिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

वाराणसी। मुंबई से वाराणसी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को बीच उड़ान के दौरान बम की धमकी मिलने की सूचना मिलने के बाद वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। एयरपोर्ट निदेशक पुनीत गुप्ता ने बताया कि विमान की पूरी जांच कर ली गयी है। कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। विमान को सुरक्षित घोषित किया गया है और अब एयरपोर्ट का संचालन सामान्य हो गया है। जानकारी के अनुसार सूचना के बाद विमान की तुरंत इमरजेंसी लैंडिंग करायी गयी। इसके बाद उसे आइसोलेशन में भी ले जाया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि बम निरोधक दस्ते द्वारा विमान की विस्तृत जांच की गयी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बम की अफवाह से हड़कंप, चेन्नई-गोवा में भी अलर्ट

नयी दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर शनिवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब फायर ब्रिगेड को शाम 4 बजे बम मिलने की सूचना मिली। जानकारी के बाद मौके पर बम निरोधक दस्ते और पुलिस की टीमों ने पहुंच कर पूरे क्षेत्र की तलाशी ली। दिल्ली पुलिस के अनुसार, यह इमेल इंडिगो के शिकायत पोर्टल पर आया था, जिसमें दिल्ली, चेन्नई और गोवा समेत कई एयरपोर्ट पर बम होने की बात कही गयी थी। जांच के बाद सभी स्थानों पर अलर्ट जारी कर एहतियाती तलाशी की गयी, लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला। पुलिस ने मामले में मिली जानकारी को फर्जी बताया है। वहीं चेन्नई और गोवा में भी जांच में कुछ भी नहीं मिला। लालकिले के पास धमाके से सभी एजेंसियां बिल्कुल अलर्ट पर हैं।

अधिकारी धमकी के स्रोत की जांच शुरू कर चुके हैं। मुंबई से वाराणसी पहुंचे एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान में बम की सूचना से हड़कंप मच गया था। यात्रियों को विमान से सुरक्षित उतारने के बाद सर्च ऑपरेशन शुरू हो गया। सीआइएसएफ के साथ स्थानीय पुलिस भी सर्च ऑपरेशन में शामिल रही। विमान में 182 यात्री सवार थे। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा कि वाराणसी जाने वाली हमारी एक उड़ान को सुरक्षा संबंधी धमकी मिली। प्रोटोकॉल के अनुसार, सरकार द्वारा नियुक्त बम खतरा आकलन समिति को तुरंत सूचित किया गया और सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय तुरंत शुरू किये गये। उड़ान सुरक्षित रूप से उतर गयी और सभी यात्रियों को उतार लिया गया। सभी अनिवार्य सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद विमान को परिचालन के लिए छोड़ दिया जायेगा।

डॉ शाहीन के दस्तावेजों को खंगालने के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंची खुफिया विभाग की टीम

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रयागराज। दिल्ली के लाल किले के पास हुए बम ब्लास्ट के मामले में गिरफ्तार डॉ शाहीन के शैक्षिक दस्तावेजों को खंगालने के लिए खुफिया विभाग की टीम बुधवार को मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज पहुंची। टीम ने डॉ शाहीन से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की। इसको लेकर मेडिकल कॉलेज में खलबली मची रही। टीम गुपचुप तरीके से कॉलेज में पहुंची थी। इस बारे में कोई स्टाफ कुछ बोलने को तैयार नहीं है। खुफिया सूत्रों के अनुसार डॉ शाहीन ने 2002 में प्रथम श्रेणी में एमबीबीएस पास किया था। इसके बाद उसने एमडी की पढ़ाई के लिए पीजीआइ लखनऊ में प्रयास किया था, लेकिन उसका एडमिशन नहीं हो सका। शुरुआत से ही शाहीन पढ़ाई में काफी होशियार थी। हाइस्कूल और इंटर की परीक्षा भी उसने अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण की थी। जांच टीम डॉ शाहीन के सहपाठियों से भी उसके बारे में पूछताछ कर सकती है। उसकी एक सहपाठी प्रयागराज में ही रहती है और खुद का पैथोलॉजी चलाती है। इसके अलावा कई और सहपाठी अलग-अलग शहरों में चिकित्सक हैं या खुद का अस्पताल चला रहे हैं। दिल्ली धमाके के मामले में गिरफ्तार संदिग्ध डॉ शाहीन ने प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई की है। मेडिकल कॉलेज के सूत्रों के मुताबिक डॉ. शाहीन ने 1996 बैच में एमबीबीएस में दाखिला लिया था। एमबीबीएस की पढ़ाई और इंटर्नशिप 2002 में पूरी की थी। डॉ शाहीन मेडिकल कॉलेज कैंपस के गर्ल्स हॉस्टल में ही रहती थी। सूत्रों के मुताबिक शुरुआत से ही उसका अपने साथियों से ज्यादा मेलजोल नहीं था। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद डॉ शाहीन ने फार्माकोलॉजी में एमडी की डिग्री हासिल की थी। 2006-07 में यूपी लोक सेवा आयोग से डॉ शाहीन का चयन कानपुर नगर के गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल (जीएसवीएम) कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ था। 2009-10 में डॉ. शाहीन का तबादला कन्नौज मेडिकल कॉलेज हो गया। इसके बाद 2013 में दोबारा डॉ शाहीन कानपुर मेडिकल कॉलेज लौट आयी थी। यहां दोबारा आने के बाद से ही उसकी गतिविधियां संदिग्ध हो गयी थीं। वह कुछ देश विरोधी तत्वों के संपर्क में आ गयी थी। इसके बाद लगातार नौकरी पर मौजूद न रहने के कारण 2021 में सरकार ने उसकी सेवाएं समाप्त कर दीं। सइद अहमद अंसारी की पुत्री डॉ शाहीन लखनऊ की रहने वाली है। सइद अहमद की तीन संतानों में डॉ शाहीन दूसरे नंबर पर है।

हम एक देश हैं, हिंदी बोलने को मजबूर करना लुंगी का मजाक उड़ाना बर्दाश्त नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में केरल के दो छात्रों से मारपीट की घटना पर चिंता जतायी है। कोर्ट ने कहा, हम एक देश हैं। हिंदी बोलने को मजबूर करना, लुंगी का मजाक उड़ाना बर्दाश्त नहीं है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने हाल ही में दिल्ली में एक व्यक्ति के साथ हुई उस घटना का जिक्र किया, जिसमें छात्रों को हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया गया। पारंपरिक पोशाक लुंगी पहनने पर उनका मजाक उड़ाया गया। यह घटना लाल किले के पास हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार को ऐसे सांस्कृतिक और नस्लीय भेदभाव के मामलों को लेकर गंभीर होना चाहिए। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा, देश में सांस्कृतिक और नस्लीय भेदभाव से लोगों को निशाना बनाना दुखद है। दोनों छात्र दिल्ली यूनिवर्सिटी के जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्र हैं। उन्हें पुलिस और स्थानीय लोगों ने पीटा। कोर्ट 2015 में दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। यह याचिका अरुणाचल प्रदेश के छात्र नीडो तानिया की दिल्ली में मौत के बाद दायर की गयी थी। कोर्ट ने तब केंद्र को एक कमेटी बनाने का निर्देश दिया था। कमेटी को नस्लीय भेदभाव, अत्याचार और हिंसा पर सख्त कार्रवाई करने के अधिकार दिये गये थे। साथ ही इस तरह मामलों को रोकने के उपाय सुझाने को कहा गया था।

14 को बिहार में एनडीए की बड़ी जीत होगी : लक्ष्मण प्रसाद सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

राजधनवार। बिहार विधान-सभा चुनाव प्रचार के बाद बुधवार को धनवार लौटे भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसद सिंह काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने बरजो स्थित पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मिल क्षेत्र के कुशल-क्षेम से अवगत हुए। प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि बिहार में पुनः एनडीए की सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव के दौरान एनडीए के प्रति तूफानी रुझान देखा गया। मातृ शक्ति, युवा और तमाम आवाम ने मोदीजी और नीतीश बाबू के नेतृत्व को अपना पूरा समर्थन दिया है। 14 नवंबर को बिहार में एनडीए की बड़ी जीत होगी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को स्मरण करते हुए कहा कि स्वामी जी ने कहा था कि भारत विश्वगुरु बनेगा, प्रधान मंत्री नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में देश उस मार्ग पर तेजी से अग्रसर है, कोई ताकत इसे विश्वगुरु बनने से नही रोक सकता। इस दौरान वे धरमपुर में भाजपा कार्यकर्ता पवन सिंह के घर एक समारोह में भी भाग लिया।

निठारी हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस जांच की आलोचना की

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। दिल्ली से सटे नोएडा के निठारी हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला करते हुए सुरिंदर कोली को बरी कर दिया और तत्काल रिहा करने का आदेश सुनाया। कोर्ट ने अपने फैसले में पुलिस जांच की आलोचना करते हुए कहा है कि कोली के खिलाफ सबूत फोरेंसिक साक्ष्यों द्वारा समर्थित नहीं थे। कोर्ट ने यह भी कहा कि कोली का कथित कबूलनामा अविश्वसनीय है, क्योंकि वह 60 दिनों से ज्यादा समय तक बिना किसी कानूनी सहायता या मेडिकल जांच के हिरासत में रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट ने ने पाया कि कबूलनामा दर्ज करने वाले ट्रायल मजिस्ट्रेट ने हिरासत में संभवतः उसे यातना दिये जाने का संकेत दिया था। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने कोली की तत्काल रिहाई का आदेश दिया। वह साल 2006 से जेल में बंद है।

कट्टरपंथियों के भरोसे चल रही यूनुस सरकार : शेख हसीना

- भारत का विरोध करके अपना नुकसान कर रहे
- लोकतंत्र बहाल होगा तब बांग्लादेश लौटूंगी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत में रह रहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि बांग्लादेश की वर्तमान यूनुस सरकार कट्टरपंथियों के भरोसे चल रही है। उन्होंने बुधवार को एक इंटरव्यू में कहा कि मैं भारत सरकार और यहां के लोगों की मेहमाननवाजी के लिए बेहद आभारी हूं। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की भारत विरोधी नीति बेवकूफाना और खुद का नुकसान करने वाली है। हसीना ने कहा कि उनकी वतन वापसी तभी संभव है, जब लोकतंत्र बहाल होगा, अवामी लीग पर से प्रतिबंध हटेगा और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराये जायेंगे। शेख हसीना ने पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश छोड़ दिया था। इसके बाद से वह भारत में ही रह रही हैं। हसीना ने कहा कि मोहम्मद यूनुस एक कमजोर, अराजक और चरमपंथियों पर निर्भर नेता हैं। हसीना ने स्वीकार किया कि पिछले हुए तख्तापलट पर कहा कि हम हालात पर नियंत्रण खो बैठे थे और यह दुर्भाग्यपूर्ण था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि प्रदर्शन को भड़काने में कुछ तथाकथित छात्र नेताओं की भी भूमिका रही, जो असल में राजनीतिक कार्यकर्ता थे। उन्होंने भारत-बांग्लादेश रिश्तों पर भी बात की और कहा कि भारत हमेशा से बांग्लादेश का सबसे अहम अंतरराष्ट्रीय साझेदार रहा है। मुझे उम्मीद है कि दोनों देशों के मजबूत रिश्ते मौजूदा अंतरिम सरकार की नीतियों से प्रभावित नहीं होंगे। भारत के लोगों को आश्वस्त करते हुए हसीना ने कहा कि वर्तमान अंतरिम सरकार बांग्लादेश के लोगों की सोच को नहीं दिखाती है। भारत हमारे देश का सबसे बड़ा दोस्त था, है और रहेगा। हसीना ने यूनुस सरकार पर आरोप लगाया कि वह भारत से संबंध खराब करने और चरमपंथी ताकतों को बढ़ावा देने का काम कर रही है।

हिंदुत्व की रक्षा के लिए बने 'सनातन धर्म परीक्षण बोर्ड': पवन कल्याण

- तिरुपति लड्डू घी विवाद के बीच डिप्टी सीएम की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू (प्रसादम) में इस्तेमाल होने वाले कथित नकली घी विवाद के बीच राज्य के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने हिंदुत्व और सनातन धर्म की रक्षा के लिए 'सनातन धर्म परीक्षण बोर्ड' की स्थापना का आह्वान किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंगलवार को साझा एक पोस्ट में पवन कल्याण ने कहा कि सनातनियों की भावनाओं और प्रथाओं का मजाक उड़ाया जा रहा है और उन्हें कमतर आंका जा रहा है। इससे भक्तों का विश्वास कम हो रहा है। उप मुख्यमंत्री ने लिखा, वैश्विक हिंदू समुदाय के लिए, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम एक तीर्थस्थल से कहीं बढ़कर है। यह एक पवित्र आध्यात्मिक प्रवास है। तिरुपति लड्डू सिर्फ एक मिठाई नहीं है। यह एक साझा भावना है। हम इसे दोस्तों, परिवार और

अजनबियों के बीच समान रूप से बांटते हैं, क्योंकि यह हमारी सामूहिक आस्था और गहन विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने आगे लिखा, औसतन हर साल लगभग 2.5 करोड़ भक्त तिरुमाला आते हैं और जब सनातनियों की भावनाओं और प्रथाओं का मजाक उड़ाया जाता है या उन्हें कमतर आंका जाता है, तो यह न केवल आहत करने वाला होता है, बल्कि यह दुनिया भर के लाखों लोगों के विश्वास और श्रद्धा को भी चकनाचूर कर देता है। धर्मनिरपेक्षता दोतरफा होनी चाहिए। सनातन धर्म के लिए एक संरक्षण निकाय की स्थापना का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि बोर्ड का गठन सभी हितधारकों की सहमति से किया जाना चाहिए। उन्होंने लिखा, हमारी आस्था की सुरक्षा और सम्मान से समझौता नहीं किया जा सकता। हमारा सनातन धर्म सबसे प्राचीन और निरंतर विकसित होती सभ्यताओं में से एक है, और अब समय आ गया है कि हम सभी हितधारकों की सहमति से सनातन धर्म परीक्षण बोर्ड की स्थापना करें।

एक अन्य एक्स पोस्ट में उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 2019 से 2024 के बीच तिरुपति लड्डुओं में 250 करोड़ रुपये के मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया है। यह मामला तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के पूर्व कार्यकारी अधिकारी धर्म रेड्डी के मिलावटी घी मामले में विशेष जांच दल के समक्ष पेश होने के बाद आया है। उनसे मिलावटी घी की खरीद के संबंध में पूछताछ की गयी है।

चंद्रबाबू पिछली सरकार पर रहे हमलावर

इस बीच, सीबीआइ ने टीडीडी के पूर्व अध्यक्ष वाइवी सुब्बा रेड्डी को ऑनलाइन नोटिस जारी कर 13 नवंबर को पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश दिया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने एक हफ्ते का समय मांगा है और कहा है कि वह 15 नवंबर के बाद पेश होंगे। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली टीडीपी ने कथित मिलावट के लिए पिछली वाइएसआरसीपी सरकार की आलोचना की है। टीडीपी ने एक्स पर लिखा, घी बनाने के लिए दूध की जरूरत होती है। खासकर तिरुमला के लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाले शुद्ध घी के लिए। यह गाय के दूध से बनाया जाता है। लेकिन वाइएसआरसीपी सरकार के दौरान लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाला मिलावटी घी कथित तौर पर असली दूध का इस्तेमाल किये बिना, रसायनों और जानवरों की चर्बी से और नकली तेलों से बनाया गया था।

भारत पर टैरिफ घटायेंगे ट्रंप

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, नयी ट्रेड डील जल्द
- भारतीयों को मुझसे अभी प्यार नहीं, लेकिन फिर से करने लगेंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत और अमेरिका एक नये व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गये हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत पर लगे टैरिफ को धीरे-धीरे कम करेगा। यह बयान भारत में नये अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ओवल ऑफिस में दिया गया। ट्रंप ने कहा, वे मुझसे अभी प्यार नहीं करते, लेकिन वे मुझसे फिर प्यार करेंगे। हमें एक अच्छा सौदा मिल रहा है। भारत पर टैरिफ कम करने के सवाल पर ट्रंप ने कहा कि भारत पर ऊंचे टैरिफ रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाये गये थे, लेकिन अब भारत ने रूसी तेल की खरीद बहुत कम कर दी है। उन्होंने कहा, हां, हम टैरिफ कम करेंगे। ट्रंप ने कहा, भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है, दुनिया का सबसे बड़ा देश है और इसकी आबादी 1.5 अरब से ज्यादा है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारे शानदार संबंध हैं और सर्जियो ने इसे और बढ़ाया है। ट्रंप ने आगे कहा, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाला वर्ग भी है और यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा साझेदार है। राजदूत के रूप में सर्जियो हमारे देश के बंधन को मजबूत करने, प्रमुख अमेरिकी उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देने, अमेरिकी ऊर्जा निर्यात को बढ़ाने और हमारे सुरक्षा सहयोग का विस्तार करने के लिए काम करेंगे।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**